THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 287 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) पौष कृ.8 2080 गुरुवार, 4 जनवरी-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने लक्षद्वीप में 1150 करोड़ की योजनाएं लॉन्च की

10 साल में उन राज्यों पर फोकस किया जिस पर ध्यान नहीं दिया गया

पीएम मोदी ने लक्षद्वीप के कावारत्ती में मोदी को उनकी तस्वीर भेंट करती लड़कियां।

अगत्ती, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को लक्षद्वीप के कावारत्ती पहुंचे। यहां उन्होंने 1150 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने कावारत्ती स्टेडियम में कहा-लक्षद्वीप का क्षेत्रफल भले छोटा है, लेकिन इसका हृदय बहुत बड़ा है। मैं यहां मिल रहे प्यार और आशीर्वाद से अभिभूत हूं। मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

पीएम ने कहा-2020 में मैंने आपको गारंटी दी थी कि अगले 1000 दिनों के अंदर आपको तेज इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। आज कोच्चि-लक्षद्वीप सबमरीन ऑप्टिकल फाइबर प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया गया है। अब लक्षद्वीप में 100 गुना ज्यादा स्पीड से इंटरनेट मिलेगा। पीएम ने कहा-आज भारत विश्व समुद्री खाद्य बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इससे लक्षद्वीप को काफी फायदा हो रहा है। आज लक्षद्वीप की टूना मछली जापान को निर्यात की जा रही है और मछुआरों का कल्याण पूरी तरह सुनिश्चित किया जा रहा है। लक्षद्वीप में समुद्री शैवाल की खेती से जुड़ी संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। इससे पहले 2 जनवरी को मोदी तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली पहुंचे। यहां उन्होंने इंटरनेशनल एयरपोर्ट की नई टर्मिनल बिल्डिंग समेत करीब 20 हजार करोड़ से ज्यादा की योजनाओं का शिलान्यास-उद्घाटन किया।

संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीखा

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश को तमिलनाडु की जीवंत संस्कृति और विरासत पर गर्व है। मेरे कई तमिल मित्र थे। मुझे उनसे तमिल संस्कृति के बारे में बहुत कुछ सीखने को मिला। मैं दुनिया में जहां भी जाता हूं, मैं खुद को तमिलनाडु के बारे में बात करने से नहीं रोक सकता। पवित्र सेनगोल को नए संसद भवन में स्थापित किया गया, जो सुशासन के उस मॉडल से प्रेरणा लेने की कोशिश है, जो तमिल विरासत ने भारत को दिया है।

भारत दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुकी है। हमारे देश में दुनिया के बड़े निवेशक निवेश कर रहे हैं। इसका फायदा तमिलनाडु और देश की जनता को मिल रहा है। तमिलनाडु मेक इन इंडिया का बड़ा ब्रांड एंबेसडर बन रहा है। देश आजादी का अमृतकाल बना रहा है। जब मैं विकसित भारत की बात करता हूं तो इसमें आर्थिक और सांस्कृतिक, दोनों पहलू शामिल हैं।

'देश में मोदी की गारंटी की चर्चा'

त्रिशूर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केरल के त्रिशूर में बीजेपी महिला सम्मेलन को संबोधित किया। 43 मिनट के संबोधन में पीएम ने कहा-आज कल देश में मोदी की गारंटी की चर्चा है, लेकिन मैं मानता हूं कि देश की नारी शक्ति विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि की सबसे बड़ी गारंटी हैं। आजादी के बाद से कांग्रेस, लेफ्ट, एलडीएफ और यूडीएफ की सरकारों ने नारी शक्ति को कमजोर माना। कांग्रेस और लेफ्ट की सरकारों ने महिलाओं को लोकसभा और विधानसभा में आरक्षण देने का कानून लटकाए रखा। मोदी सरकार ने महिलाओं को वो अधिकार दिलाया।

देश में कांग्रेस और लेफ्ट की सरकार थी, तो मुस्लिम बहनें तीन तलाक से परेशान थी। मोदी सरकार ने उसे खत्म करने की गारंटी दी थी और उसे खत्म करके भी दिखाया। बीजेपी सरकार के लिए चार जातियां सबसे ऊपर हैं, किसान, गरीब, युवा, महिला। इनका विकास होगा, तभी देश का विकास होगा।

केरल में लंबे समय तक लेफ्ट और कांग्रेस, सत्ता और विपक्ष का ढोंग रचते रहे हैं। ये सिर्फ नाम के लिए दो पार्टियां हैं। केरल में करप्शन हो, क्राइम हो या परिवारवाद, ये दोनों सब कुछ मिलकर करते हैं। अब इंडी अलायंस बनाकर इन्होंने घोषणा कर दी है कि इनकी विचारधारा और नीतियों में कोई अंतर नहीं है।

केरल की माताओं की संतानें, दुनियाभर में काम करने जाती हैं। बीते कुछ सालों में दुनियाभर में कितने संकट आए। कोरोना हो, रूस-यूक्रेन जंग हो। जब केरल की नर्सेस इराक में फंसी थीं तो बीजेपी सरकार उन्हें सुरक्षित बाहर निकालकर लाई। कल्पना कीजिए, अगर दिल्ली में लेफ्ट-कांग्रेस की कमजोर सरकार होती तो हमारी इन बेटियों का क्या होता?

अडाणी-हिंडनबर्ग केस में सुप्रीम कोर्ट का एसआईटी जांच से इनकार

जांच के लिए सेबी को और 3 महीने का समय दिया

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आज यानी 3 जनवरी को सेबी को बचे हुए 2 मामलों की जांच के लिए 3 महीने का और समय दिया है। वहीं मामले की जांच को सेबी से लेकर एसआईटी को देने से भी इनकार कर दिया। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने यह फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा कि सेबी के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में दखल देने की इस अदालत की शक्ति सीमित है। सेबी ने 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी कर ली है। सॉलिसिटर जनरल के आश्वासन को ध्यान में रखते हुए, हम सेबी को अन्य दो मामलों में 3 महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि ओसीसीपीआर की रिपोर्ट को सेबी की जांच पर संदेह के तौर पर नहीं देखा जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट का मानना है कि जांच को सेबी से एसआईटी को ट्रांसफर करने का कोई आधार नहीं है। इन्वेस्टर और कारोबारी जॉर्ज सोरोस और रॉकफेलर ब्रदर्स जैसे लोगों की फंडेड 'ओसीसीआरपी' 2006 में बनी एक इन्वेस्टिगेटिव संस्था है। कोर्ट के इस फैसले के बाद अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने कहा- 'कोर्ट के फैसले से पता चलता है कि: सत्य की जीत हुई है। सत्यमेव जयते। मैं उन लोगों का आभारी हूं जो हमारे साथ खड़े रहे। भारत की ग्रोथ स्टोरी में हमारा योगदान जारी रहेगा। जय हिन्द।' पिछले साल 24 नवंबर को कोर्ट ने मामले की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीजेआई ने कहा था- हमें अमेरिकी कंपनी हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को तथ्यात्मक रूप से सही मानने की जरूरत नहीं है। हिंडनबर्ग यहां मौजूद नहीं है, हमने सेबी से जांच करने को कहा है। >14

अडाणी बोले-सत्यमेव जयते

असम में बस-ट्रक की टक्कर, 12 की मौत

दिसपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। असम के गोलाघाट में बुधवार सुबह 4:30 बजे बस और ट्रक में टक्कर हो गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 लोग घायल हो गए। हादसे के समय बस में 45 लोग सवार थे, जो सुबह 3 बजे अठखेलिया से बोगीबील पिकनिक मनाने के निकले थे। ये हादसा देरगांव के पास बालीजन गांव में हुआ, जहां सुबह घना कोहरा छाया हुआ था। पुलिस के मुताबिक जिस हाइवे पर टक्कर हुई उसका एक हिस्सा टूटा हुआ था।

इस कारण बस उलटी दिशा में चल रही थी। संभावना जताई जा रही है घने कोहरे और उलटी दिशा में बस के चलने से आमने-सामने टक्कर हुई। हालांकि, अभी एक्सीडेंट की पूरी डिटेल सामने नहीं आई है। हादसे के बाद घायलों को तुरंत जोरहट के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

'समन की जानकारी पहले मीडिया में कैसे पहुंच जाती है'

अरविंद केजरीवाल ने ईडी को दिया जवाब

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश नहीं हुए। केजरीवाल नेईडी को अपना जवाब भेज दिया है। ईडी को लिखे पत्र में केजरीवाल ने एजेंसी से प्रश्नावली मांगी है और उन्हें भेजे गए समन की मंशा पर भी सवाल उठाया है। आप का कहना है कि अरविंद केजरीवाल ईडी की जांच में सहयोग करने के लिए तैयार हैं लेकिन जांच एजेंसी का नोटिस गैर कानूनी है। आप संयोजक ने यह भी सवाल उठाया कि समन की जानकारी पहले मीडिया में कैसे पहुंच जाती है।

आम आदमी पार्टी का कहना है कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करने की साजिश की जा रही है। उन्हें चुनाव प्रचार से रोकने की कोशिश की जा रही है। आप ने चुनाव से पहले नोटिस जारी करने पर भी सवाल उठाए हैं। आम आदमी पार्टी ने कहा है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय के सवालों का जवाब देने को तैयार हैं लेकिन पार्टी ने इसके लिए एक शर्त रख दी है। आप का कहना है कि अगर ईडी को कुछ पूछना है तो वह अपना सवाल लिखकर भेज दें और सीएम केजरीवाल इसका जवाब दे देंगे।

केजरीवाल ने समन की मंशा पर उठाए सवाल

ईडी को लिखे पत्र में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एजेंसी से प्रश्नावली मांगी है और उन्हें भेजे गए समन की मंशा पर भी सवाल उठाया है। उन्होंने पत्र में इस बात का भी जिक्र किया है कि 19 जनवरी को राज्यसभा चुनाव होने हैं और उन्हें 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस कार्यक्रम में दिल्ली सीएम के तौर पर हिस्सा भी लेना है। आप ने कहा कि केजरीवाल को गिरफ्तार करने की मंशा से ईडी के दफ्तर बुलाया जा रहा है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल द्वारा ईडी के समक्ष पेश न होने पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा, अरविंद केजरीवाल ने बार-बार कहा है कि ईडी अगर कानूनी तौर पर नोटिस भेजती है तो हम उसका सहयोग करने के लिए तैयार हैं। पर अगर भाजपा बार-बार ईडी से नोटिस जारी करवाती है तो हम उसका जवाब देने के लिए मजबूर नहीं है। मंत्री ने आगे कहा, तीसरी बार हो गया आज तक ईडी ने अरविंद केजरीवाल के सवालों का जवाब नहीं दिया। ईडी की जगह भाजपा के नेता बार-बार जवाब देने आते हैं। >14

ईरान में पूर्व जनरल सुलेमानी की कब्र के पास दो धमाके 73 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ईरान में पूर्व जनरल कासिम सुलेमानी की कब्र के पास दो विस्फोट हुए. इन विस्फोटों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 73 हो गई है जबकि 170 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

कहा जा रहा है कि ये धमाके ईरान के पूर्व जनरल कासिम सुलेमानी की चौथी बरसी पर उनकी कब्र के पास हो रहे एक समारोह को निशाना बनाकर किए गए। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के करमान शहर में ईरानी सेना के पूर्व जनरल सुलेमानी की कब्र के पास पहला धमाका हुआ था. उसके बाद दूसरा धमाका हुआ, जिनमें 73 लोगों की मौत हो गई। एक स्थानीय अधिकारी ने बताया कि सड़क के किनारे कब्रिस्तान के पास विस्फोट हुआ. हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ये विस्फोट किस वजह से हुआ है या फिर ये कोई आतंकी हमला है।

वकील साहब धीरे बोलें, वर्ना बाहर कर दूंगा : सीजेआई

चंद्रचूड़ ने कहा-23 साल के करियर में ऊंची आवाज से मुझे कोई दबा नहीं सका

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और एक वकील के बीच बुधवार को तीखी बहस हो गई। वकील एक याचिका की लिस्टिंग को लेकर सीजेआई चंद्रचूड़ से तेज आवाज में बोल बैठे। इसके बाद सीजेआई नाराज हो गए। चंद्रचूड़ ने वकील को फटकार लगाते हुए कहा-आप आवाज नीचे करके बात करें, नहीं तो कोर्ट से बाहर करवा दूंगा। मेरे 23 साल के करियर में कोई ऐसे बात करके मुझे दबा नहीं सका। तो आगे भी न करें।

सीजेआई बोले- क्या आप हर जस्टिस पर इसी तरह चिल्लाते हैं

बहस के दौरान सीजेआई चंद्रचूड़ ने आगे कहा-आप पेशे से वकील हैं, आपको पता होना चाहिए कि कहां पेश हो रहे हैं। क्या आप हर बार जस्टिस पर इसी तरह चिल्लाते हैं? इसके बाद सीजेआई ने वकील को मर्यादा में रहने पर जोर देते हुए कहा-कृपया पहले अपनी आवाज धीमी करें। अगर आपको लगता है कि आप अपनी आवाज उठाकर हमें डरा सकते हैं, तो आप गलत हैं। ऐसा 23 सालों में नहीं हुआ है और अपने करियर के आखिरी साल में भी ऐसा नहीं होने दूंगा।

फटकार लगने के बाद वकील ने माफी मांगी

चीफ जस्टिस की कड़ी चेतावनी के बाद वकील ने तुरंत माफी मांग ली और मर्यादित तरीके से अपनी बात कोर्ट के सामने रखी। ऐसा पहली बार नहीं है जब जस्टिस चंद्रचूड़ ने कोर्ट रूम की मर्यादा बनाए रखने को कहा है। इससे पहले 16 अक्टूबर 2023 को एक वकील के फोन पर बात करने से सीजेआई नाराज हो गए थे। सीजेआई ने वकील को टोकते हुए कहा- इधर आओ, यह कोई बाजार है? सीजेआई ने अपने स्टाफ को वकील का मोबाइल लेने को भी कह दिया। बाद में वकील ने माफी मांगी।

चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने वकील को चेतावनी देते हुए कहा कि अगली बार ध्यान रखना, दोबारा ऐसी गलती मत करना।

सीएए इसी महीने से लागू होने की संभावना

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने 2024 में अपने पहले बड़े कदम के तौर पर नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लागू करने का फैसला लगभग कर लिया है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, इस कानून के नियम-कायदों को इसी महीने 26 जनवरी से पहले अधिसूचित कर दिया जाएगा। केंद्र सरकार का यह फैसला बांग्लादेश से आए हिंदू शरणार्थियों के लिए उम्मीद लेकर आएगा।

वहीं, पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर आए हिंदू-सिख शरणार्थियों को भी बड़ी राहत मिल जाएगी। आंकड़ों के मुताबिक, 2014 तक पाकिस्तान-अफगानिस्तान से 32 हजार लोग भारत आए हैं। सीएए लागू होने से इन्हें नागरिकता मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा। गृह मंत्रालय से सीएए लागू करने के ठोस संकेत गृह मंत्री अमित शाह की बंगाल में 27 दिसंबर को हुई घोषणा से मेल खाते हैं। उन्होंने आम सभा में कहा था कि सीएए देश का कानून है। इसे कोई रोक नहीं सकता। संसद ने सीएए पर 11 दिसंबर 2019 को मुहर लगाई थी।

महुआ मोइत्रा के निलंबन पर सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा महासचिव को भेजा नोटिस

2 हफ्ते में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रीम कोर्ट ने तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा को संसद के निचले सदन से निष्कासित किये जाने को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर बुधवार को लोकसभा महासचिव से जवाब मांगा। कोर्ट ने लोकसभा महासचिव से कैश-फॉर-क्वेरी मामले में लोकसभा से उनके निष्कासन को चुनौती देने वाली महुआ मोइत्रा की याचिका पर दो हफ्ते के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने बुधवार को महुआ की याचिका पर सुनवाई करते हुए उनकी लोकसभा कार्यवाही में हिस्सा लेने की मांग वाली याचिका पर आदेश पारित करने से इनकार कर दिया।

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि कोर्ट इस स्तर पर महुआ मोइत्रा की उस याचिका पर कोई भी आदेश पारित करने से इनकार करती है, जिसमें उनके जरिए लोकसभा कार्यवाही में भाग लेने की इजाजत देने की मांग की गई है। जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने मोइत्रा की सदन की कार्यवाही में शामिल होने देने की अंतरिम याचिका पर आदेश पारित करने से इनकार करते हुए कहा कि इसकी अनुमति देना मुख्य याचिका को स्वीकार करने के समान होगा। जस्टिस खन्ना ने महुआ मोइत्रा की पैरवी कर रहे वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी से कहा कि हम अंतरिम राहत की आपकी याचिका पर मार्च में सुनवाई करेंगे। >14

कर्नाटक में गोधरा जैसे कांड की आशंका

बेंगलुरु, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या में 22 जनवरी को राम लला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। तैयारियां जोरों-शोरों पर चल रही हैं। साथ ही राम लला प्राण प्रतिष्ठा को लेकर बयानबाजी भी जारी है। बुधवार (3 जनवरी) को कर्नाटक कांग्रेस के नेता और एमएलसी बीके हरिप्रसाद ने कहा- राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले कर्नाटक में गोधरा कांड जैसी घटना होने की आशंका है।

कर्नाटक सरकार को सतर्क रहना चाहिए। साल 2002 के गोधरा ट्रेन अग्निकांड ने गुजरात को सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगों में से एक में झोंक दिया था। इसलिए अयोध्या जाने के इच्छुक लोगों के लिए कर्नाटक सरकार को व्यवस्थाएं करनी चाहिए। ताकि हमें एक और गोधरा कांड नहीं देखना पड़े। उन्होंने कहा कि बहुत से संगठनों के प्रमुख कुछ राज्यों में गए और भाजपा नेताओं से मिलकर उन्हें उकसाया है। इसलिए गोधरा कांड जैसी घटना होने की पूरी आशंका है।

ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एक और याचिका

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले में सुप्रीम कोर्ट में हिंदू पक्ष की ओर से एक और याचिका दाखिल की गई है। याचिका में मस्जिद परिसर में सील किए गए वजूखाने की सफाई कराए जाने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि वजूखाने के अंदर मछलियां मर गई हैं। इन्हें बाहर निकालकर वजूखाने की सफाई कराई जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में जल्द सुनवाई के लिए राजी हो गया है।

हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है। उन्होंने याचिका में मस्जिद का प्रबंधन करने वाली अंजुमन इंतजामिया मस्जिद प्रबंधन समिति पर आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट ने पहले ही मछलियों को ट्रांसफर करने की गुजारिश की थी। कमेटी ने इस पर कोई फैसला नहीं लिया। अगर समय से इन मछलियों को कहीं और ट्रांसफर कर दिया जाता तो यह नौबत नहीं आती। हिंदू पक्ष का कहना है ज्ञानवापी परिसर में वजूखाने को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सील कर दिया गया था। इसके बाद इसमें कुछ मछलियां मर गई हैं। मछलियों की मौत 12 से 25 दिसंबर के बीच बताई गई है। मछलियों के मरने से पूरे इलाके में बदबू फैल गई है। याचिका में कहा गया है कि यहां शिवलिंग मौजूद है जिससे हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं जुड़ी हुई हैं। उसे किसी भी तरह की गंदगी और जानवरों से दूर रखा जाना चाहिए।

अदालत में एएसआई टीम बोली-चार सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट न की जाए सार्वजनिक, आज आएगा आदेश

वाराणसी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए या नहीं, इस पर बुधवार को जिला जज की अदालत से आदेश नहीं आया। मामले पर जिला जज ने सभी पक्षों को सुनकर गुरुवार को आदेश देने का फैसला लिया है। एएसआई ने जिला जज की अदालत में आवेदन देकर कहा कि 4 सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए। क्योंकि इलाहबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1991 के लंबित वाद लार्ड विश्वेश्वर मामले में भी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ऐसे में द्वितीय प्रति तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए समय दिया जाए और रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए।

बता दें कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में दो सील बंद लिफाफों में ज्ञानवापी की सर्वे रिपोर्ट दाखिल की है। रिपोर्ट की मांग हिंदू के साथ ही मुस्लिम पक्ष ने भी की है। हिंदू पक्ष ने रिपोर्ट की प्रति तत्काल दिए जाने का अनुरोध किया था। मुस्लिम पक्ष ने पहले आपत्ति जताई थी, फिर ईमेल आईडी देकर रिपोर्ट मांगी है। >14

हेमंत सोरेन ही रहेंगे सीएम

राज्य में नहीं हो रहा सत्ता परिवर्तन, इस्तीफा देने से इनकार

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में सत्ता परिवर्तन की सुगबुगाहट के बीच सीएम हेमंत सोरेन ने साफ कर दिया है कि वे इस्तीफा नहीं देने वाले हैं।

राज्य में ऐसी चर्चा चल रही थी कि सीएम पद से सोरेन इस्तीफा दे सकते हैं, उनकी जगह उनकी पत्नी या फिर किसी दूसरे नेता को वो पद दिया जा सकता है। लेकिन जेएमएम ने अपनी बैठक में कई विकल्पों पर मंथन किया है और सीएम के इस्तीफे देने की बात को खारिज कर दिया है। जानकारी के लिए बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड में अवैध खनन की जांच को लेकर मुख्यमंत्री के प्रेस सलाहकार और अन्य लोगों के ठिकानों पर छापे मारे थे। इस मामले में हेमंत सोरेन के प्रेस सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के आवास पर ईडी की छापेमारी हुई थी। अभिषेक प्रसाद के आवास और साहेबगंज उपायुक्त के आवास समेत 12 ठिकानों पर तलाशी हुई थी। वैसे इससे पहले भी ईडी के समन पर सीएम सोरेन ने पत्र के जरिए जवाब दिया था। उन्होंने कहा था कि अगर ईडी निष्पक्ष जांच करेगी तो वे जरूर जांच में सहयोग करने वाले हैं।

'जिस राम लला की मूर्ति पर सारा झगड़ा हुआ

वो मूर्ति कहां है?' दिग्विजय सिंह का बड़ा सवाल

भोपाल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। कार्यक्रम को लेकर जोर-शोर से तैयारियां चल रही हैं। रामलला की मूर्ति को लेकर चर्चा तेज है। इस बीच कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का बड़ा बयान सामने आया है। अयोध्या राम मंदिर पर कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने कहा, जिस राम लला की मूर्ति पर सारा झगड़ा हुआ, वो मूर्ति कहां है? वो मूर्ति स्थापित क्यों नहीं हुई?। नई मूर्ति की आवश्यकता क्या पड़ी? रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर पूछे गए सवाल पर दिग्विजय सिंह ने कहा कि मुझे किसी न्यौते की आवश्यकता नहीं है। हमारे हृदय में बसे हैं भगवान राम। अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरो पर हैं।

फिर विवादों में फंसी महुआ मोइत्रा

टीएमसी नेता पर लगा जय अनंत देहाद्राई की जासूसी का आरोप; गृह मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। वकील जय अनंत देहाद्राई ने टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा पर अवैध निगरानी का आरोप लगाया है। वकील ने सीबीआई को पत्र लिखकर कहा कि मोइत्रा बंगाल पुलिस में अपने संपर्कों के साथ मेरी निगरानी करा रही हैं। 29 दिसंबर को सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लिखे पत्र में वकील देहाद्राई ने कहा कि टीएमसी नेता फोन नंबर का उपयोग करके मेरे लोकेशन को ट्रैक कर रहीं हैं।

सीडीआर प्राप्त करने के लिए अपने प्रभाव का किया दुरुपयोग

वकील जय अनंत देहाद्राई ने अपने पत्र में यह भी आरोप लगाया कि महुआ मोइत्रा लोगों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) प्राप्त करने के लिए बंगाल पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपने प्रभाव और संबंधों का दुरुपयोग कर रही हैं।

सुहान मुखर्जी को भी कर रहीं थी ट्रैक

वकील देहाद्राई ने अपनी शिकायत में यह भी कहा कि इससे पहले, टीएमसी नेता 2019 में सुहान मुखर्जी नाम के एक व्यक्ति को ट्रैक कर रहीं थी। मोइत्रा ने मुझे पहले भी कई मौको पर मौखिक रूप से और लिखित रूप में (26.09.2019 को व्हाट्सएप पर) सूचित किया था कि वह अपने पूर्व प्रेमी सुहान मुखर्जी पर सक्रिय रूप से नजर रख रही थी क्योंकि उसे उस पर एक जर्मन महिला के साथ संबंध होने का संदेह था। अधिवक्ता ने यह भी कहा कि महुआ मोइत्रा ने उन्हें पहले भी कई धमकियां दी हैं। उन्होंने दावा किया है कि कई मौकों पर उन्हें लगा कि दिल्ली में उनके आवास के बाहर उनकी कार का पीछा किया जा रहा है।

सीएम मोहन यादव ने नहीं किया रहम

ड्राइवरों को 'औकात' बताने वाले कलेक्टर नपे

शाजापुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के शाजापुर में ट्रक ड्राइवरों को 'औकात' दिखाने वाले कलेक्टर किशोर सान्याल पर गाज गिरी है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सान्याल को शाजापुर से हटा दिया है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि यह सरकार गरीबों की सरकार है। सबके काम का सम्मान होना चाहिए और भाव का भी सम्मान होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम गरीबों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। हम लगातार गरीबों की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मनुष्यता के नाते ऐसी भाषा हमारी सरकार में बर्दाश्त नहीं। मैं खुद मजदूर परिवार का बेटा हूं। इस तरह की भाषा बोलना उचित नहीं है। अधिकारी भाषा और व्यवहार का ध्यान रखें।

चीनी कंपनियों के खिलाफ ईडी की छापेमारी

तलाशी के दौरान मिले 1.30 करोड़ रुपए नकद और आपत्तिजनक दस्तावेज

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। देश के नागरिकों को लोन देकर जबरन अधिक ब्याज लूटने वाले चीनी नागरिकों की स्वामित्व वाली कंपनियों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई जारी है। पिछले महीने ईडी ने शाइनवे टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसटीआईपीएल), एमपर्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (एमएसपीएल) के खिलाफ जांच करते हुए दिल्ली समेत कई राज्यों में छापेमारी की। जांच एजेंसी ने तकरीबन 19 ठिकानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान ईडी ने विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल रिकॉर्ड और 1.30 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की। ईडी ने जानकारी दी कि ये गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां लोगों को मोबाइल एप के जरिए कम समय में लोन का ऑफर देकर ग्राहकों को फंसाते थे। लोन देने के बाद ग्राहकों से अधिक से अधिक ब्याज वसूला जाता था, जिसकी वजह से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। जब ग्राहक अत्याधिक ब्याज देने से मना करते या लोन न चुकाते तो कंपनियां ग्राहकों की निजी जानकारी दुनिया से साझा करने की धमकी देते। दरअसल, इन कंपनियों के पास ग्राहकों की निजी जानकारियां होती थी।

लोकसभा चुनाव से पहले

पंजाब में फिर साथ आएंगे बीजेपी-एसएडी? विजय रुपाणी बोले- कुछ भी संभव

अहमदाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव करीब हैं और राजनीतिक दल गठबंधन की गांठें सुलझाने के साथ ही कुनबा बढ़ाने की कोशिशों में जुटे हुए हैं। पंजाब में कभी साथ-साथ चुनाव लड़ने वाली भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और शिरोमणि अकाली दल के बीच गठबंधन को लेकर भी कयास तेज हो गए हैं। इसे लेकर बीजेपी के पंजाब प्रभारी और गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी के बयान ने कयासों को और हवा दे दी है। पंजाब बीजेपी के प्रभारी विजय रुपाणी ने कहा है कि शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन को लेकर सवाल पर कहा है कि संभावनाएं हैं और कुछ भी संभव है। उन्होंने यह भी कहा कि शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन करना है या नहीं, इसे लेकर कोई भी फैसला शीर्ष नेतृत्व ही करेगा। विजय रुपाणी ने आगे कहा कि बीजेपी पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयारी कर रही है। उन्होंने यहा भी कहा कि पार्टी 'तीसरी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार' नारे के साथ लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। विजय रुपाणी ने यह भी कहा है कि लोकसभा चुनाव को लेकर चंडीगढ़ में तीन दिन तक पंजाब बीजेपी की बैठकें होंगी। उन्होंने पंजाब की सत्ताधारी आम आदमी पार्टी और इसके संयोजक अरविंद केजरीवाल पर भी निशाना साधा। गुजरात के पूर्व सीएम और पंजाब बीजेपी के प्रभारी ने अरविंद केजरीवाल पर हमला बोलते हुए कहा कि ईडी पूछताछ के लिए बुला रही है और वह इस मामले को राजनीतिक रंग दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईडी के बुलाने पर अरविंद केजरीवाल का रुख देखकर ऐसा लगता है कि जरूर उनकी मामले में संलिप्तता है। रुपाणी ने चुनौती भरे लहजे में कहा कि अगर केजरीवाल पाक साफ हैं तो उनको ईडी के सामने पेश होकर अपनी बात रखनी चाहिए।

गौरतलब है कि शिरोमणि अकाली दल ने नए कृषि कानून से संबंधित बिल संसद से पारित होने के बाद इसके विरोध में बीजेपी से गठबंधन तोड़ लिया था। अकाली दल एनडीए की स्थापना के समय से बीजेपी के साथ था। अब जबकि केंद्र सरकार नए कृषि कानून वापस ले चुकी है, अकाली दल के फिर से एनडीए में लौटने की चर्चा भी समय-समय पर सियासी गलियारों में होती रही है।

जेल में बंद संजय सिंह की मुश्किलें और बढ़ीं

लखनऊ की अदालत ने सुनाया फैसला, अब हटाने पड़ेंगे ये बयान

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। आबकारी नीति मामले में जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। फिलहाल दिल्ली की एक जेल में बंद संजय सिंह को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ की एक अदालत से तगड़ा झटका लगा है। अदालत ने पूर्व जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह द्वारा दाखिल मानहानि वाद में संजय सिंह पर 1 लाख का जुर्माना लगाया है। अदालत ने आदेश दिया है कि भाजपा नेता डॉ महेन्द्र सिंह के विरुद्ध टिप्पणियों को तत्काल सभी सोशल मीडिया अकाउंट से हटाया जाए। सिविल जज सीनियर डिवीज़न ने फ़ैसला सुनाया।

दो साल पहले दर्ज हुआ था मामला

दरअसल दो साल पहले उत्तर प्रदेश के तत्कालीन जलशक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने झूठे आरोप लगाने के मामले में लखनऊ कोर्ट में मानहानि का मुक़दमा दर्ज किया था। कोर्ट ने अपने विस्तृत आदेश में संजय सिंह पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि प्रेस कॉन्फ्रेंस कर निराधार आरोप लगाना संजय सिंह की आदत बन गई है। वे अपने आरोपों के पक्ष में कोई सबूत नहीं पेश कर पाए हैं, जबकि महेंद्र सिंह बीजेपी के एक ज़िम्मेदार नेता हैं और उनकी छवि एक सम्मानित राजनेता की है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि संजय सिंह अगर दो महीने के भीतर एक लाख रुपये का जुर्माना नहीं चुकाते हैं तो उन्हें फ़ैसले की तारीख़ से 6% ब्याज सहित जुर्माना देना होगा।

दिल्ली जा रही फ्लाइट में उड़ान भरते ही आई गड़बड़ी

पटना एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बड़ी खबर बिहार की राजधानी पटना से है जहां पटना के एयरपोर्ट पर एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। जानकारी के मुताबिक बुधवार को इंडिगो की विमान जिसका नंबर 6e 2074 बताया जा रहा है कि इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान को तत्काल पटना एयरपोर्ट के रनवे पर रखा गया है। इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान किसी तरह की कोई कैजुअल्टी नहीं हुई है और विमान के सभी यात्री सुरक्षित हैं। पटना के जय प्रकाश नारायण एयरपोर्ट पर हुई इस इमरजेंसी लैंडिंग के बाद विमान की जांच के लिए टेक्निकल अधिकारियों को बुलाया गया है जो की जांच कर रहे हैं। सूचना के मुताबित इस विमान को पटना से दिल्ली के लिए रवाना होना था लेकिन फ्लाइट के रवाना होने के बाद कुछ तकनीकी दिक्कतें आने लगी जिसके बाद इसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। रही थी इसी प्लेन में बिहार के दो बड़े नेता मंत्री संजय झा और सीतामढ़ी से जदयू के सांसद सुनील कुमार पिंटू भी सवार थे। मंत्री संजय झा ने इमरजेंसी लैंडिंग के बारे में कहा कि सब ठीक है। विमान की इमरजेंसी लेंडिंग हुई थी लेकिन फिलहाल सबकुछ ठीक है। दिल्ली जा रहे मंत्री संजय झा इस घटना के बाद वापस लौट गए। जानकारी के मुताबिक फ्लाइट में सवार यात्रियों को दिल्ली के लिए पटना से उड़ान भरने के बाद कहा गया कि प्लेन का व्हील अंदर नहीं जा रहा है, जिसके बाद प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। फ्लाइट का टेक ऑफ टाइम 12 बजे का था लेकिन फ्लाइट 12.40 में टेक ऑफ हुआ था। पटना में जिस विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है उसमें कुल 187 यात्री सवार थे।

'लागा चुनरी में दाग.. ईडी के पास जाऊं कैसे', केजरीवाल पर निशाना साधते हुए बीजेपी ने कसा तंज

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आज ईडी के समन में शामिल न होने पर बीजेपी ने एक बार उनपर निशाना साधा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने उन्हें भ्रष्ट बताया है। वहीं उनसे पहले शहजाद पूनावाला ने भी उन्हें भगोड़ा कहा था। गौरव भाटिया ने कहा, 'अरविंद केजरीवाल जो कभी कहते थे कि हमें भारत से भ्रष्टाचार को खत्म करना है।

अब ऐसे भ्रष्ट व्यक्ति बन गए हैं जो सोचते हैं वह कानून से ऊपर हैं। अरविंद केजरीवाल घबराए हुए हैं और कह रहे हैं 'लागा चुनरी में दाग छुपाऊं कैसे, किया है भ्रष्टाचार ईडी के पास जाऊं कैसे।' गौरव भाटिया ने कहा- अरविंद केजरीवाल ने समन वापस लेने के लिए ईडी को पत्र लिखा था।

'शादी में राम नाम सत्य है बोलोगे तो पिटना तय है'

रमेश बिधुड़ी बोले- तकलीफ में ऐसी गलती कर बैठता हूं

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा सांसद दानिश अली के लिए संसद में दिए गए बयान के बाद विवादों में आए दक्षिणी दिल्ली से बीजेपी सांसद रमेश बिधुड़ी ने कहा है कि उनके गुस्से की वजह उन्हें पहुंची तकलीफ थी। रिपोर्ट के अनुसार, रमेश बिधुड़ी ने कहा, "मैं बदनाम हूं... लोग अच्छी-अच्छी बातें करते हैं... लेकिन सच नहीं बोलते। (मदन लाल) खुराना कहते थे कि 'सच्चाई बोलो लेकिन सही समय पर' ।रमेश बिधुड़ी ने आगे कहा, "सभी जानते हैं 'राम नाम सत्य है' लेकिन अगर आप ऐसा किसी की शादी में कहेंगे तो आप पिट जाएंगे। कई बार मैं ऐसा ही कर बैठता हूं जब मुझे किसी बात से तकलीफ होती है।"

अपने टिप्पणियों के लिए खेद जता चुके हैं रमेश बिधुड़ी

पिछले महीने 7 दिसंबर को रमेश बिधुड़ी ने लोकसभा की प्रिविलेज कमेटी की एक मीटिंग में अपने बयान के लिए खेद जताया था। तब सूत्रों द्वारा पीटीआई को दी गई जानकारी के अनुसार, बिधूड़ी ने प्रिविलेज कमेटी के सामने दिए गए अपने बयान में कहा कि सीनियर बीजेपी नेता और केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने 21 सितंबर को सदन में उनकी टिप्पणियों के लिए खेद व्यक्त किया था जब वह चंद्रयान -3 मिशन की सफलता पर चर्चा के दौरान भाषण दे रहे थे। बिधूड़ी ने दानिश अली पर उनके भाषण के दौरान पीएम मोदी के लिए गलत शब्दों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों को दानिश अली ने नाकार दिया था। बिधुड़ी के बयान के बाद राजनाथ सिंह ने लोकसभा में उनके बयान के लिए खेद जताते हुए कहा था, "अगर विपक्ष सदस्य की टिप्पणी से आहत हुआ है तो मैं खेद व्यक्त करता हूं।" बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी इस मसले पर रमेश बिधुड़ी को कारण बताओ नोटिस जारी किया। यह पहली बार नहीं था जब रमेश बिधुड़ी अपने बयान की वजह से विवादों में आए थे। वह पहले भी कई बार विवादित बयानों की वजह से चर्चाओं में रहे हैं।

गुजरात में ट्रक ड्राइवरों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा

पुलिसकर्मी के साथ मारपीट, 23 गिरफ्तार

सूरत, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क दुर्घटना के बाद मौके से भाग जाने के मामलों में कड़ी सजा के प्रावधान के खिलाफ मंगलवार को गुजरात के सूरत शहर में ट्रक ड्राइवरों का आंदोलन हिंसक हो गया। अपने प्रदर्शन के दरान ट्रक ड्राइवरों और प्रदर्शनकारियों ने एक पुलिसकर्मी पर हमला कर दिया, जिसके बाद 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (जोन-6) राजेश परमार ने घटना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना डुमास रोड पर मगदल्ला बंदरगाह के पास हुई जब बड़ी संख्या में ट्रक चालकों ने नए कानून को वापस लेने की मांग करते हुए सड़क पर ट्रैफिक को जाम कर दिया। परमार ने कहा, 'ट्रक ड्राइवरों ने रोड ब्लॉर कर दी और उस रास्ते से गुजरने वाली एक बस को भी रोक दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सूरत पुलिस की एक पीसीआर वैन मौके पर पहुंची। जैसे ही वह गाड़ी वहां पहुंची, प्रदर्शनकारियों ने एक कॉन्स्टेबल पर हमला किया और उसके साथ मारपीट की।' सोशल मीडिया में वायरल एक वीडियो में, उग्र प्रदर्शनकारियों को एक पुलिसकर्मी का पीछा करते और उसके साथ मारपीट करते देखा जा सकता है।

सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब करने पर 'सुप्रीम' राहत

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सरकारी अधिकारियों को कोर्ट में तलब किए जाने के मामले में बड़ी राहत दी है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस मामले पर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सबसे पहले तो अधिकारियों को कोर्ट की कार्यवाही में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये जुड़ने का निर्देश दिया जाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाई कोर्ट को अधिकारियों की कोर्ट में पेशी का आदेश जारी करते समय उसकी पर्याप्त वजह बतानी चाहिए कि उस अधिकारी की उपस्थिति क्यों जरूरी है। कोर्ट ने कहा कि अवमानना कार्यवाही को छोड़कर अधिकारियों को कोर्ट के समक्ष पेश होने का आदेश नहीं देना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कोर्ट में पेश हुए अधिकारी की ड्रेस पर तब तक कोई टिप्पणी नहीं करनी चाहिए जब तक अधिकारी अपने दफ्तर के ड्रेस कोड का उल्लंघन नहीं करे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकारी अधिकारियों को समन जारी करने के पहले अग्रिम रूप से नोटिस भेजा जाना चाहिए ताकि अधिकारी तैयारी कर कोर्ट में पेश हो सकें। पिछले साल 21 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वो इसे लेकर दिशा-निर्देश तय करेगा।

केंद्र ने सुझाव दिया था कि जरूरी हो तभी अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहना चाहिए। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि वह कोर्ट में पेश होने के दौरान अधिकारी की वेशभूषा पर भी निर्देश जारी कर सकते। इससे पहले केंद्र सरकार ने अदालती कार्यवाही में सरकारी अधिकारियों की पेशी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक ड्राफ्ट स्टैंडर्ड आपरेटिंग प्रोसिजर (एसओपी) सौंपा था ।

सीएम यादव के निर्देश के बाद गुना की पूर्व आरटीओ मधु सिंह पर 420, 467, 465 सहित कई धाराओं में केस दर्ज

गुना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जिले के पूर्व रोड ट्रांसपोर्ट ऑफिसर (आरटीओ) मधु सिंह पर 420, 467, 471, 197, 198, 463, और 465 धाराओं के तहत मुकदमे दर्ज किए गए हैं। मधु सिंह, जो वर्तमान में परिवहन उपायुक्त हैं, उन पर रिश्वतखोरी, अवैध रजिस्ट्रेशन और अन्य गंभीर आरोप लगाए गए हैं। मधु सिंह के खिलाफ गुना के बाद शिवपुरी और मुरैना जिलों में भी विवादित मामले सामने आए हैं। इन मामलों में भी रिश्वतखोरी, अवैध रजिस्ट्रेशन और अन्य गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं।

शिकायतें सीएम तक पहुंची

जनता ने मधु सिंह के खिलाफ शिकायतें की थी और इस मामले में मुख्यमंत्री तक अपनी आपत्तियां पहुंचाई थी। जिसके बाद गुना के स्थानीय प्रशासन ने इस मामले की जांच शुरू की है और आरोपी मधु सिंह के खिलाफ ये कार्रवाई की गई है। बता दे एमपी के सीएम डॉ मोहन यादव ने गुना मामले को बेहद गंभीरता से लिया था। हादसे में प्रभावित लोगों से मिलने के लिए खुद सीएम अस्पताल पहुंचे थे। उन्होंने मृतकों और घायलों के परिवारों के लिए सहायता राशि का भी ऐलान किया था,जिससे उन्हें मदद मिल सके। तबादलाः इसके बाद सीएम यादव के निर्देश पर, गुना के कलेक्टर, एसपी, आरटीओ और नगरपालिका के अधिकारियों का तबादला किया गया है। इसका मकसद नियमन्त्रण में सुधार करना और जाँच में किसी भी प्रकार के दबाव को कम करना है।

जांच कमेटी: इस मामले को लेकर एक विशेष जांच कमेटी का गठन किया गया था। यह कमेटी हादसे की निगरानी कर रही थी जिसके बाद आज मधु सिंह पर कार्रवाई की गई है। ग्वालियर में पदस्थ ट्रांसपोर्ट विभाग की डिप्टी कमिश्नर मधु सिंह के खिलाफ भादवि की धारा 420, 467, 471, 197,198, 463,465 के तहत केस दर्ज किया गया है। मधु सिंह वर्तमान में परिवहन उपायुक्त हैं और उन पर रिश्वतखोरी, अवैध रजिस्ट्रेशन सहित गंभीर आरोप लगे हैं।

पूर्व मिस इंडिया ने दर्ज करवाया रेप का केस

कोर्ट ने कहा लिव इन में रही व्यापारी को मिली जमानत

इंदौर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। इंदौर में पूर्व मिस इंडिया रह चुकी एक महिला से रेप के केस में कोर्ट ने आरोपी व्यापारी को अग्रिम जमानत दे दी है। महिला एक लोहा व्यापारी के साथ लंबे समय तक लिव इन में रही। दोनों शादी करना चाहते थे लेकिन बाद में व्यापारी ने शादी के लिए मना कर दिया। इसके बाद महिला ने व्यापारी के खिलाफ ज्यादती के आरोप में केस दर्ज करवा दिया। कोर्ट ने इस केस में 11 महीने के बाद चालान पेश किया है। पुलिस ने 26 जनवरी 2023 को केस दर्ज किया था।

अधिवक्ता अमन मौर्य ने बताया कि व्यापारी ने अग्रिम जमानत के लिए हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट ने अपने अंतरिम आदेश में कहा कि महिला मर्जी से साथी के साथ लिव इन में रही है। लिव इन में रहने की उसे पूरी जानकारी थी। लिव इन की अवधि भी काफी रही है। शादी का वादा किया और शादी नहीं की, इस आधार पर ज्यादती का केस दर्ज कराना ठीक नहीं है। व्यापारी ने अपने वकील के माध्यम से एफआईआर निरस्त किए जाने की भी मांग की है।

'राजतिलक होते-होते वनवास हो जाना'

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का भावुक बयान

सीहोर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधनी के शाहगंज पहुंचे, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। लेकिन दूसरी तरफ शिवराज ने निराश मन से कहा कि मुख्यमंत्री के पद तो आ जा सकते है, लेकिन मामा और भाई का पद कभी कोई नहीं छीन सकता है। वहीं उन्होंने कहा कि राजतिलक होते होते वनवास हो जाना भी कोई बड़ा उद्देश्य होगा। पूर्व सीएम चौहान ने कहा कि मैं बहुत गंभीरता से कहा रहा हूं, तुम्हें छोड़कर कभी नहीं जाऊंगा। उन्होंने कहा कि क्या इतने छोटे बच्चे कभी सभा में आते हैं, क्या ये अपने मामा के लिए आए हैं। बहनों की योजनाएं भी जारी रहेंगी और भांजे-भांजियों के कल्याण में भी कोई कसर नहीं रहेंगी। चाहे गरीब हो किसान हो, हमने जो कहा है वो करेंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि चिंता मत करना, मेरी जिंदगी आपके लिए, जनता जनार्दन के लिए, मेरी बहनों के लिए हैं, मेरे बेटे-बेटियों के लिए है। इस धरती पर इसलिए आया हूं कि तुम्हारी जिंदगी में कोई तकलीफ नहीं रहने दूंगा। तुम्हें छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा।

बगीचे से फूल तोड़ने पर हुआ विवाद

झगड़े में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की काट दी नाक

बेलागवी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। (कर्नाटक)। एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति ने गुस्से में आकर एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की नाक काट दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी शख्स ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ता की इसलिए नाक काट दी, क्योंकि उसके बच्चों ने उसके बगीचे से फूल तोड़ लिए थे। पुलिस के मुताबिक, घटना बेलगावी जिले के बासुरते गांव में हुई। आरोपी कल्याणी मोरे ने कार्यकर्ता सुगंधा मोरे (50) के साथ झगड़ा किया और उसकी नाक काट दी। अत्यधिक खून बह रही सुगंधा को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सुविचार

समय रहते खुद को बदल लेना चाहिए जब समय हमें बदलता है तो तकलीफ बहुत होती है..

एंटीबायोटिक्स रैकेट का भंडाफोड़, भारी मात्रा में नकली दवा बरामद

हैदराबाद, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)।औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना ने गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से कूरियर के माध्यम से तेलंगाना राज्य में 'नकली एंटीबायोटिक्स' की शिपिंग से जुड़े नकली एंटीबायोटिक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया। डीसीए ने हैदराबाद के उप्पल और दिलसुखनगर में छापेमारी के दौरान 22.95 लाख रुपए का नकली पदार्थ जब्त किया।

कूरियर सेवाओं के माध्यम से तेलंगाना राज्य में नकली दवाओं के प्रवेश के संबंध में औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना के अधिकारियों द्वारा एकत्रित की गई खुफिया जानकारी के आधार पर, औषधि नियंत्रण प्रशासन, तेलंगाना की एक विशेष टीम ने 'ट्रैकॉन कोरियर प्राइवेट लिमिटेड' सहित विभिन्न कूरियर कार्यालयों पर निगरानी रखी। यह कंपनी उप्पल में स्थित है। डीसीए अधिकारियों ने 30 दिसंबर, 2023 को गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश से पांच कार्टन की रसीद की पहचान की, जो एक आदतन अपराधी पुववाड़ा लक्ष्मण के नाम पर है, जो 29 दिसंबर, 2023 को डीसीए, तेलंगाना द्वारा भंडाफोड़ किए गए नकली ड्रग रैकेट में भी आरोपी है। डीसीए के अधिकारियों ने ट्रैकॉन कोरियर प्राइवेट लिमिटेड के कूरियर कार्यालय को अपने पास रखा। डीसीए अधिकारियों ने सुरेश कुमार नाम के कूरियर डिलीवरी बॉय को ट्रैक किया। आज वह पांच कार्टन की खेप की डिलीवरी के लिए आगे बढ़ा। डीसीए अधिकारियों ने दिलसुखनगर के एक गोदाम तक कूरियर बॉय का पीछा किया। डीसीए अधिकारियों ने आरोपी पुव्वाडा लक्ष्मण को श्री वेंकटेश्वर एंटरप्राइजेज, द्वारकापुरम, दिसुखनगर में नकली दवाओं से भरे पांच कार्टन के स्टॉक की डिलीवरी के दौरान पकड़ा, जो एक बिना लाइसेंस वाला परिसर है। डीसीए के अधिकारियों को नकली एंटीबायोटिक 'सेफ़ॉक्सिम-सीवी टैबलेट (सेफ़ोडॉक्सिम प्रोक्सेटिल और पोटेशियम क्लैवुलनेट, लैक्टिक एसिड बैसिलस टैबलेट)' की मात्रा 51,000 रुपये मूल्य की मिली। छापेमारी के दौरान उक्त पांच कार्टन में बाईस लाख पंचानबे हज़ार जिस पर 'मेग लाइफसाइंसेज, खसरा नंबर 4%/5, पल्ली गांव, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश' द्वारा निर्मित का लेबल लगा हुआ है, जो कि काल्पनिक/अस्तित्वहीन पाया गया है।

डीसीए अधिकारियों नेछापेमारी के दौरान बाईस लाख पंचानबे हजार 22.95 लाख रुपये मूल्य के नकली एंटीबायोटिक दवाओं के स्टॉक जब्त किए। डीसीए अधिकारियों ने छापेमारी के दौरान टास्क फोर्स अधिकारियों की सहायता ली।पूछताछ करने पर, पुव्वाडा लक्ष्मण ने सैदाबाद के अपने साथियों पोकाला रमेश और गरापल्ली पूर्णचंदर के नामों का खुलासा किया, जो नकली दवा रैकेट में शामिल हैं और यह भी खुलासा किया कि वह राज्य में कुछ मेडिकल दुकानों में नकली दवाओं की आपूर्ति कर रहा है। औषधि निरीक्षक बी. लक्ष्मीनारायण, के. अन्वेष, एम. चन्द्रशेखर, जी. अनिल, ए.एन. क्रांति कुमार और जे नागराजू छापेमारी करने वाले अधिकारियों में शामिल रहे। महानिदेशक डीसीए वी.बी. कमलासन रेड्डी ने कहा कि नकली दवाएँ सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए एक बड़ा ख़तरा हैं। नकली दवाएं मरीज़ के स्वास्थ्य को गंभीर ख़तरे में डालती हैं। नकली दवाएँ न केवल बीमारी को ठीक करने में विफल रहती हैं बल्कि समय के साथ रोगी के लिए विनाशकारी परिणाम पैदा करती हैं। डीसीए अधिकारियों ने नकली एंटीबायोटिक दवाओं को जब्त कर लिया और विश्लेषण के लिए नमूने उठा लिए। आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

तेलंगाना के डिप्टी सीएम मल्लू भट्टी विक्रमार्क से सौजन्य भेंट करते हुए वार्ता प्रकाशन समूह के सीएमडी डॉ. गिरीश कुमार संघी।

अगले वित्त वर्ष से बिजली दरों में बढ़ोतरी संभव

हैदराबाद, 3 जनवरी स्वतंत्र वार्ता। तेलंगाना राज्य विद्युत नियामक आयोग ;टीएसईआरसीद्ध ने कथित तौर पर राज्य संचालित बिजली उपयोगिताओं को 31 जनवरी तक कुल राजस्व आवश्यकता ;एआरआरद्ध के निर्धारण के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कहा हैए अटकलें तेज हैं कि राज्य सरकार डिस्कॉम को अपने कर्ज को कम करने के लिए वित्तीय वर्ष 2024.25 के दौरान टैरिफ बिजली बढ़ाने की अनुमति दे सकती है।

सूत्रों ने कहा कि अगर बिजली दरों में बढ़ोतरी नहीं की गई तो बिजली उपयोगिताओं के लिए इसे बनाए रखना बहुत मुश्किल होगा क्योंकि कर्ज हर दिन बढ़ रहा है। सूत्रों ने कहा कि अगर कांग्रेस सरकार टैरिफ नहीं बढ़ाने का फैसला करती हैए तो उसे कर्ज चुकाने और बिजली खरीदने के लिए डिस्कॉम को वार्षिक सब्सिडी के रूप में 25,000 करोड़ रुपये से अधिक देना होगा। सूत्रों ने कहा कि सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान डिस्कॉम को सब्सिडी और पुनर्भुगतान के रूप में 11,000 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

डिस्कॉम की वर्तमान वित्तीय स्थिति को ध्यान में रखते हुएए ऐसा लगता है कि डिस्कॉम वित्तीय संकट से उबरने के लिए टैरिफ में वृद्धि की मांग करेगी। डिस्कॉम ने हाल ही में टीएसईआरसी को प्रस्ताव सौंपकर 1 अप्रैल से 20 सितंबर तक खुली पहुंच से बिजली खरीदने और उपयोग करने वाले उपभोक्ताओं से 1.95 रुपये प्रति यूनिट का अधिभार वसूलने की अनुमति मांगी है।

9 फरवरी को, ईआरसी एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित करेगा। इस संबंध में।

डिस्कॉम को प्रत्येक वित्तीय वर्ष की शुरुआत में बिजली शुल्क में संशोधन से पहले 30 नवंबर तक ईआरसी को एआरआर प्रस्ताव जमा करना होता हैए लेकिन पिछले साल 30 नवंबर को विधानसभा चुनाव के कारण तत्कालीन सरकार ऐसा नहीं कर सकी थी। 2 जनवरी तक एआरआर जमा करेंए लेकिन जब वे ऐसा करने में विफल रहेए तो ईआरसी ने एक बार फिर 31 जनवरी तक एआरआर जमा करने को कहा है।

ईआरसी 120 दिनों के भीतर प्रस्तुत एआरआर पर सार्वजनिक सुनवाई करेगा और 31 मार्च तक शुल्कों के संशोधन पर फैसला देगा। इसके आधार पर 1 अप्रैल से डिस्कॉम के पास बिजली शुल्क बढ़ाने की शक्ति होगी।

नवंबर 2022 में, दो तेलंगाना राज्य बिजली वितरण कंपनियों टीएसएसपीडीसीएल और टीएसएनपीडीसीएल ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए टीएसईआरसी के साथ अपने एआरआर दाखिल करने के हिस्से के रूप में मौजूदा टैरिफ जमा करके वर्ष 2023-24 के लिए खुदरा आपूर्ति टैरिफ में कोई वृद्धि का प्रस्ताव नहीं दिया। इसलिए चालू वित्त वर्ष के दौरान टैरिफ में कोई वृद्धि नहीं हुई।

नई कांग्रेस सरकार ने कृषि क्षेत्र, कमजोर वर्गों और व्यापार आधारित जातियों को मुफ्त बिजली जारी रखने का फैसला किया है और गृह ज्योति योजना शुरू करने का भी प्रयास किया हैए जिसके तहत सरकार का हर घर में 200 यूनिट बिजली मुफ्त उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। बता दें कि बिजली कंपनियों पर मांग पूरी करने का काफी दबाव है।

राज्य सरकार ने राज्य विधानसभा में बिजली क्षेत्र के वित्तीय स्वास्थ्य पर एक श्वेत पत्र पेश कियाए जिसमें खुलासा हुआ कि डिस्कॉम पर 81,516 करोड़ रुपये का कर्ज था और पिछले साल 31 अक्टूबर तक डिस्कॉम का संचित घाटा बढ़कर 62, 461 करोड़ रुपये हो गया था।

डिप्टी सीएम ने टीएसआरटीसी की समीक्षा की

हैदराबाद, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर के साथ बुधवार को हैदराबाद में डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की समीक्षा की। संगठन के शीर्ष अधिकारियों ने उन्हें पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से टीएसआरटीसी के वित्तीय पहलुओं, महालक्ष्मी योजना के कार्यान्वयन, सरकारी वित्तीय सहायता आदि के बारे में बताया। इस अवसर पर बोलते हुए, तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने सरकार द्वारा शुरू की गई महिलाओं के लिए महालक्ष्मी-मुक्त बस सुविधा योजना को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए टीएसआरटीसी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई दी। यह बड़ी बात है कि अब तक 6.50 करोड़ महिलाएं इस योजना के तहत यात्रा कर चुकी हैं और इस योजना को शांतिपूर्ण माहौल में लागू करने के लिए कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि वह वित्त विभाग की ओर से टीएसआरटीसी को पूर्ण समर्थन और सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रबंधन लागत के अनुरूप संस्था को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के आदेश वित्त विभाग के अधिकारियों को दिये गये हैं. उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के बकाए, कंपनी के कर्ज, पीएफ, सीसीएस और अन्य सेटलमेंट से जुड़े फंड की समीक्षा के बाद जल्द ही फैसला लिया जाएगा. अधिकारियों को आय के वैकल्पिक स्रोतों पर ध्यान देने और प्रबंधन क्षमता बढ़ाने की सलाह दी गई। आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि महालक्ष्मी योजना के तहत औसतन 2% लाख महिलाएं यात्रा कर रही हैं और लगभग 10 करोड़ रुपये के शून्य टिकट स्वीकृत किए जा रहे हैं। मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि आरटीसी लोगों का संगठन है और सरकार इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेगी. उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाने का वादा किया। उन्होंने कहा कि संगठन आय के वैकल्पिक स्रोतों के बारे में सोच रहा है और टिकट आय के अलावा, संगठन लॉजिस्टिक्स, वाणिज्यिक और अन्य गैर-टिकट आय पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। वित्त विभाग के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, टीआर एंड बी के मुख्य सचिव श्रीनिवास राजू, टीएसआरटीसी के एमडी वीसी सज्जन, उपमुख्यमंत्री ओएसडी कृष्ण भास्कर, टीएसआरटीसी के ईडी मुनि शेखर, कृष्ण कांत, वित्त सलाहकार विजया पुष्पा, सीएमई रघुनाथ राव, सीटीएम जीवन प्रसाद एवं अन्य ने भाग लिया।

पूर्व मंत्री ने रामगोपालपेट मंडल का दौरा किया

हैदराबाद, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री व सनत नगर विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि प्रजापालन कार्यक्रम के तहत 6 योजनाओं के लिए आवेदन करने वालों में से योग्य उम्मीदवारों का चयन कब किया जाएगा, इसके बारे में स्पष्टता की कमी से भ्रम पैदा होगा। बुधवार को रामगोपालपेट मंडल के अपने दौरे के तहत उन्होंने छोटाला बस्ती में स्थापित लोक प्रशासन अनुप्रयोगों के स्वागत केंद्र का दौरा किया। केंद्र के अधिकारियों से मूल्य अनुरोध के बारे में पूछताछ की गई। उन्होंने कहा कि सरकार ने यह घोषणा नहीं की है कि इस महीने की छह तारीख तक पात्र लोगों का चयन कर लिया जायेगा, सिवाय इसके कि पात्र लोग आवेदन कर दें। तलसानी श्रीनिवास यादव ने जब अधिकारियों से इस बारे में सवाल किया तो उन्होंने कहा कि उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने कहा कि सरकार को यह स्पष्ट बयान देकर लोगों के बीच भ्रम दूर करना चाहिए कि लाभार्थियों का चयन कब किया जाएगा। इस अवसर पर डीसी शंकरैया, पूर्व नगरसेवक अत्तिली अरुणा गौड़, किरणमई, अत्तिली मल्लिकार्जुन गौड़, वाटर वर्क्स डीजीएम शशांक, सुरेश, बीआरएस पार्टी के नेता अत्तिली श्रीनिवास गौड़, अंजनेयुलु, अरुण भट्ट, सतीश, गणेश, निर्मला, सत्यनारायण, आर. सत्यनारायण, राजेश आदि रहे।

महाप्रबंधक, एससीआर ने काचीगुडा-महबूबनगर-कृष्णा अनुभाग का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने बुधवार को काचीगुडा-महबूबनगर-देवरकड़ा-कृष्णा खंड का निरीक्षण किया। उनके साथ हैदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। अरुण कुमार जैन ने काचीगुडा से कृष्णा रेलवे स्टेशन तक पिछली खिड़की का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने ट्रैक, पुलों और सिग्नलिंग प्रणालियों के रखरखाव से संबंधित सुरक्षा पहलुओं की जांच की। महाप्रबंधक ने मैरिकल रेलवे स्टेशन का दौरा किया, उन्होंने पूरे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और स्टेशन मास्टर कार्यालय में आधिकारिक रिकॉर्ड की समीक्षा की। उन्होंने मैरिकल स्टेशन के पास प्वाइंट नंबर 102 पर सुरक्षा पहलुओं की भी जांच की। इसके अलावा, महाप्रबंधक ने जैकलेयर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने सर्कुलेटिंग एरिया, स्टेशन मास्टर कार्यालय, स्टोर रूम और रिले रूम सहित यात्री सुविधाओं और पूरे स्टेशन परिसर की समीक्षा की। बाद में, महाप्रबंधक ने मगनूर रेलवे स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया और स्टेशन मास्टर कार्यालय में रिकॉर्ड की समीक्षा की। उन्होंने मगनूर में प्वाइंट नंबर 104 ए का निरीक्षण किया और स्टेशन पर अधिकारियों और कर्मचारियों के सदस्यों के साथ बातचीत की। श्री अरुण कुमार जैन ने कृष्णा रेलवे स्टेशन का भी विस्तृत निरीक्षण किया; उन्होंने स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और सर्कुलेटिंग एरिया और स्टेशन मास्टर कार्यालय की जांच की। स्थानीय जन प्रतिनिधियों ने स्टेशन पर महाप्रबंधक से मुलाकात की। महाप्रबंधक ने देवरकड़ा रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया. उन्होंने रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं, बुकिंग कार्यालय सुविधाओं, यात्री प्रोफ़ाइल आदि की समीक्षा की, उन्होंने देवरकादरा रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं के और विकास की योजनाओं के

तेलंगाना में 26 आईएएस अधिकारियों का तबादला

हैदराबाद 3जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। एक महत्वपूर्ण पुनर्गठन में, बुधवार को तेलंगाना में लगभग 26 आईएएस अधिकारियों को स्थानांतरित कर दिया गया या अन्य पदों का अतिरिक्त पूर्ण प्रभार (एफएसी) सौंपा गया। अधिकांश नए पद अधिकारियों को उनके संबंधित पदों के अतिरिक्त पूर्ण प्रभार (एफएसी) के साथ मौजूदा बोझ से राहत देंगे, जबकि अन्य को अन्य पदों के नए एफएसी दिए जाएंगे। परिणामस्वरूप, एमसीआर एचआरडी संस्थान, बेनहुर के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. महेशदत्त एक्का को एफएसी की मुख्य सचिव ए शांति कुमारी के पद से हटाकर, खान एवं भूविज्ञान के प्रधान सचिव के रूप में स्थानांतरित और नियुक्त किया गया है। श्रम आयुक्त, अहमद नदीम, एफएसी के वित्त के विशेष सचिव, के. रामकृष्ण राव, आईएएस (1991) के पद के अनुरूप, योजना विभाग के प्रधान सचिव का पद संभालते हैं। सामान्य प्रशासन सचिव, राहुल बोज्जा को राजस्व और कैप्चरिंग क्षेत्रों के विकास (आईएंडसीएडी) का सचिव नामित किया गया है। उन्होंने एफएसी के सीएमओ स्मिता सभरवाल के सचिवालय को कर्तव्यों को सौंप दिया है। उन्हें एफएसी के संदीप कुमार सुल्तानिया के कार्गो से संबंधित तेलंगाना राज्य के वित्त आयोग का सचिव सदस्य नामित किया गया है। संगारेड्डी कलेक्टर ए शरथ जनजातीय कल्याण के नामित सचिव हैं, जो कार्गो के एफएसी क्रिस्टीना जेड चोंगथु को रिपोर्ट करते हैं। नगरपालिका प्रशासन के निदेशक और प्रजावानी राज्य के आधिकारिक नोडल, हरिचंदना दासारी को एफएसी के हेमंत केशव पाटिल को प्रभार सौंपते हुए, नलगोंडा का नया कलेक्टर नामित किया गया है। डी दिव्या, जो अपने पद की प्रतीक्षा कर रही हैं, हरिचंदना का स्थान लेंगी।

31 दिसंबर तक पूर्ववर्ती खम्मम में 15 लाख से अधिक शून्य टिकट जारी किए गए

खम्मम, 3 जनवरी स्वतंत्र वार्ता। 15 लाख से अधिक महिलाओं और लड़कियों ने 14 से 31 दिसंबर, 2023 तक खम्मम क्षेत्र में सात डिपो द्वारा संचालित टीएसआरटीसी बसों में दी जाने वाली मुफ्त यात्रा सुविधा का लाभ उठाया है।

अधिकारियों ने कहा कि हालांकि महा लक्ष्मी योजना के तहत मुफ्त यात्रा सुविधा पिछले साल 9 दिसंबर को शुरू की गई थी, लेकिन पल्ले वेलुगु और एक्सप्रेस बस सेवाओं में शून्य टिकट जारी करना 14 दिसंबर से शुरू किया गया था।

14 से 31 दिसंबर तक 15,72,480 महिला यात्रियों ने पल्ले वेलुगु और एक्सप्रेस सेवाओं में यात्रा की और उनमें से 32,589 बच्चे थे। खम्मम और कोत्तागुडेम जिलों में प्रतिदिन औसतन 87,000 से अधिक महिला यात्री आरटीसी बसों में यात्रा करती हैं।

प्रतिशत के संदर्भ में, 18 दिनों की इसी अवधि के दौरान उक्त बसों में यात्रा करने वाले कुल 31,08,447 यात्रियों में से 50.59 प्रतिशत महिला यात्री थीं। अधिकारियों के मुताबिक अनुमान है कि अगर राज्य सरकार शून्य टिकट के किराये की प्रतिपूर्ति करती है, तो क्षेत्र में 8.44 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित होगा। खम्मम डिपो ने सबसे अधिक महिला यात्रियों को सेवा प्रदान की है, जहां 4,04,450 ने डिपो द्वारा संचालित बसों में यात्रा की। प्रतिशत के संदर्भ में, मनुगुर डिपो ने इस अवधि के दौरान डिपो द्वारा चलाई गई बसों में यात्रा करने वाले कुल यात्रियों में से 56.87 प्रतिशत महिला यात्रियों को सेवा प्रदान की।

शून्य टिकट यात्रियों और अनुमानित राजस्व का डिपोवार विवरण इस प्रकार था- येल्लांडु 62,774 यात्री-कमाई 28.43 लाख रुपये, मनुगुर 2,45,540-1.29 करोड़ रुपये, मधिरा 1,63,642-1.16 करोड़ रुपये, सत्तुपल्ली 3,24,933-1.32 करोड़ रुपये, कोत्तागुडेम 2,12,869 -1.12 करोड़ रुपये, भद्राचलम 1,58,272-1.14 करोड़ रुपये और खम्मम 4,04,133 यात्री-2.11 करोड़ रुपये शामिल हैं।

आरटीसी अधिकारियों ने बताया कि खम्मम डिपो 56 पल्ले वेलुगु और 38 एक्सप्रेस सेवाएं संचालित करता है, मधिरा 29 और 21, सथुपल्ली 3% और 33, भद्राचलम 19 और 38, कोठागुडेम 30 और 18, मनुगुर 14 और 26 जबकि येल्लांडु डिपो 18 पल्ले वेलुगु बसें संचालित करता है।

9 से 31 दिसंबर को मुफ्त यात्रा सुविधा शुरू होने के बाद से आरटीसी बसों में यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की संख्या लगभग 20 लाख हो सकती है क्योंकि यह अनुमान लगाया गया था कि 9 से 13 दिसंबर तक चार लाख से अधिक महिलाओं ने इस सुविधा का उपयोग किया था।

बिहार की बेटी स्वाति मिश्रा के मुरीद हुए पीएम मोदी

'राम आएंगे' भजन को शेयर कर जमकर की तारीफ

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के छपरा जिले की गायिका स्वाति मिश्रा का भजन 'राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी' इन दिनों पूरे देश में छाया हुआ है। इस भजन पर दिवाली से लेकर अब तक कई रिल्स बन चुके हैं। बच्चे, युवा-युवती ही नहीं बल्कि बुजुर्गों को भी इस गाने को गुनगुनाते देखा जा सकता है। घर में पूजा-पाठ में या सुबह के भजन के रूप में इस गाने को बजा रहे हैं।

पीएम मोदी ने स्वाति मिश्रा के भजन को किया ट्वीट

अब तो इस भजन की लोकप्रियता और बढ़ गई है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद स्वाति मिश्रा के इस भजन की तारीफ की है। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर शेयर कर इसकी प्रशंसा की है। पीएम मोदी ने वीडियो जारी कर लिखा कि श्री राम लला के स्वागत में स्वाति मिश्रा जी का भक्ति से भरा यह भजन मंत्रमुग्ध करने वाला है।

कौन हैं स्वाति मिश्रा

स्वाति मिश्रा बिहार के छपरा की रहने वाली हैं। वह बचपन से ही स्वाति मिश्रा के भजन का इंटरनेट मीडिया पर 6 करोड़ से अधिक व्यूज हो चुके हैं। वर्तमान समय में स्वाति मुंबई में अपना करियर बना रहीं हैं। इनके यू-ट्यूब के तीन चैनल भी हैं। उस पर लाखों में सब्सक्राइबर हैं। स्वाति की क्रिएटिविटी से गाने काफी वायरल हो रहे हैं। राम आएंगे तो। भजन इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद स्वाति मिश्रा को देश के विभिन्न राज्यों में स्टेज शो के लिए बुलाया जा रहा है। भारत ही नहीं नेपाल में भी वह अपने कार्यक्रम देने जा रही हैं।

सीएम योगी से अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद ने की मुलाकात

इन मुद्दों पर हुई चर्चा, बढ़ी हलचल

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तैयारियों के बीच एनडीए में सीटों को लेकर हलचल तेज हो गई है। केंद्रीय मंत्री और अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल ने सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। वहीं निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद भी सीएम योगी से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। इस मुलाकात को शिष्टाचार बताया जा रहा है, लेकिन चुनाव से पहले इसे लेकर कई तरह के कयास भी लगाए जा रहे हैं।

सीएम योगी के ऑफिस की ओर से अनुप्रिया पटेल और संजय निषाद दोनों नेताओं के साथ मुलाक़ात की तस्वीरें शेयर की गई है। जिसके साथ कैप्शन में लिखा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज से आज लखनऊ में अपना दल (एस) की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मा। केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल जी ने शिष्टाचार भेंट की' अनुप्रिया पटेल ने इससे पहले लखनऊ में पार्टी के एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा पूरा एनडीए परिवार एकजुट होकर आगामी चुनाव लड़ने जा रहा है और हम सबका यही लक्ष्य है कि यूपी में एनडीए को ज़्यादा से ज़्यादा सीटों पर जीत हासिल हो।

सीट बंटवारे को लेकर कही ये बात

अनुप्रिया पटेल ने कहा, 'हर पार्टी विस्तार करना चाहती है। हर पार्टी के कार्यकर्ता भी विस्तार चाहते हैं। फ़िलहाल हम एनडीए के घटक हैं और ये पांचवां चुनाव होगा जो हम सब साथ मिलकर लड़ेंगे। पहले अपना दल और भाजपा ने कई चुनाव साथ मिलकर लड़े। इस साल हमारे साथ नए साथी भी हैं। दो नए साथी हमारे साथ जुड़ गए हैं। हमारी फ़िलहाल दृष्टि केवल हमारे लक्ष्य पर केंद्रित है कि उत्तर प्रदेश में एनडीए को सर्वाधिक सीटें प्राप्त हों।' उन्होंने आगे कहा, 'अभी सीटों के बंटवारे को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है। लेकिन बँटवारा जो भी हो, हम सबकी एक आम सहमति है कि एनडीए परिवार एकजुट होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में एक बार फिर मज़बूत सरकार बनाए।' इससे पहले अनुप्रिया पटेल ने गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाक़ात की थी। जिसमें उन्होंने राज्य की वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति, लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बात की।

बिहार में कोरोना के दो और संक्रमित मिले मरीजों की कुल संख्या 20 से ज्यादा

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते 24 घंटे के भीतर राजधानी पटना में दो नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। इनमें से एक की उम्र 19 साल तो दूसरे की 50 साल है। इससे पहले 20 से ज्यादा मरीज कोरोना के मिले चुके है। इनमें से सबसे ज्यादा पटना और गया के केस हैं। इसके अलावा मुजफ्फरपुर और दरभंगा से भी एक-एक कोविड संक्रमित मिल चुका है। कोरोना के दो नये मरीज में एक 19 वर्षीय युवक बोरिंग रोड स्थित आनंदपुरी मोहल्ले का रहने वाला है। उसे सर्दी-खांसी, बुखार जैसे लक्षण के बाद जांच कराई गई थी।

वहीं, एमएनसीएच में इलाज कराने आया 50 वर्षीय व्यक्ति संक्रमित मिला। वह आलमगंज के बड़ी पटनदेवी का रहने वाला है। अस्पताल के

उपाधीक्षक डॉ सरोज कुमार ने बताया कि उसे होम आइसोलेशन में रखा गया है। कोरोना संक्रमितों की संख्या में इजाफा होने के बाद भी हैरान इस बात की है कि राज्य में अभी संक्रमित मरीजों के सैंपल की जीनोम सिक्वेंसिंग नहीं हो पा रही है। इस कारण यह पता नहीं चल पा रहा है कि बिहार में जो कोरोना केस मिल रहे हैं, वो नए वैरिएंट जेएन-1 के हैं या ओमिक्रॉन से पीड़ित हैं।बिहार में पिछले कुछ दिनों में कोरोना के 20 से ज्यादा मरीज मिल चुके हैं।

नीतीश का संयोजक बनना अभी तय नहीं?

ऐन मौके पर टल गई इंडिया की बड़ी बैठक

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव आने से पहले ही विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में खटपट बढ़ती चली जा रही है। बीते दिन खबर आई थी कि बुधवार को गठबंधन के दलों की जूम मीटिंग होगी जिसमें नीतीश कुमार को इंडिया का संयोजक बनाया जा सकता है। हालांकि, अब सूत्रों के हवाले से बड़ी खबर सामने आई है कि नीतीश के संयोजक बनाए जाने को लेकर होने वाली वर्चुवल बैठक टल गई है। अब बैठक किसी और दिन करने की बात कही गई है।

नीतीश के नाराज होने की खबरें

इंडिया गठबंधन की नई दिल्ली में संपन्न हुई चौथी बैठक के बाद से बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाराज होने की खबरें सामने आ रही हैं। इस बीच सूत्रों के हवाले से पता चला था कि इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की 3 दिसंबर को जूम एप पर बात होगी। इस ऑनलाइन मीटिंग में गठबंधन में नीतीश की अहम भूमिका को देखते हुए कांग्रेस के बड़े नेता उनको संयोजक बनाने का प्रस्ताव दे सकते हैं।

कांग्रेस ने पहल की थी

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस की ओर से नीतीश को संयोजक बनाने को लेकर पहल की थी। कांग्रेस ने इस बारे में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव से सहमति भी ले ली थी। शरद पवार और उद्धव ठाकरे समेत दक्षिण भारत के दलों और लेफ्ट पार्टी के नेताओं से भी बात हो चुकी थी। हालांकि, ऐन मौके पर मीटिंग का कैंसल होना बड़ी बात मानी जा रही है।

इन मुद्दों पर नाराज हैं नीतीश

रिपोर्ट्स की मानें तो नीतीश को मनाने और उनसे संपर्क साधने की कोशिशें तेज हो गई हैं। बीते दिनों हुई जेडीयू की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भी कांग्रेस पर हमला बोला था। नीतीश ने कहा था कि कांग्रेस उनके काम की चर्चा भी नहीं करती। जाति आधारित गणना और आरक्षण के मुद्दे की चर्चा और प्रचार कांग्रेस की तरफ से नहीं किए जाने से भी नीतीश नाराज थे। इसके अलावा इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खरगे का नाम पीएम पद के लिए प्रस्तावित किए जाने से भी नीतीश के नाराज होने की खबर आई थी। सूत्रों की मानें तो अब उन्हें मनाने की कोशिश तेज कर दी गई है।

लव-कुश का तीर-धनुष कहीं इन्हें ही न लग जाए

भाजपा पर बुरी तरह भड़के तेज प्रताप यादव

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भाजपा की लव-कुश यात्रा प्रदेश के पर्यावरण,वन व जलवायु परिवर्तन मंत्री तेज प्रताप यादव को रास नहीं आई है। भाजपा की इस यात्रा को लेकर तेज प्रताप यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों ने पहले राम को आगे करके यात्रा निकाली थी और हनुमान जी का गदा लेकर चले थे जो उल्टा उन्हें ही लगी। इस गदा के कारण कर्नाटक में चुनाव तक हार गए। अब प्रभु राम के बेटे लव और कुश को लेकर यात्रा निकाल रहे हैं। तो ऐसा ना हो जाए कि लव-कुश का तीर-धनुष इन्हें ही लग जाए। बता दें कि अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा से पहले बिहार में लव-कुश यात्रा निकाली गई है। इसी यात्रा पर तंज करते हुए तेजप्रताप ने कहा कि इन लोगों को देश की जनता देख रही है। इन लोगों ने देश को तोड़ने जैसा काम किया है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि अब देश की जनता इनके झांसे में आने वाली नहीं है। आज भाजपा के साथ कोई नहीं है। वहीं, नीतीश कुमार के संयोजक बनने की चर्चा पर उन्होंने कहा कि किसी को कुछ भी बनने से कोई आदमी रोक नहीं सकता। बनने वाला आदमी होगा तो वो खुद-ब-खुद बन जाएगा। हमलोग तो लोगों को सहयोग करते रहते हैं। हम किसी का पैर खींचकर राजनीति नहीं करते हैं।

पूर्वांचल में जोरदार बारिश ने दी दस्तक

48 घंटे बारिश की चपेट में यूपी, ऑरेंज अलर्ट जारी

वाराणसी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर से अपना रुख बदल लिया है। पूर्वांचल में आज सुबह-सुबह ठंडी हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हुई, जिससे लोगों को अलाव का सहारा लेने पर मजबूर होना पड़ा।

सर्द हवा ने मौसम को और सर्द बना दिया है। साथ ही मौसम विभाग ने आज सुबह सुबह वेदर रिपोर्ट जारी करते हुए प्रदेश में जारी शीतलहर को लेकर अपडेट दिया। साथ ही गरज चमक के साथ प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना भी जताई। इसके अलावा आईएमडी लखनऊ ने प्रदेश के 10 जिलों में कोल्ड की चेतावनी जारी की है। वहीं, 49 जिलों में घने से घने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। आईएमडी लखनऊ के ताजा वेदर रिपोर्ट के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से लगातार प्रदेश में शीतलहर जारी है। सुबह शाम धुंध मकई मोटी चादर देखने को मिलती है। लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा लेते दिख रहे हैं।

आज सुबह की शुरुआत वाराणसी, चंदौली जैसे पूर्वांचल क्षेत्रों में गरज चमक वाले बारिश के साथ हुई। जिसके बाद प्रदेश का मौसम और ठंडा हो गया। गलन और बढ़ गई है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, प्रदेश में अभी सर्दी का सितम जारी रहने वाला है। अभी अगले कुछ दिनों तक लोगों को सर्द हवाएं परेशान कर सकती हैं। आज यानी बुधवार को दिन भर ठंड बनी रहेगी। इसको लेकर मौसम विभाग ने 15 जिलों में ऑरेंज अलर्ट के साथ कोल्ड डे भी घोषित कर दिया है। साथ ही यूपी के 46 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे की स्थिति रहेगी। मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के कुछ हिस्सों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, लखीमपुर खीरी, बहराइच और आसपास के इलाकों में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए कोल्ड डे घोषित किया गया है।

वहीं, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, गौतम बुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, बदायूं, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी, कानपुर देहात, लखनऊ, बाराबंकी, गोंडा, सिद्धार्थ नगर, महाराजगंज, कुशीनगर, बस्ती, संत कबीर नगर, फैजाबाद, अमेठी, रायबरेली, सुल्तानपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, प्रयागराज, मिर्जापुर और आसपास के इलाकों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में मध्यम से घना कोहरा देखने को मिल सकता है।

प्रेमिका ने शादी के लिए मना किया तो प्रेमी ने मां-बाप और जीजा संग मिल किया खौफनाक कांड

फतेहपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर जिले में 8 महीने पहले हुई युवती की हत्या मामले का पुलिस ने खुलासा करने का दावा किया है। बता दें कि पुलिस ने इस मामले में प्रेमी सहित 3 लोगों को गिरफ्तार करते हुए उन्हें जेल भेज दिया है। जिले के एसपी के मुताबिक, युवती और उसके प्रेमी के बीच प्रेम संबंध चल रहा था और कई महीने दोनों साथ भी रहे। मगर प्रेमिका ने शादी करने से इनकार कर दिया था, जिसके कारण प्रेमी ने अपनी मां और जीजा के साथ मिलकर युवती को मौत के घाट उतार दिया।

'यूपी में सिर्फ इंतजार,बिहार में नौकरियों की भरमार'

नीतीश के दिग्गज मंत्री का योगी सरकार पर हमला

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार में भारी संख्या में शिक्षक भर्ती होने के बाद महागठबंधन के नेता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साध रहे हैं। नीतीश सरकार के भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी ने बिहार में बंपर शिक्षक बहाली के बाद यूपी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने यूपी सरकार पर युवाओं को छलने का आरोप लगाया। अशोक चौधरी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा कि नीयत और नीतियों का फर्क साफ दिखाई दे रहा है! एक ओर हमारे पड़ोसी राज्य हैं, जहां डबल इंजन सरकार और तमाम संभावनाओं के बावजूद नौकरी के नाम पर युवाओं को छला जा रहा है, तो वहीं दूसरी तरफ महागठबंधन की सरकार वाला एक गरीब राज्य बिहार है, जहां देश के 20 से 22 राज्य के युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा रही हैं।

अशोक चौधरी की पोस्ट पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया

वहीं अशोक चौधरी की पोस्ट पर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है। राहुल बिहारी नाम के एक यूजर ने लिखा कि बिल्कुल नियति में फर्क दिखाई दे रहा डोमिसाइल हटाकर बगल राज्य वाला राज्यकर्मी बन गया और बिहार वाला बगल राज्य में राजमिस्त्री बनने की कगार पर है यही तो सरकार की नीयति है। बिहार में शिक्षक बहाली होने के बावजूद नौकरी के नाम शिक्षक अभ्यर्थियों को छला जा रहा है। वहीं जे आनंद नाम के सोशल मीडिया यूजर ने कहा कि बिहार में सिर्फ मास्टर की बहाली हो रही है अन्य डिग्री धारी भैंस चारा रहे हैं। लाइब्रेरियन डिग्री धारी दशकों से विज्ञप्ति की आस में बैठे हैं लेकिन बिहार की निक्कमी सरकार सिर्फ शिक्षक बहाल कर रही है।

तो इसलिए लालू भी चाहते हैं कि सीएम नीतीश बन जाएं संयोजक

गिरिराज सिंह का बड़ा खुलासा

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सियासी गलियारों में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को लेकर चर्चा है कि उन्हें इंडिया गठबंधन में संयोजक बनाया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो आज बुधवार को इंडिया गठबंधन के बड़े नेताओं की ऑनलाइन मीटिंग होने वाली है। इसमें नीतीश कुमार के नाम की घोषणा संयोजक के लिए हो सकती है। इससे पहले ही नीतीश कुमार को लेकर लगातार बीजेपी के नेता हमलावर हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लालू यादव का नाम लेते हुए सीएम पर हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने बीते मंगलवार (02 जनवरी) को मीडिया से बातचीत में यह बयान दिया कि यह सब लालू यादव का मकड़जाल है। मकड़जाल में नीतीश कुमार को फंसा कर रखना चाहते हैं। इनका पहला प्रयोग है कि किसी तरह से नीतीश कुमार को संयोजक बना दें ताकि हमारे गठबंधन में रहें और बेटे (तेजस्वी यादव) को मुख्यमंत्री बना दें। नीतीश कुमार पर तंज कसते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार को कोई संयोजक क्यों बनाएगा? कौन सा तीर मार के आए हैं? विधानसभा में कौन सा रामायण करके आए हैं? आज

कल एक महीने से किसी मंच पर बोल नहीं रहे हैं। तो क्या बिना बोले गठबंधन में रहेंगे? कोई बनाएगा नहीं। ये लालू यादव का मकड़जाल है। लालू यादव तब तक तैयारी करेंगे कि कैसे उनकी (नीतीश कुमार) पार्टी को तोड़ दें।

लोकसभा चुनाव को लेकर हचलच तेज

बता दें कि बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं। विपक्षी गठबंधन की चार बैठकें हो चुकी हैं। हालांकि अभी तक सीटों को लेकर फैसला नहीं हो सका है। लोकसभा चुनाव को लेकर हलचल तेज हो गई है। हाल ही में नीतीश कुमार ने जेडीयू की कमान संभाली है। नीतीश कुमार संयोजक बनाए जा सकते हैं इससे आरजेडी के नेताओं में भी खुशी है। हालांकि देखना होगा कि इस चर्चा पर कब तक आधिकारिक रूप से मुहर लगती है।

भर और राजभर जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का मामला

सरकार ने एचसी से मांगा 2 महीने का समय

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में भर और राजभर जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का मामले पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इसपर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने उच्च न्यायालय से मोहलत मांगी है। इससे पहले भी कोर्ट ने राज्य सरकार को दो महीने का वक्त दिया था। एक बार फिर से अदालत ने राज्य सरकार को दो महीने का अतिरिक्त समय दिया है। हालांकि हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान राज्य सरकार से पूछा कि क्या इसके बाद आप समय नहीं मांगेंगे। कोर्ट ने राज्य सरकार को विचार कर निर्णय लेने के लिए अक्टूबर में दो महीने का अतिरिक्त समय दिया था। हालांकि जब सुनवाई शुरू हुई तो

राज्य सरकार की ओर से ज्वाइंट डायरेक्टर ने फिर से दो महीने का समय मांगा है। इसपर कोर्ट ने पूछा- क्या यह अंतिम बार होगा इसके बाद समय नहीं मांगेंगे।

4 जनवरी को होगी सुनवाई

सरकारी वकील ने जानकारी प्राप्त करने की मोहलत मांगी है। इसपर कोर्ट ने वकील से 4 जनवरी को बताने के लिए कहा है। 4 जनवरी को ही अब मामले की अगली सुनवाई होगी। दरअसल, कोर्ट जागो राजभर जागो समिति की अवमानना याचिका सुनवाई कर रहा है। इस मामले की सुनवाई जस्टिस विकास बुधवार की सिंगल बेंच में हुई है। हालांकि सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर लगातार भर और राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने की मांग करते रहे हैं। बीते दिनों उन्होंने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कहा था, 'आज नई दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से शिष्टाचार मुलाकात कर उत्तर प्रदेश और बिहार के राजनीतिक मुद्दों पर भी चर्चा हुई। भर/राजभर जाति को अनुसूचित जनजाति में शामिल किये जाने के लिए प्रस्ताव यथा शीघ्र उत्तर प्रदेश सरकार से दिल्ली सरकार को रिपोर्ट मंगाने पर गंभीर चर्चा हुई।' इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ से भी उन्होंने इस संबंध में मुलाकात की थी।

यह केस तो एक बानगी है कि पुलिस किस तरह लोगों को फंसाती है

कोर्ट ने हरदोई के डीएम-एसएसपी पर लगाया दो लाख का जुर्माना

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ट्रक चालकों से वसूली करते होमगार्ड को बिना साक्ष्य और गवाह के फंसाने पर इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कड़ा रुख अपनाते हुए हरदोई के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक पर दो लाख रुपये का जुर्माना ठोंका है। इसके साथ ही कोर्ट ने आरोपित होमगार्ड को राहत देते हुए उसके खिलाफ दाखिल आरोपपत्र और निचली अदालत से जारी तलबी आदेश को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि होमगार्ड के खिलाफ विवेचना में पुलिस ने न तो किसी पीड़ित को गवाह बनाया और न ही जिस वीडियो के आधार पर कार्रवाई की गई, उसको बतौर सुबूत रिकार्ड पर लिया। कोर्ट ने कहा कि जुर्माने की रकम दो महीने में पीड़ित याची को दी जाए। यह आदेश जस्टिस राजीव सिंह की एकल पीठ ने याची राम गोपाल गुप्ता की याचिका को मंजूर करते हुए पारित किया। हरदोई जिले के लोनार थाने के सब इंस्पेक्टर ऋषि कपूर के मोबाइल पर किसी ने एक वीडियो भेजा, जिसमें नो एंट्री प्वाइंट पर कोई पुलिस की वर्दी में वहां से गुजरने वाले ट्रक चालकों को डरा-धमका कर उनसे वसूली कर रहा था।

राम मंदिर दर्शन के लिए नीतीश-लालू को मिलेगा आमंत्रण, कामेश्वर चौपाल ने मिलने के लिए मांगा समय

राम मंदिर की पहली ईंट रखने वालों में शामिल हैं चौपाल

पटना, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राम मंदिर की पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को पत्र लिखा है। उस पत्र में नीतीश और लालू से मिलने के लिए कामेश्वर चौपाल ने मिलने के लिए समय मांगा है। लेकिन अब तक लालू नीतीश की ओर से किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं आई है। जैसे ही लालू नीतीश कामेश्वर चौपाल को मिलने के लिए बुलाएंगे। ये वहां पहुंचकर उनको आमंत्रण देंगे। कमेवश्वर चौपाल ने यह भी बताया कि नीतीश कुमार और लालू यादव को वीआईपी होने के नाते आमंत्रण नहीं भेजा जाएगा। लेकिन सामान्य नागरिक के तौर पर उनको भी आमंत्रण जाएगा। पिछले 500 वर्षों में यह बड़ा काम हुआ है। पूरे विश्व में देश का गौरव बढ़ाने का

काम हुआ है। इस वजह से उनकी भी सहभागिता होनी चाहिए। 1 जनवरी को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर को राजभवन जाकर आमंत्रित किया है। उस दिन मुख्यमंत्री किसी कार्यक्रम के लिए बाहर निकल गए थे तो उनसे मुलाकात नहीं हो पाई। इसके बाद एक चिट्ठी उनको दिया है ताकि समय मिल सके। जब वह समय देते हैं तो उनको भी जाकर निमंत्रण देंगे। राम मंदिर का आमंत्रण हम सभी घरों में जाकर दे रहे हैं तो ऐसे में उनके घर को क्यों छोड़े? लालू नीतीश भी हमारे समाज के अंग है ऐसे में हम चाहते हैं कि वह भी इस खुशी के पल में शामिल हो। राम मंदिर ट्रस्ट के कार्यकर्ता कामेश्वर चौपाल ने कहा कि 22 जनवरी को उद्घाटन के बाद 24 जनवरी से राम मंदिर को दर्शन के लिए खोल दिया जाएगा। हम पूरे देश लोगों को आमंत्रण भेज रहे हैं जिसके लिए हम हर गली मोहल्ले जाकर लोगों को राम मंदिर आने का न्योता दे रहे है। हमारा यह कार्यक्रम 1 जनवरी से चल रहा है। मैं चाहता हूं कि सामूहिक रूप से लोग शामिल होकर राम मंदिर के प्रतिष्ठापना को देखें।

हिंदू कार्यकर्ता के बचाव में उतरी बीजेपी तो जमकर बरसे सीएम कहा- अपराधियों की जाति व धर्म में नहीं बांटना चाहिए

बेंगलूरू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक के हुबली में शहर थाना पुलिस द्वारा राम जन्मभूमि संघर्ष में शामिल एक हिंदू कार्यकर्ता की गिरफ्तारी पर बवाल मच गया है। एक तरफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गिरफ्तारी के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस लगातार हमलावर हो रही है। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के नेताओं को यह समझने की जरूरत है कि अपराधियों को जाति और धार्मिक लेबल देना बेहद खतरनाक है।

चार साल तक भाजपा ने कुशासन में समय बिताया

सिद्धारमैया ने कहा कि चार साल तक भाजपा ने कुशासन और भ्रष्टाचार के घोटालों में समय बिताया, लेकिन अचानक हमारी सरकार की उपलब्धियों पर सकारात्मक जनता की प्रतिक्रिया के कारण वे घबरा गए हैं। वे अपने निराधार आरोपों का नेतृत्व करने के लिए हुबली में एक आपराधिक संदिग्ध की गिरफ्तारी पर बवाल मचा रहे हैं। भाजपा नेताओं को यह समझने की जरूरत है कि अपराधियों को जाति और धार्मिक लेबल देना बेहद खतरनाक है।

अब यह हंगामा क्यों हो रहा

उन्होंने कहा कि यहां तक कि जब राज्य में भाजपा सरकार सत्ता में थी, तब भी लोकायुक्त पुलिस ने मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा को गिरफ्तार किया था और उन्हें जेल भेज दिया था। क्या हुबली के उस अपराधी को येदियुरप्पा से बड़ा हिंदू या राम भक्त होने का संदेह है? तो क्या उस समय सरकार हिंदू विरोधी थी? यहां तक कि भाजपा के मातृ संगठन के नेताओं ने भी हिंदू येदियुरप्पा को गिरफ्तार करने वाली सरकार को हिंदू विरोधी नहीं कहा, है ना? अब यह हंगामा क्यों हो रहा है?

कांग्रेस की लोकप्रियता से हताश है भाजपा

उन्होंने कहा, 'कांग्रेस सरकार दिन-ब-दिन लोकप्रिय होती जा रही है। हताशा में, भाजपा नेता एक आपराधिक संदिग्ध को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। यह सही नहीं है। यह ऐसे हालात पर नहीं आना चाहिए था, जहां एक राष्ट्रीय पार्टी को एक आपराधिक संदिग्ध का बचाव करना पड़े। अगर किसी भाजपा नेता को थोड़ी सी भी समझदारी है, तो उन्हें कृपया हुबली के इस व्यक्ति के खिलाफ आरोपों की सूची पढ़नी चाहिए और फिर फैसला करना चाहिए कि उसके लिए लड़ना है या नहीं। चूंकि हिंदू आबादी में बहुसंख्यक हैं, इसलिए वे जेलों में भी बहुसंख्यक हैं। क्या इसका मतलब यह है कि भाजपा को उन सभी के लिए लड़ना चाहिए क्योंकि वे हिंदू धर्म से संबंधित हैं?'

भाजपा के गलत काम

उन्होंने कहा कि राज्य में आपराधिक गतिविधियों में वृद्धि भाजपा के गलत कामों और उनके द्वारा अपराधियों को जाति और धर्म का नाम देने की उनकी प्रवृत्ति के कारण है। यहां तक कि अगर कोई व्यक्ति जघन्य अपराध करता है। अगर वह अपने सिर पर भगवा शॉल लपेट लेता है और चिल्लाता है कि वह हिंदू है, तो भाजपा नेता उसके बचाव में दौड़ पड़ते हैं। यह न केवल भगवा के लिए बल्कि हिंदू धर्म के लिए भी शर्म की बात है। यह धर्म के साथ धोखा है। कानून को अपना काम करने दीजिए।

ईश्वर और धर्म के नाम पर ओछी राजनीति करना बंद करें

मुख्यमंत्री ने कहा, 'मैं अभी भी राज्य के भाजपा नेताओं से अपील कर रहा हूं। ईश्वर और धर्म के नाम पर ओछी राजनीति करना बंद करें और एक जिम्मेदार विपक्ष के रूप में काम करने की कोशिश करें। देश को कांग्रेस मुक्त बनाने के भाजपा के दावे के विपरीत, हम राज्य को भाजपा मुक्त बनाने के लिए घमंड पूर्ण बयान नहीं देंगे। हालांकि, मेरा लक्ष्य राज्य में भाजपा को स्थायी रूप से विपक्ष की स्थिति में लाना है। राज्य के भाजपा नेताओं की हालिया दुर्घटनाओं को देखते हुए, ऐसा लगता है कि वे खुद इस लक्ष्य को प्राप्त करने में योगदान दे रहे हैं।'

हम नफरत की राजनीति नहीं करते

वहीं डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि गृह मंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, 'हम नफरत की राजनीति नहीं करते हैं। कानून शांति भंग करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है। हमने कभी भी उस तरह से कानून नहीं तोड़ा, जिस तरह से भाजपा ने किया और कांग्रेस कार्यकर्ताओं व विधायकों पर मामले दर्ज किए।'

यह 30 साल पुराना मामला

कांग्रेस नेता जगदीश शेट्टार ने कहा, 'यह 30 साल पुराना मामला है और यहां तक कि भाजपा ने भी कई सालों तक राज्य पर शासन किया। उस समय उन्होंने हिंदू कार्यकर्ताओं के खिलाफ इन सभी मामलों को वापस लेने के बारे में क्यों नहीं सोचा। यह मामला जानबूझकर परेशान करने के उद्देश्य से नहीं खोला गया है। यह मामला लंबे समय से लंबित था, इसलिए खोला गया है। इन मामलों पर अदालतों से कुछ निर्देश मिलने चाहिए, इसलिए इन्हें खोला गया है। पुलिस ने सभी पहलुओं को देखने के बाद कार्रवाई की है।'

आ गई भीमताल में पकड़ी गई बाघिन की डीएनए रिपोर्ट

हल्द्वानी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तराखंड के नैनीताल जिले में भीमताल के जंगलिया गांव में 25 दिसंबर की रात को एक बाघिन पकड़ी गई थी। माना जा रहा था कि इसी बाघिन ने 3 महिलाओं को अपना निवाला बना लिया था जिससे पूरे इलाके में दहशत छाई हुई थी। लोग इस बाघिन के पकड़े जाने से पहले अपने घरों से बाहर कदम रखने से भी डरते थे। अब इस बाघिन की डीएनए रिपोर्ट आ गई है जिसमें एक बड़ा खुलासा हुआ है।

रिपोर्ट से साफ हो गया है कि 25 दिसंबर को पकड़ी गई बाघिन ही नरभक्षी है और उसी ने तीनों महिलाओं को अपना निवाला बनाया था। वन विभाग के टीम ने ट्रेंकुलाइजर की मदद से बाघिन को पकड़ा था, जिसके बाद उसका डीएनए सैंपल भारतीय वन्यजीव संस्थान देहरादून (डब्ल्यू आईआई) भेजा गया था। डीएनए रिपोर्ट के आने के बाद यह बात साफ हो गई है कि इसी बाघिन ने तीनों महिलाओं को अपना शिकार बनाया। इस बारे में जानकारी देते हुए दक्षिणी कुमाऊं के वन संरक्षक टीआर बीजूलाल ने बताया कि डीएनए रिपोर्ट आ गई है। उन्होंने कहा कि डीएनए रिपोर्ट से साफ हो गया है कि तीनों महिलाओं को जिसने अपना शिकार बनाया था, वो वही बाघिन है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पकड़ी गई बाघिन को पहले रानीबाग स्थित रेस्क्यू सेंटर में रखा गया था।

लेकिन रेस्क्यू सेंटर में पर्याप्त जगह नहीं होने के चलते उसे रामनगर में स्थित ढेला रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया। बाघिन फिलहाल बाड़े में कैद रहेगी। बता दें कि नैनीताल जिले के भीमताल क्षेत्र में बाघिन का पिछले कई महीनो से आतंक था। बड़ी मुश्किल से पकड़ में आई इस नरभक्षी ने कुछ ही दिनों के अंतराल में 3 महिलाओं को अपना निवाला बनाया था। बाघिन के पकड़े जाने से वन विभाग ने भी राहत की सांस ली थी।

बोरवेल से बचाई गई बच्ची के माता-पिता की पहचान 22 दिन बाद हुई

सम्बलपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ओडिशा के सम्बलपुर जिले के वन क्षेत्र में, अनुपयुक्त पड़े बोरवेल से बचाई गई बच्ची के माता-पिता की 22 दिन बाद पहचान कर ली गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची अपनी मां की दूसरी संतान है। अभी तक घटना का विवरण स्पष्ट नहीं है क्योंकि महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

चिकित्सकों ने बच्ची को विजयिनी नाम दिया है जो बीते वर्ष 12 दिसंबर को लारीपाली में 13 फुट गहरे बोरवेल में मिली थी। बोरवेल के अंदर से ग्रामीणों ने बच्ची के रोने की आवाज सुनी और अधिकारियों को सूचित किया जिन्होंने उसे बचाया। सम्बलपुर के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार भामू ने मंगलवार को बताया, बच्ची को बचाने के बाद मामला दर्ज किया गया और दो-तीन दिनों के भीतर उसकी मां की पहचान कर ली गई। हालांकि, महिला की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह घटना के बारे में जानकारी देने में असमर्थ थी। कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रसव के बाद महिला का अवसाद का इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, दोनों के बीच जैविक रिश्ते का पता लगाने के लिए डीएनए जांच की जाएगी।

महिला का पति घटना के बाद से ही गायब है। पुलिस अधिकारी ने बताया, महिला की हालत में सुधार हो रहा है। उसकी दो से तीन दिनों में अस्पताल से छुट्टी हो जाएगी। इसके बाद ही घटना का सच जानने के लिए जांच की जाएगी। 'वीर सुरेंद्र साई इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च' के चिकित्सकों ने बताया कि बच्ची की हालत सुधर रही है और उसने आहार लेना शुरू कर दिया है।

18 साल से कम उम्र वालों के दो-चार पहिया वाहन चलाने पर प्रतिबंध, तीन साल की होगी सजा

लखनऊ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। प्रदेश में 18 साल से कम आयु के कोई भी व्यक्ति किसी सार्वजनिक स्थल में दो-चार पहिया वाहन नहीं चलाएगा। शासन की ओर से इसे लेकर जारी निर्देश के बाद परिवहन विभाग के सहयोग से माध्यमिक विद्यालयों में सख्ती की जाएगी। इसके लिए अभियान चलाकर युवाओं को जागरूक किया जाएगा। साथ ही छात्रों को सड़क सुरक्षा के प्रति विभिन्न माध्यमों से जानकारी भी दी जाएगी।

इसके तहत हर विद्यालय में एक रोड सेफ्टी क्लब का गठन किया जाएगा। सभी कक्षाओं में एक-एक विद्यार्थी को रोड सेफ्टी कैप्टन बनाया जाएगा। विद्यालय में एक क्लास सड़क सुरक्षा की जानकारी पर भी लगेगी। हर विद्यालय में एक शिक्षक को नोडल बनाकर परिवहन विभाग के सहयोग से ऑनलाइव व ऑफलाइन प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। वहीं 18 साल से कम आयु के बच्चे कोई भी मोटर वाहन न चलाएं, इसके लिए जागरूकता के साथ सख्ती भी की जाएगी। हाल में परिवहन आयुक्त चंद्र भूषण सिंह की ओर से इसे लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। इसमें कम उम्र में वाहन चलाने से होने वाली दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही माध्यमिक शिक्षा निदेशक से इसके लिए विद्यालयों में अभियान चलाने को कहा गया है। इसी क्रम में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ। महेंद्र देव ने सभी डीआईओएस को इसके लिए निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि शिक्षकों को भी रोड सेफ्टी नोडल शिक्षक नामित किया जाए। प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा की जानकारी दें और उन्हें इसकी शपथ भी दिलाई जाए। विद्यालयों में सड़क सुरक्षा के नियमों से संबंधित वॉल पेंटिंग कराई जाए। विद्यार्थियों के वाट्सअप ग्रुप बनाकर इससे संबंधित जानकारी व सुझाव साझा किए जाएं। निदेशक ने कहा है कि सोशल मीडिया प्लेटफार्म का भी इसके लिए प्रयोग किया जाए। छात्रों को बताया जाए कि बिना लाइसेंस के वाहन चलाने पर उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने बताया है कि विद्यालयों में रोड सेफ्टी क्लब के गठन के लिए प्रति विद्यालय पांच हजार कुल 44।95 लाख रुपये के बजट की और विद्यालय की दीवारों पर यातायात नियमों व स्लोगन लिखवाने के लिए भी प्रति विद्यालय 500 रुपये के बजट की व्यवस्था के लिए परिवहन आयुक्त को पत्र भेजा गया है। निदेशक ने कहा है कि परिवहन विभाग के अधिकारियों से समन्वयक कर इस पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।

खुलेआम सिगरेट का धुआं उड़ाने वालों पर लग सकता है जुर्माना

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। चाय के साथ सुट्टा पीने की आदत कई लोगों को होती है। अक्सर लोग आपको सड़क पर एक हाथ में चाय और एक हाथ में सुट्टा लिए दिख जाएंगे, लेकिन ऐसा करने पर आपको जुर्माना भी देना पड़ सकता है। सड़क पर या भीड़भाड़ वाली जगह पर अगर आप सुट्टा जलाकर पीने लगते हैं तो आपको सावधान होने की जरूरत है। ऐसा करने पर आपको जुर्माना और जेल तक भी हो सकती है। आज हम आपको सिगरेट पीने के ऐसे ही नियमों के बारे में बताएंगे। दरअसल आईपीसी के सेक्शन 278 के तहत किसी भी पब्लिक प्लेस में सिगरेट पीना एक जुर्म है, जिसके लिए जुर्माने का प्रावधान है। किसी भीड़भाड़ वाली सड़क पर या फिर पब्लिक प्लेस में सुट्टा पीने के चलते आपका चालान किया जा सकता है और अगर आप ये जुर्माना नहीं भरते हैं तो जेल की हवा भी खानी पड़ सकती है।

आमतौर पर ऐसे मामलों में दो सौ रुपये का जुर्माना लिया जाता है, जिसे मौके पर ही लोग चुका देते हैं। कई जगहों पर जुर्माना 1 हजार रुपये तक वसूला जा सकता है। हालांकि अगर ऐसी जगह पर आप सिगरेट पीते हैं, जो एक ओपन स्पेस है और वहां किसी को भी आपकी स्मोकिंग से दिक्कत नहीं है तो आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी।

हाईकोर्ट का अहम आदेश

अपने बचाव में पॉक्सो एक्ट के आरोपी को आधार से जुड़ी जानकारी इस्तेमाल करने का अधिकार

चंडीगढ़, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बच्चों से यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो एक्ट) के मामले में आरोपी को अपने बचाव में पीड़िता के आधार से जुड़ी जानकारी इस्तेमाल करने का अधिकार है। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने पीड़िता को दुष्कर्म के समय बालिग साबित करने के लिए भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण के अधिकारी को रिकॉर्ड के साथ ट्रायल कोर्ट में पेश करने की मांग को स्वीकार करते हुए यह आदेश जारी किया है। याचिका दाखिल करते हुए याची ने बताया कि उसके खिलाफ दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट में फरीदाबाद में केस दर्ज किया गया था। याची ने बताया कि पीड़िता ने अपना जन्म प्रमाण पत्र 2017 में बनवाया है जिसके अनुसार उसकी जन्म तिथि 31 मई 2001 है जबकि उसके आधार कार्ड पर जन्म तिथि एक जनवरी 1999 है। ऐसे में पीड़िता के आधार कार्ड के दस्तावेज कोर्ट में पेश किए जाएं, जो उसने कार्ड बनवाते समय भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण में जमा करवाए थे। पीड़िता के बालिग साबित होने पर याची के खिलाफ पॉक्सो एक्ट तहत मामला नहीं बनता है। ट्रायल कोर्ट यह मांग ठुकरा चुकी है ऐसे में याची को हाईकोर्ट की शरण लेनी पड़ी। हरियाणा सरकार ने याची का मांग का विरोध करते हुए कहा कि आधार कार्ड का उपयोग जन्म तिथि को सत्यापित करने के लिए नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह स्व-घोषित जानकारी पर आधारित है।

संसद सुरक्षा में चूक का मामला

कोर्ट ने खारिज की पुलिस हिरासत के खिलाफ आरोपी नीलम की याचिका

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 13 दिसंबर को संसद सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तार आरोपी नीलम आजाद की उस याचिका को बुधवार को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपनी पुलिस हिरासत को अवैध बताकर रिहाई का अनुरोध किया था। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। पीठ में न्यायमूर्ति मनोज जैन भी शामिल थे। पीठ ने कहा, "याचिकाकर्ता ने पहले ही निचली अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर कर दी है। वर्तमान याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और इसलिए इसे खारिज किया

जाता है।" आजाद के वकील ने दलील दी कि पुलिस हिरासत संविधान के प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि उन्हें निचली अदालत की कार्यवाही के दौरान अपने बचाव के लिए अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति नहीं दी गई। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का ऐसा कोई आधार नहीं बनता है। आजाद ने "उसे रिहा करने" का आदेश देने के साथ साथ उच्च न्यायालय के समक्ष पेशी के निर्देश संबंधी बंदी प्रत्यक्षीकरण की रिट याचिका का अनुरोध करते हुए अपनी अपील में कहा कि उसे अपनी पसंद के वकील से परामर्श करने की अनुमति नहीं देना संविधान के तहत मिले उसके मौलिक अधिकार का उल्लंघन है अतः उसकी हिरासत का आदेश गैरकानूनी है। निचली अदालत ने उसे पांच जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। निचली अदालत ने 21 दिसंबर को संसद सुरक्षा चूक मामले में गिरफ्तार आजाद समेत चार आरोपियों की पुलिस हिरासत पांच जनवरी तक बढ़ा दी थी। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन्हें साजिश में शामिल सभी लोगों का पता लगाने की जरूरत है। चारों आरोपियों को घटना के दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि दो अन्य को बाद में गिरफ्तार किया गया था। वर्ष 2001 में संसद पर आतंकवादी हमले की बरसी के दिन 13 दिसंबर, 2023 को एक बड़े सुरक्षा चूक के तहत सागर शर्मा और मनोरंजन डी नामक दो व्यक्ति शून्यकाल के दौरान दर्शक दीर्घा से लोकसभा कक्ष में कूद गए।

उन्होंने 'केन' से पीले रंग की गैस छोड़ी और नारे लगाए। बाद में उन्हें कुछ सांसदों ने काबू में कर लिया। लगभग उसी समय दो अन्य आरोपी अमोल शिंदे और आजाद ने भी संसद भवन परिसर के बाहर "तानाशाही नहीं चलेगी" के नारे लगाते हुए 'केन' से रंगीन गैस छोड़े। मामले में पुलिस ने चारों आरोपियों के अलावा ललित झा और महेश कुमावत को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस हिरासत में सभी से पूछताछ की जा रही है।

पुलिसकर्मी के घर एसआईए का छापा

हवाला और नारको आतंकवाद मामले में कार्रवाई

जम्मू, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने हवाला राशि और नारको आतंकवाद मामले में एक पुलिसकर्मी के घर छापेमारी की। यह कार्रवाई सीमा पार से आने वाली हेरोइन से जमा पैसा दुबई के जरिए वापस पाकिस्तान में जाने के मामले में की गई है। घ्र से कई इलेक्ट्रानिक उपकरण जब्त किए गए। पुलिसकर्मी के बैंक खातों को खंगाला गया और उसकी जानकारी जुटाई। जम्मू के निक्की तवी जावेद नगर का रहने वाला सलेक्शन ग्रेड कांस्टेबल सैफ दीन इस समय आर्म्ड पुलिस कश्मीर में तैनात है। जिस पर पंजाब के शाहपुर कंडी में भी नशा तस्करी का वर्ष 2019 में मामला दर्ज हुआ था। सूत्रों का कहना है कि सीमा पार से हेरोइन की एक खेप आई थी। इस खेप को पुलिसकर्मी सैफदीन ने बेचा और इससे जमा होने वाला पैसा किसी तीसरे शख्स को दिया। उक्त शख्स ने दुबई में बैठे एक अन्य व्यक्ति के पास पैसा भेजा। फिर दुबई में बैठे व्यक्ति ने इस पैसे को पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी संगठन के पास भेज दिया। बताया जा रहा है कि एसआईए के पास इस मामले में पहले से केस दर्ज है। जिसकी जांच में एसआईए ने कई लोगों के बैंक खातों को सीज किया। इस मामले की जांच जब आगे बढ़ी तो कांस्टेबल सैफ का नाम भी सामने आया। पता चला कि इसने सीमा पार से आई खेप को पंजाब में बेचा। यहां से मिलने वाला पैसा एक अन्य व्यक्ति को दिया। सूत्रों का यह भी कहना है कि कांस्टेबल सैफदीन इस तरह की गतिविधियों में पहले भी शामिल रहा है

मेरठ में दलित पार्षदों से मारपीट दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय, सख्त कार्रवाई हो : मायावती

मेरठ, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मेरठ नगर निगम बोर्ड की बैठक के दौरान विपक्षी पार्षदों के साथ मारपीट की घटना को लेकर अखिलेश यादव और जयंत चौधरी के बाद अब बसपा सुप्रीमो मायावती ने प्रतिक्रिया दी है। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और यूपी की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मेरठ नगर निगम बोर्ड की बैठक में विपक्षी दलों के पार्षदों की कथित पिटाई के मामले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा कि नगर निगम के दलित पार्षदों के साथ सरेआम मारपीट करना अति-दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण व निन्दनीय है। सरकार तुरंत इसका संज्ञान लेकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे। बसपा सुप्रीमो मायावती ने को सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में अभी हाल ही में भाजपा मंत्री व विधायक द्वारा सत्ता के अहंकार में अपनी दबंगई दिखाते हुए नगर निगम के दलित पार्षदों के साथ सरेआम मारपीट करना अति-दुखद, दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। मेरठ नगर निगम बोर्ड की 30 दिसंबर को हुई बैठक में कथित तौर पर भाजपा और विपक्षी पार्षदों के बीच हंगामे के बाद बसपा और सपा के पार्षदों की पिटाई का मामला सामने आया था। इस मामले को लेकर भाजपा और विपक्ष के नेताओं ने एक दूसरे पर आरोप लगाया है। आरोप है कि इस दौरान भाजपा के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) धर्मेंद्र भारद्वाज के साथ विपक्षी दलों के पार्षदों ने धक्का-मुक्की की और मारपीट की, जिसके बाद भाजपा के पार्षद भड़क गए और फिर उन्होंने वार्ड संख्या 36 से बसपा पार्षद आशीष चौधरी और वार्ड संख्या 31 से सपा पार्षद कुलदीप उर्फ कीर्ति घोपला की कथित पिटाई कर दी। इस घटना के बाद यूपी में राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया। समाजवादी पार्टी ने आरोप लगाया था कि दलित पार्षदों को भाजपा सदस्यों ने निशाना बनाया है। दूसरी तरफ नगर निगम की बैठक में हुए हंगामे को लेकर भाजपा के पदाधिकारियों ने स्पष्ट कहा है कि यह सुनियोजित षडयंत्र के तहत किया गया। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने भाजपा नेताओं के 'सत्ता के अहंकार' में डूबने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि भाजपाई सत्ता के अंहकार में डूबकर दलितों से जो अपमानजनक व्यवहार कर रहे हैं, उसका जवाब उन्हें आने वाले लोकसभा चुनाव में मिलने वाला है। भाजपा आगामी हार की हताशा में हिंसक हो गई है। वहीं रालोद के सुप्रीमो जयंत चौधरी ने मेरठ जाकर पीड़ित विपक्षी पार्षदों से मुलाकात की थी।

'तृणमूल कांग्रेस कैंसर के लास्ट स्टेज में है

अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी पर फिर साधा निशाना

कोलकाता, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने इंडिया के घटक दल तृणमूल कांग्रेस पर एक बार फिर निशाना साधा है। चौधरी ने दावा किया है कि तृणमूल कांग्रेस पिछले कुछ दिनों से भ्रष्टाचार और अंदरूनी कलह से घिरी हुई है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में पूरी तरह डूबी तृणमूल अब उन झटकों का सामना कर रही है जो पार्टी में गंभीर अंदरूनी कलह के कारण सामने आ रहे हैं। चौधरी ने तृणमूल पर जोरदार हमला करते हुए यहां तक कह दिया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी कैंसर के लास्ट स्टेज में पहुंच चुकी है।

सीपीएम नेता ने भी टीएमसी पर साधा था निशाना

चौधरी ने कहा, 'एक तरफ, लगभग सभी तृणमूल नेता भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। दूसरी ओर, पार्टी गंभीर अंदरूनी कलह से जूझ रही है। तृणमूल कैंसर के लास्ट स्टेज में है, जिससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं है।" चौधरी का बयान बहुत हद तक सीपीएम के राज्यसभा सदस्य और वरिष्ठ वकील विकास रंजन भट्टाचार्य के बयान से मेल खाता है, जो उन्होंने नए साल के पहले दिन तृणमूल नेताओं के साथ हुई जुबानी जंग के दौरान दिया था। भट्टाचार्य ने भी तृणमूल में अंदरूनी कलह की बात कहते हुए इशारा किया था कि जल्द ही उसके अंत की शुरुआत होगी।

टीएमसी ने अधीर रंजन पर किया पलटवार

भट्टाचार्य ने कहा था, 'ऐसा तब होता है जब कोई पार्टी बिना किसी बुनियादी नीति या विचारधारा के चलती है। यह अंदरूनी कलह आने वाले दिनों में और अधिक गंभीर रूप ले लेगी, जो तृणमूल के अंत की शुरुआत होगी।' चौधरी के बयानों पर पलटवार करते हुए तृणमूल प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि सच तो यह है कि बंगाल में कांग्रेस नेतृत्व के एक वर्ग ने खुद को बीजेपी के हाथों बेच दिया है। घोष ने कहा, 'इसलिए वे विपक्षी इंडिया गठबंधन को एकजुट करने के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के प्रयासों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। यहां तक कि राज्य कांग्रेस प्रमुख भी अब बीजेपी को ऑक्सीजन देने की कोशिश कर रहे हैं।'

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 4 जनवरी - 2024

भाजपा द्वारा नीतीश को घर में घेरने की तैयारी

अशोक भाटिया

लोकसभा चुनाव 2024 में अब कुछ ही समय बाकी रह गया है। ऐसे में सभी दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। सीटों के हिसाब से बिहार को चुनाव में अहम राज्य माना जाता रहा है। यहां लोकसभा की कुल 40 सीटें हैं जिनपर भाजपा, जदयू और राजद का दबदबा रहता है। उम्मीद की जा रही है कि जदयू और राजद इस बार इंडिया अलायंस के तहत साथ चुनाव लड़ेंगे। इस बीच भाजपा ने बिहार में लव-कुश रथ यात्रा की शुरुआत की है। आपको बता दें कि ओबीसी जातियां कुर्मी और कोइरी को बिहार में लव-कुश समाज कहा जाता है जो कि नीतीश कुमार के वफादार वोटर माने जाते हैं। ये यात्रा शुरू तो राम मंदिर के नाम पर हुई है लेकिन इसके राजनीतिक महत्व भी निकाले जा रहे हैं। जानकार लोगों का कहना है कि यह केवल यात्रा ही नहीं, नीतीश को उसी के घर में घेरने की तैयारी है ।

जैसा कि आपको पहले बताया, घेरने की तैयारी भाजपा ने बिहार में निकली जा रही लव-कुश रथ यात्रा से कर दी है । भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मंगलवार को लव-कुश रथ यात्रा को हरी झंडी दिखाई है। ये यात्रा अयोध्या पहुंचने से पहले बिहार के सभी 38 जिलों से होकर गुजरेगी। इस रथ यात्रा का पडाव माता सीता की जन्म स्थली सीतामढी के पुनौरा धाम और बक्सर में विश्वामित्र आश्रम जैसे रामायण से जुड़े स्थानों पर निर्धारित किया गया है।

भगवान राम और देवी सीता के पुत्रों के नाम पर निकाली गई लव-कुश रथ यात्रा को भाजपा द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के मूल आधार यानी लव-कुश समाज में सेंध लगाने के ही एक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। बिहार में ओबीसी जातियां कुर्मी और कोइरी को यहां की राजनीतिक शब्दावली में लव-कुश कहा जाता रहा है जो नीतीश कुमार के कोर वोटर माने जाते हैं।

गौरतलब है कि नीतीश कुमार का लवकुश वोट से सेंधमारी तो उसी दिन से शुरू हो गई थी जिस दिन नीतीश कुमार ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के साथ सरकार बनाई। एक हद तक इसका प्रभाव तो तीन विधान सभा के लिए हुए उपचुनाव में दिखा भी था। अब इस वोट को पूरी तरह कंट्रोल में लेने लिए भाजपा ने सम्राट चौधरी को प्रदेश अध्यक्ष बनाया और उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी को एनडीए का घटक दल बनाया। अब भाजपा इस रथ के सहारे सभी जिलों की यात्रा कर 40 लोकसभा सीटों पर अपनी मजबूत स्थिति दिखलाएगी। कहानी अभी बाकी है। यह लवकुश रथ राज्य के सभी जिलों से होते हुए अयोध्या पहुंचेगी।

भाजपा अयोध्या मंदिर के उद्घाटन के पहले बिहार को राममय करने की रणनीति के तहत लवकुश रथ के सहारे सबके सिया, सबके राम स्लोगन के साथ अपने वोट बैंक को आक्रामक बनाएगी। साथ ही साथ नए वोट बैंक भी तैयार करेगी। वैसे भाजपा का मूल निशाना नीतीश कुमार के वोट बैंक को साधना है।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के करीबी और प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष सरोज रंजन पटेल इस लवकुश रथ के मुख्य सारथी बनेंगे। पटेल एक खास रणनीति के तहत कहते भी हैं कि 500 साल के लंबे संघर्ष और कई लोगों के बलिदान के बाद भगवान राम भव्य मंदिर में पहुंच रहे हैं। आज लव-कुश समाज कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए इस रथ यात्रा का आयोजन कर रही है। दावा यह भी कि यह हमारे पूर्वज मर्यादा पुरूषोत्तम रामचन्द्रजी के प्रति समर्पण और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सम्मान को समर्पित है यह लवकुश रथ यात्रा।

मिली जानकारी के अनुसार इस रथ यात्रा में दो रथ होंगे। इनमें एक पर हवन कुंड भी होगा। जिले के जिस क्षेत्र से यह रथ गुजरेगा श्रद्धालु अपनी निष्ठा और समर्पण के साथ अक्षत, चंदन और फूल भी समर्पित करेंगे। साथ ही प्रसाद चढ़ाएंगे और अंत में हवन खंड में हवन भी करेंगे। भाजपा का अनुमान है अयोध्या पहुंचने वाली इस रथ के हवन कुंड में हवन कर अपनी श्रद्धा भी प्रकट करेंगे। भाजपा इस भावनात्मक उभार के सहारे अपनी बात भी जानता के बीच ले जाएगी।

इसके साथ ही केंद्र सरकार ने गंगा नदी पर 4.56 किलोमीटर लंबे पुल के निर्माण की मंजूरी देकर बिहार को पहले चुनावी तोहफा दिया है। इस परियोजना की कुल लागत 3,064.45 करोड़ रुपये है। इसमें 2,233. 81 करोड़ रुपये की निर्माण लागत शामिल है। गंगा पर सिक्स लेन पुल से उत्तर बिहार और दक्षिण बिहार के बीच यातायात और आसान हो जाएगा। इससे उत्तर बिहार के विकास को काफी गति मिलेगी।यह पुल बनेगा तो गंगा नदी पर दीघा से सोनपुर के बीच। मगर इस पुल से कई लोकसभा क्षेत्र पर प्रभाव पड़ने जा रहा है। कहा जा रहा है कि दीघा और सोनपुर के बीच नये पुल से बाधा दूर होगी। पुल बन जाने के बाद माल और वस्तुओं का परिवहन किया जा सकेगा। जिससे क्षेत्र की आर्थिक क्षमता सही तरीके से उपयोग हो सकेगा। गौर करें तो यह सिक्स लेन पुल बुद्ध सर्किट वाले तमाम क्षेत्र की आर्थिक समृद्धि के कारण बनने जा रहे हैं। यह पुल पटना से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 139 के माध्यम से औरंगाबाद और सोनपुर (राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-31), छपरा, मोतिहारी (पूर्व-पश्चिम गलियारा पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-27)न, बेतिया (राष्ट्रीय राजमार्ग-727) स्वर्णिम चतुर्भुज गलियारे तक सीधी संपर्क सुविधा प्रदान करेगा।

यह भाजपा की चुनावी रणनीति का हिस्सा यह भी है कि चुनावी जंग के बिगुल फूंके जाने के पहले योजनाओं का अंबार लगाकर बिहार की जनता को प्रभावित कर पाए। कहा जा रहा है सिक्स लेन तो इस नए साल के प्रारंभ का तोहफा है। अभी और भी प्लानिंग के स्तर पर कई योजनाएं कतार में हैं। एक एक कर भाजपा योजनाओं को सतह पर लाकर बिहार में मजबूत आधार तैयार करना अभी शेष है।

जैसा कि आपको बता चुके है 1जनवरी भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय से 'लव कुश रथ यात्रा' का शुभारंभ किया गया, जिसे प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया था । इस मौके पर पूर्व मंत्री प्रेम कुमार, पूर्व मंत्री नंदकिशोर यादव सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस दौरान सम्राट चौधरी ने कहा कि लव कुश समाज की ओर से यह लव कुश यात्रा निकाली गई है जो बिहार के सभी जिलों को होते हुए 22 जनवरी तक अयोध्या पहुंचेगी। इसमें सभी वर्ग भाग ले रहे है । अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए निमंत्रण के सवाल पर सम्राट चौधरी बताते है कि विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ। आरएन सिंह खुद सभी जगह निमंत्रण दे रहे हैं, हमारे पास भी कल आए थे। उन्होंने बताया कि वे महामहिम राज्यपाल तथा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी वह निमंत्रण देने गए हैं। इसके अलावा लालू प्रसाद यादव को भी निमंत्रण दिया गया है। उन्होंने कहा कि अब जाना और यह नहीं जाना तो यह वे लोग जानते हैं। उन्होंने कहा कि कौन क्या बोल रहा है। यह देखना उचित नहीं है। 1989 से हम लोग पूरा संघ परिवार लगा हुआ था। अब तो भगवान श्री राम स्थापित हो रहे हैं। वहां मस्जिद के अंसारी जी थे उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फूल माला से स्वागत किया। अब तो श्री राम प्रवेश करने वाले हैं। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने लालू प्रसाद यादव पर हमला करते बताते है कि जिस लालू के सहारे नीतीश उछल रहे है और लालू प्रसाद यादव भाजपा पर सवाल खड़ा करते हैं। उसका जवाब यह है कि लालू प्रसाद 1996 में जेल में गए थे। उस वक्त जनता दल की सरकार थी। उस सरकार में वह मौजूद थे तो जब उनकी सरकार ने उन्हें जेल भेजा तो यह तो क्लियर है कि वह भ्रष्टाचारी हैं। उन्होंने कहा कि मैं साफ तौर पर कहता हूं कि आतंक के प्रतीक लालू प्रसाद, भ्रष्टाचार के प्रतीक लालू प्रसाद, बालू माफियाओं के प्रतीक लालू प्रसाद तो इन पर कार्रवाई नहीं होगी तो किस पर कार्रवाई होगी? उन्होंने कहा कि लालू यादव और नीतीश कुमार 'इंडिया' गठबंधन में दोनों साथ मिलकर चुनाव लड़े मेरा दावा है उनका खाता भी नहीं खुलने दिया जाएगा।

गोल्डी बराड़ आतंकवादी घोषित

आतंकवादियों के खिलाफ जिस तरह से कडे कदम केंद्र सरकार उठा रही है उससे खालिस्तान समर्थकों के साथ ही उन्हें पनाह देने वाले भी दहशत में आ गए हैं। इसी दिशा में कठोर कदम उठाते हुए भारत सरकार ने गोल्डी बराड़ को कुख्यात अपराधी की जगह आतंकवादी घोषित कर दिया है। बता दें कि गोल्डी बराड़ कांग्रेस नेता एवं गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद चर्चा में आया था। गोल्डी इतना मनबढ़ हो गया था कि मूसेवाला की हत्या की जिम्मेदारी खुद ही ली थी। कुख्यात अपराधी लारेंस विश्नोई के गिरोह से भी गोल्डी का गहरा रिश्ता बताया जा रहा है। इसी आधार पर जब एनआईए ने जांच शुरू की तो परत दर परत उसके अपराधों की फेहरिस्त खुलती चली गई। गोल्डी पिछले करीब सात वर्षों से कनाडा में रह कर वहीं से भारत में अपनी आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। वह न केवल अनेक हत्याओं की साजिश रचने और पेशेवर हत्यारे तैयार करने का आरोपी है, बल्कि उसके तार पाकिस्तानी आतंकियों से भी जुडे बताए जा रहे हैं। उस पर ड्रोन के जरिए हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटकों की तस्करी करने का भी आरोप है। वह पंजाब में खालिस्तान समर्थकों को संगठित कर उनके द्वारा उपद्रव तक करवाता रहा है। इन्हीं तथ्यों के उजागह होने पर भारत सरकार ने उसे आतंकवादी घोषित कर दिया है। उसके खिलाफ 'रेड कार्नर नोटिस' पहले ही जारी किया जा चुका है। आतंकवादी घोषित होने के बाद जाहिर है उसकी मुश्किलें अब बढ़ जाएंगी। अभी तक गोल्डी बराड़ के खिलाफ पंजाब पुलिस एक सामान्य अपराधी की तरह कार्रवाई कर रही थी लेकिन अब आतंकवादी घोषित होने के बाद दुनिया के किसी भी देश की पुलिस उसे गिरफ्तार कर सकती है। गोल्डी पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक अधिनियम के तहत भारत विरोधी गतिविधियां संचालित करने का आरोप है। भारत सरकार के इस दांव से अब कनाडा सरकार के पास भी यह बहाना नहीं होगा कि वह गोल्डी को बचाने या पकड़ने के बाद भारत को सौंपने में आनाकानी कर सके। भारत सरकार के इस कदम से यह भी साबित होने लगा है कि कनाडा अपने यहां भारत के खिलाफ गतिविधियां चलाने वालों को पनाह दिए हुए है। भारत सरकार ने उससे कई बार अपील किया है कि ऐसे लोगों के प्रति किसी भी प्रकार की नरमी न बरते, लेकिन कनाडा से कोई अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा था। यह तो सभी जानते हैं कि पंजाब से कनाडा जाकर बसे अनेक खालिस्तान समर्थक संगठन भारत में अलगाववादी गतिविधियों को प्रश्रय देकर, उन्हें धन, हथियार वगैरह मुहैया कराते रहे हैं। उनमें से कई संगठनों के तार पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों से भी जुडे होने की खबर है। इसी श्रेणी में गोल्डी बराड़ को भी रखा गया है। पंजाब में बहुत पहले ही अलगाववाद व आतंकवाद की आग शांत हो गई थी, लेकिन पिछले कुछ साल से फिर कनाडा, ब्रिटेन आदि देशों में बसे उपद्रवी तत्त्वों ने इसे हवा देने की कोशिश शुरू कर दी है। उनके इस कृत्य से भारत सरकार का चिंतित होना स्वाभाविक है। पाकिस्तान का सीमावर्ती इलाका होने की वजह से पंजाब में पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों की घुसपैठ की आशंका हमेशा बनी रहती है। दूसरे कनाडा, ब्रिटेन, अमेरिका आदि में खालिस्तान समर्थकों के भारत विरोधी गतिविधियां चलाने से पूरी दुनिया में भारत की साख को बट्टा लगता रहा है। भारत सरकार ने हालात को देखते हुए लगातार इन देशों से सहयोग की अपील की, लेकिन कनाडा को अपील की भाषा शायद समझ में नहीं आई। उल्टा उसने तो निज्जर हत्या मामले में भारत सरकार पर ही आरोप लगा दिए। अब गोल्डी बराड़ के आतंकवादी घोषित किए जाने के बाद कनाडा के पास उसे बचाने का कोई तर्क नहीं बचा है। देखना है कि इस मामले में अब कनाडा उसके प्रति क्या रुख अपनाता है। जाहिर है यदि उसने सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो उसे इसका परिणाम भी भुगतना पड सकता है।

गंभीर चिंतनीय है कफ सिरप सैंपल्स की विफलता

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

देश की 54 दवा निर्माता कंपनियों के कफ सिरप के 128 सैंपल्स का गुणवत्ता में खरा नहीं उतरना वास्तव में चिंता का विषय होने के साथ ही किसी जघन्य अपराध से कम नहीं आका जाना चाहिए। मामला सीधे स्वास्थ्य से जुड़ा होने के साथ ही देश की अस्मिता को भी प्रभावित करने वाला है। दरअसल भारतीय दवा निर्माता कंपनियों द्वारा निर्यात किए जाने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर गाम्बिया में 70 बच्चों और उजबेकिस्तान के 18 बच्चों के कफ सिरप के कारण किडनी पर गंभीर असर होने से मौत होने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह मुद्दा गंभीरता से उठ गया और ऐसे हालात में विश्व स्वास्थ्य संगठन डब्लूएसओ ने गंभीर चिंता जताने में कोई देरी नहीं की। लाख सफाई देने के बावजूद इससे ना केवल देश की प्रतिष्ठा पर प्रभाव पड़ा है अपितु भारत के दवा उद्योग को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा होना पड़ा है। हांलाकि इस घटना के बाद भारत सरकार ने 1 जून, 2023 से ही देश से बाहर निर्यात होने वाले कफ सिरप की गुणवत्ता व मानकों पर खरा होने का सरकारी प्रयोगशाला से परीक्षण कराकर विश्लेषण प्रमाण पत्र प्राप्त करना जरुरी कर दिया है। दर असल अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय दवा उद्योग का दबदबा होने के साथ ही वैक्सीन निर्माण, गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर उपलब्ध होना बड़ी उपलब्धता रही है। हमारे देश में बनी जेनेरिक दवाओं की तो अमेरिका सहित दुनिया के देशों में जबरदस्त मांग है।

दरअसल देखा जाये तो भारतीय दवा उद्योग की विश्वव्यापी पहचान और धाक है। कोरोना का उदाहरण हमारे सामने हैं जब अमेरिका द्वारा मलेरिया की दवा प्राप्त करने के लिए भारत पर दबाव बनाया गया वहीं दुनिया के देशों को सर्वाधिक कोरोना वैक्सिन उपलब्ध कराने में भारत की भूमिका को समूचे विश्व द्वारा सराहा गया। ऐसे में कफ सिरप की गुणवत्ता को लेकर उठाया गया प्रश्न चिन्ह ना केवल चिंता का प्रष्न है अपितु विष्वसनीयता को भी प्रभावित करता है। दवाओं के निर्यात में भारत की भूमिका को इसी से देखा जा सकता है कि भारत द्वारा वित्तीय वर्ष 2022-23 में 17.6 बिलियन डालर के तो केवल कफ सिरप का निर्यात किया गया। दुनिया के देशों की टीकों की मांग की 50 प्रतिशत पूर्ति हमारे देश द्वारा की जा रही है। अमेरिका में जेनेरिक दवाओं की 50 प्रतिशत मांग को हमारे यहां से किया जा रहा है। इंग्लैण्ड में दवाओं की मांग की 25 प्रतिशत पूर्ति भारत द्वारा की जा रही है। समूचे विश्व में भारतीय दवाओं की मांग है। इसका एक कारण गुणवता है तो दूसरी और तुलनात्मक रुप से सस्ती होना भी है। ऐसे में कफ सिरप के कुछ सैंपलों का गुणवत्ता मानकों पर खरा नहीं उतरने की रिपोर्ट भारत सरकार गंभीर हो गई। पर सवाल यह उठता है कि ऐसे हालात ही क्यों आएं? आखिर निर्यात करने वाली दवा कंपनियों का भी दायित्व होता है। जब कोई वस्तु विशेष में निर्यात की जाती है तो गुणवत्ता मानकों पर खरी हो यह तो सुनिश्चित किया जाना जरुरी हो जाता है।

'23 की हिंसा '24 में कितना बड़ा रिकॉर्ड क़ायम करेगी ?

श्रवण गर्ग

बीते साल को किस एक ख़ास बात के लिए याद रखा जाना चाहिए ? राजनीतिक चेतना के प्रति जानबूझकर उदासीन होते जा रहे मीडिया ने एक ख़ास ख़बर के तौर पर सूचित किया है कि 2023 का साल बॉलीवुड के लिए ज़बरदस्त तरीक़े से भाग्यशाली साबित हुआ है ! एक के बाद एक फ़िल्म ने धुआँधार कमाई के रिकॉर्ड क़ायम किए हैं ! बॉक्स ऑफिस के इतिहास में पहली बार फ़िल्म उद्योग ने किसी एक साल में ग्याहार हज़ार करोड़ से ज़्यादा की कमाई की है। इसमें भी महत्वपूर्ण यह है कि हिंसा के दृश्यों से भरपूर फ़िल्मों को सबसे ज़्यादा पसंद किया गया है ! उपसंहार यह कि 2023 को देश में हिंसा के प्रति बढ़ती मोहब्बत के लिए याद किया जा सकता है। फ़िल्म उद्योग को इसके लिए असली 'आभार' किसका मानना चाहिए ? राज्यसभा में पिछले दिनों चर्चा के दौरान कांग्रेस की एक सदस्य रंजीत रंजन ने अत्यंत भावुक होते हुए कहा था :' आजकल कुछ अलग तरह की फ़िल्में आ रहीं हैं।'कबीर सिंह' हो या 'पुष्पा' हो ! एक 'एनिमल' पिक्चर चल रही है। मैं आपको बता नहीं सकती .....मेरी बेटी के साथ बहुत सारी बच्चियां थीं जो कॉलेज में पढ़ती हैं।.....आधी पिक्चर में उठाकर रोते हुए चली गईं। इतनी हिंसा है उसमें। महिलाओं के प्रति असम्मान को फ़िल्मों के ज़रिए सही ठहराया जा रहा है ।.....हिंसा के ज़रिए हीरो को ग़लत और नकारात्मक तरीक़े से पेश किया जा रहा है। 11वीं और 12वीं के बच्चे उन्हें अपना आदर्श मानने लगे हैं !'

महिला सांसद ने आगे जो बात कही या सवाल किया वह ज़्यादा महत्व का है। सांसद ने कहा : यही कारण है इस तरह की हिंसा आज समाज में देखने को मिलती है । उन्होंने सवाल यह किया कि :' सेंसर बोर्ड ऐसी फ़िल्मों को कैसे बढ़ावा दे सकता है ? किस तरह ऐसी फ़िल्में(सेंसर बोर्ड से)पास हो कर आ रही हैं जो समाज के लिए बीमारी हैं ?

सांसद द्वारा किए गए सवाल में ही जवाब भी तलाश किया जा सकता है कि जब सरकार को ही

फ़िल्मों में दिखाई जा रही हिंसा से कोई शिकायत नहीं है तो सेंसर बोर्ड को आपत्ति क्यों होना चाहिए ! इसे इस तरह भी पेश किया जा सकता है कि बॉक्स ऑफिस पर फ़िल्मों के लगातार फ्लॉप होने के संताप से जूझ रहे फ़िल्म उद्योग को सत्ता की राजनीति ने सफलता का गुर सिखा दिया है।

जो लोग हुकूमत में हैं वे समाज में बढ़ती हिंसा को लेकर किसी भी सांसद या उसकी बेटी की पीड़ा को सुनने-समझने की क्षमता और क़ाबिलियत खो चुके हैं। वैचारिक अथवा धार्मिक प्रतिबद्धताओं के आधार पर सेंसर बोर्ड में भर्ती होने वाली प्रतिभाओं से फ़िल्मों में हिंसा के इस्तेमाल के ख़िलाफ़ फ़ैसले लेकर ताकतवर फ़िल्म उद्योग को नाराज़ करने के साहस की उम्मीद नहीं की जा सकती।

सच्चाई यही है कि वीएफ़एक्स प्रभावों के ज़रिए बॉक्स ऑफिस पर सफलता के लिए प्रदर्शित की जाने वाली नक़ली हिंसा सत्ता की राजनीति में कामयाबी के लिए असली स्वरूप में इस्तेमाल के लिए ज़रूरी हथियार बन चुकी है। इसीलिए फ़िल्मों में प्रदर्शन अथवा राजनीतिक कार्रवाई के लिए इस्तेमाल की जाने वाली हिंसा का शासकों की ओर से आमतौर पर विरोध नहीं किया जाता ! विशेष परिस्थितियों में विरोध उस समय ज़रूर प्रकट होता है जब फ़िल्मी-प्रदर्शन वीइफ़एक्स वाला कृत्रिम नहीं बल्कि सत्य के क़रीब हो; फ़िल्मों में दिखाई जा रही हिंसा का ही मुद्दा उठाकर महिला सांसद शायद समस्या की असली जड़ पर प्रहार करने से चूक रही हैं ! फ़िल्मों में बढ़ती हिंसा और दर्शकों के बीच उसकी बढ़ती स्वीकार्यता को कथित 'धर्म संसदों' में एक क़ौम विशेष के ख़िलाफ़ शस्त्र उठाने के आह्वान, सुरक्षा के लिए तैनात किए गए जवान द्वारा चलती ट्रेन में एक वर्ग विशेष के यात्रियों की ढूँढ-ढूँढकर हत्या करने और सड़कों पर मॉब लिंचिंग की घटनाओं के साथ जोड़कर नहीं देखा जा रहा है। सवाल यह है कि इन तमाम असली घटनाओं के क़िस्से सुन-पढ़कर जब बच्चे-बच्चियाँ विचलित होते हैं कितने सांसद उसे मुद्दा बनाकर हुकूमत को कठघरे में खड़ा करते हैं ?

सत्ता के निहित स्वार्थों द्वारा जब नागरिकों को योजनाबद्ध तरीक़े से हिंसक बनाया जा रहा हो, हिंसा को महिमामंडित करने वाले फ़िल्म उद्योग को भी राजनीतिक दलों का ही एक आनुषंगिक संगठन मानकर चलना पड़ेगा। साल 1944 में रचित महान अंग्रेज उपन्यासकार जॉर्ज ओर्वेल की कालजयी कृति 'एनिमल फ़ार्म' का ब्रह्म-सारांश यही है कि 'सभी जानवर आपस में बराबर हैं पर कुछ जानवर दूसरों से ज़्यादा बराबर हैं !' वर्तमान की राजनीति शायद इसी मंत्र को संविधान की मूल आत्मा मानती है।

हिंसा के समर्थन से अगर सत्ता में बने रहने के प्रयोग को राजनीति के क्षेत्र में सफलतापूर्वक आज़माया जा सकता है तो उसके इस्तेमालसे बॉक्स ऑफिस पर कामयाब होने वाली फ़िल्मों की क़तारें भी खड़ी की जा सकतीं हैं ! हो सकता है हिंसा के प्रति बढ़ती मोहब्बत की दृष्टि से राजनीति और फ़िल्म दोनों उद्योगों के लिए 2024 का साल 'कामयाबी' के नए कीर्तिमान स्थापित करने वाला साबित हो !

http://shravangarg1717.blogspot.com

असंगठित , अनियोजित अमर्यादित : विपक्षी गठबंधन

अजय कुमार झा

अब जबकि अगले लोकसभा चुनाव बिलकुल सामने है तो एक बार फिर से पूरा विपक्ष अपने तमाम दलों के साथ उठते बैठते हुए भी पूरी तरह से असंगठित , अनियोजित और सबसे अधिक अब तो अमर्यादित भी दिख रहा है। हर बार की तरह इस बार भी जब विपक्ष की सारी राजनैतिक पार्टियां एकत्र होती हैं अंततः आपसी कलह , मतान्तर , अनर्गल बयानबाजी से वे भानुमति के कुनबे सरीखे लगने लगे हैं। अभी हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों में आम जान से जिस तरह से फिर एक बार अपना विशवास सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी की ओर दिखाया है उससे पहले से ही असंगठित और सशंकित विपक्ष , निजी महत्वाकाँक्षा में घिर कर फिर आपस में ही लड़ने भिड़ने पर आमादा है। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि एक दशक तक विपक्ष में रहने के बावजूद और एक के बाद दूसरा चुनाव हारते जाने के बावजूद भी और विपक्षी दलों में तमाम तजुर्बेकार कदावर राजनेताओं के होने के बावजूद न तो आज तक पूरा विपक्ष एक समवेत साझा रणनीति , एजेंडा बना सका है और न ही आज तक कोई नेतृत्व या मार्गदर्शक मंडल , संयोजक समूह , कभी कोई साझा आंदोलन , मुहिम भी नहीं. और तो और, चुनाव में अपने प्रतिनिधियों की जनता के सामने भेजने का वक्त आ गया है किन्तु विपक्षी गठबंधन कई दौर की बैठकों और पिछले दस सालों में सिर्फ एक बात पर चुनाव लड़ने को तैयार है - मोदी को हराना है और भाजपा को सत्ता से हटाना है।

प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी को भारतीय जनता पार्टी को हराना है , हटाना है और बस चले तो मिटा ही देना है एकदम - बस एकमात्र यही एजेंडा भी है और यही मुद्दा भी और यही एक इकलौता मंसूबा है जो पूरा विपक्ष पाले बैठा है जबकि विपक्ष इस प्रधानमन्त्री , सरकार , शासन के बदले खुद के बेहतर विकल्प बनने की हिम्मत तो दूर, कायदे से आपस में चुन कर कोई एक नेतृत्व कोई एक नाम चुन कर कह बता सकें कि विकल्प के रूप में ये होंगे जो मोदी के विरुद्ध चुनाव में प्रधानमन्त्री का चुनाव लड़ कर जीत कर पद संभाल सकते हैं।

वहीँ पिछले चुनावों में सत्तारूढ़ सरकार और भाजपा की जीत के बढ़ते हुए प्रतिशत को देखकर तो विपक्ष को समझना चाहिए कि देश की जनता किनके हाथ में देश की बागडोर थामना चाहती है। इधर सबके सब दिग्गज ऐसे कि देश तो दूर, एक दुसरे पर बिश्वास भी दूर, हाल ये है कि कई पार्टियों में तो अपना अंदरूनी कलह ही इतना बढ़ गया है कि वे अपने पार्टी के भीतर ही अपना पद बचाने में व्यस्त हैं। विपक्षी गठबंधन में शामिल घटक दलों की महत्वाकांक्षा और प्रधानमन्त्री की गद्दी पाने की चाहत भी गठबंधन में सबको एक साथ होकर भी एक होने नहीं दे रही है। नीतीश कुमार , ममता बर्नजी , राहुल गांधी , शरद पवार और लालू यादव के साथ अरविन्द केजरीवाल जैसे तमाम क्षत्रप कहीं न कहीं खुद को प्रधानमंत्री पद के सबसे उपयुक्त उम्मीदवार मान कर चलते हैं। और ये सभी निज स्वार्थ में इतने वशीभूत हैं की अपने अलावा किसी दूसरे साथी का नाम चेहरा भी सहन नहीं कर पाते हैं इसकी बानगी पिछले ही दिनों देखने को मिली जब अचानक शायद बिना कसी पूर्व साझी सहमति चर्चा विमर्श के ही तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को इण्डिया गठबंधन की तरह से प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में नाम लेकर प्रस्ताव किया तो जदयू के नीतीश कुमार नाराज होकर बिना कुछ कहे सुने बैठक से बाहर निकल गए।

वहीँ पंजाब में कांग्रेस और आप के बीच , उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा के बीच और महाराष्ट्र में कांग्रेस तथा शिव सेना (उद्धव गट) के बीच तो अभी से ही लोकसभा चुनावों में अपने उम्मीदवारों के लिए सीटों के बंटवारे की बात पर ही आपसी मनमुटाव बयानबाजी चरम पर है।

प्रधानमन्त्री नरेंद्र मोदी के प्रति पूर्वाग्रह से ग्रस्त विपक्ष मोदी विरोध से पहले भाजपा विरोधी फिर सेना , राष्ट्र विरोधी होते होते अब तो समूचा विपक्ष ही भारत के चिर प्राचीन और भारतीय अस्मिता संस्कृति सभ्यता की पहचान सनातन के ही विरूद्ध खड़ा दिखाई दे रहा है।

भाजपा पर हिन्दू हित की राजनीति करने का आरोप लगाता विपक्ष इसके लिए फिर हिन्दू मान्यताओं , और देवी देवताओं तक के विरूद्ध अनर्गल बोलने कहने लगता है। पिछले दिनों तो हताशा में अमर्यादित व्यवहार और अशुचिता के लिए कई विपक्षी माननीयों ने अनुशासनात्मक और दंडात्मक कार्रवाई का भी सामना किया है। विपक्ष के सबसे बड़े रुतबे वाले दल कांग्रेस का तो हाल इसी से समझा जा सकता है कि अभी हाला ही में संपन्न उसके राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रमुख वक्ता थे कन्हैया कुमार। एक तरह 138 रूपए का चंदा मांग रही पार्टी का नेता करोड़ों रूपए के साथ पकड़ा जाता है , विश्वसनीयता बचे भी तो कैसे। अभी चुनावों में जितना समय है उसमे तो विपक्षी दलों के लिए आपसी मनमुटाव को बढ़ने न देना ही सबसे बड़ी चुनौती लग रही है।

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

यह क्या हो गया

पहले दांपत्य संसार अंधेरे में और जीवन उजाले में होता था। अब दांपत्य उजाले में और जीवन अंधेरे में है। जिसे ढकना चाहिए उसे खुला और जिसे खुला रखना चाहिए उसे ढका जा रहा है। पहले मांसाहार से अधिक लोग दूर रहते थे, अब कुछ लोग ही उसकी माया से बच पा रहे हैं। पहले परिवार में कोई समस्या आती तो घर के बड़े-बुजुर्ग उसे दूर कर देते, अब पारिवारिक कलहों की समस्या बड़े-बुजुर्ग खुद बनते जा रहे हैं। पहले खाने के लिए कमाया जाता था, अब कंप्यूटर के आगे गद्दीदार कुर्सी पर बैठे कमाई हुई मोटी रकम से बढ़ती चर्बी को घटाने के लिए वाकिंग करना पड़ रहा है।

पहले लोग फल-फूल, दूध खा-पीकर बलवान रहा करते थे। संतानहीनता की कोई समस्या नहीं हुआ करती थी। किंतु अब दाम्पत्य जीवन चलाने के लिए दवाइयाँ खानी पड़ रही हैं। संतान के लिए फर्टिलिटी सेंटर के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। पहले सभी शरीर से हार्डवेयर और दिल से सॉफ्टवेयर इंजीनियर हुआ करते थे। किंतु अब सभी शरीर से सॉफ्टवेयर और दिल से हार्डवेयर इंजीनियर हो गए हैं। पहले वैद्य घर-घर घूमकर इलाज करता था। सरदर्द के लिए झंडूबाम काफी था। अब सरदर्द का इलाज करने के लिए घर बार बेचना पड़ रहा है। पहले चोर घर में घूसकर चोरी करते थे। अब वे घर बैठे ही मोबाइल से चोरी कर रहे हैं। पहले अनपढ़-अशिक्षित चोर उचक्के बना करते थे। अब पढ़े-लिखे चोरी करने के लिए नए-नए साइबर कोर्स कर रहे है। पहले उधारी करना सिर झुकाने वाला काम था। मन दुखी हो उठता था। अब उधारी करना स्टेटस की निशानी है। विश्वास न हो तो क्रेडिट कार्ड ही ले लें। आज क्रेडिट कार्ड रखने वाला अमीर और डेबिट कार्ड रखने वाला गरीब कहलाता है। पहले चीन से एक-दो वस्तुएँ ही आती थीं, अब तो लगता है कि हम चीन में ही रह रहे हैं।

पेद्दम्मा गुड़ी मंदिर हैदराबाद

हैदराबाद के सभी महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में से एक दिलचस्प इतिहास वाला एक स्थान है- पेद्दम्मा गुड़ी। कहानी की असामान्य बात यह है कि ऐसा माना जाता है कि यह 150 वर्षों से अस्तित्व में है। वर्ष 1993 में, मंदिर को वास्तव में बड़े पैमाने पर नोटिस किया गया और राजगोपुरम का निर्माण पूरा हुआ और फिर यह हैदराबाद के पर्यटन स्थलों में से एक बन गया। पेद्दम्मा मंदिर का विकास पी.जनार्दन रेड्डी (जिन्हें पीजेआर के नाम से जाना जाता है और खैरताबाद के पूर्व विधायक) ने विशेष व्यक्तिगत देखभाल के साथ किया है। हैदराबाद के मध्य, जुबली पहाड़ियों में स्थित, यह मंदिर देवी दुर्गा को समर्पित है जो शक्ति और वीरता का प्रतीक हैं। पेद्दम्मा का शाब्दिक अर्थ है माँ की माँ या ब्रह्मांड की माँ। तेलंगाना में पेद्दम्मा तल्ली को गौरम्मा और अम्मावरु के नाम से भी जाना जाता है। पेद्दम्मा तल्ली भी देवी महानकाली के 11 रूपों में से एक है।

भक्त बहुत भक्तिभाव से उनकी प्रार्थना करते हैं और माना जाता है कि वह ब्रह्मांड की रक्षक हैं। देवी दुर्गा की उत्पत्ति की एक दिलचस्प कहानी है। ऐसा कहा जाता है कि जब भगवान शिव ने अपनी तीसरी आंख खोली, जो तीनों लोकों को नष्ट करने में सक्षम है, तो वे राक्षस महिषासुर को नष्ट नहीं कर सके। इस समय विश्व भर से शक्तियाँ उभरने लगीं। ब्राह्मी से ब्रह्मा, कौमारी से कुमार, वैष्णवी से भगवान विष्णु, वाराही से वराह और शैवानी से शिव का उद्भव हुआ। ये सभी महिला शक्तियाँ एक तेज चकाचौंध रोशनी में एक साथ विलीन हो गईं। इस प्रकाश ने सुंदर दुर्गा का रूप ले लिया, जिसका शाब्दिक अर्थ है - दुर्गम। वह सभी देवताओं के हथियारों से संपन्न थी; ब्रह्मा ने उन्हें अपना धनुष दिया, शिव ने उन्हें अपना त्रिशूल दिया, विष्णु ने उन्हें आशीर्वाद दिया; उनके पूजनीय चक्र और गदा और कुमार ने उन्हें अपना भाला दिया। तब शक्ति युद्ध के लिए तैयार होने के लिए सिंह पर सवार हो गई। इसके बाद एक पौराणिक युद्ध हुआ। भैंसा राक्षस महेशासुर ने दुर्गा पर हमला करने के लिए विभिन्न रूप धारण किए। दुर्गा को एहसास हुआ कि उनका कोई भी हथियार महेशासुर पर काम नहीं कर रहा था, इसलिए बहादुर देवी अपने नंगे हाथों से महेशासुर पर झपटी और भैंसा राक्षस उनके पैरों पर गिर गया। और इस प्रकार, अजेय घोषित किए गए महेशासुर को शक्ति द्वारा नष्ट कर दिया गया। देवी दुर्गा द्वारा.

पेद्दम्मा गुड़ी में, तेलंगाना हिंदू कैलेंडर के आषाढ़ महीने में बोनालु त्योहार मनाया जाता है, जिसमें शहर भर की महिलाएं चावल, गुड़, दूध और दही के साथ एक मिट्टी का बर्तन ले जाती हैं, जिसे नीम के पत्तों से ढक दिया जाता है और शीर्ष पर हल्दी, कुमकुम और एक दीया से सजाया जाता है। और इसका प्रसाद देवी को अर्पित करें। पेद्दम्मा गुड़ी मंदिर में मनाया जाने वाला एक अन्य प्रमुख त्योहार रथ सप्तमी के शुभ अवसर पर रथोत्सवम है। रथ का शाब्दिक अर्थ रथ है और इस प्रकार इस 3 दिवसीय वार्षिक उत्सव में, देवता को सुंदर फूलों और आभूषणों से सजाया जाता है और भक्तों के दर्शन के लिए अच्छी रोशनी वाले, सुंदर रथ को मंदिर परिसर के चारों ओर ले जाया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि जो भक्त देवी पेद्दम्मा की पूजा करते हैं उनकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं, और इसलिए हर साल दुनिया भर से भक्त झुंड में आते हैं।

प्रत्येक गुरुवार को विशेष प्रार्थनाएँ होती हैं जो सुबह 3:00 बजे ₹अभिषेकम₹ से शुरू होती हैं और उसके बाद अन्य प्रार्थनाओं की एक श्रृंखला होती है। नवग्रह होमम,' 'रुद्र,' 'चंडी होमम,' 'दिक्पाल भैरव बलिहरणम,' 'पूर्णाहुति' और 'अन्नदानम'।

रथोत्सवम चार दिवसीय उत्सव का हिस्सा है - पेद्दम्मा ब्रह्मोत्सवम मंदिर का वार्षिक उत्सव है। विशेष रूप से इन 4 दिनों के दौरान, मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ती है और बहुत उत्साह के साथ भव्य रूप से सजाया जाता है। फूलों की सजावट की गई है, मंदिर के हर हिस्से में असंख्य दीपक जल रहे हैं और पेद्दम्मा गुड़ी देखने में एक सुंदर दृश्य बन जाता है।

5 वर्षों से यह मंदिर हैदराबाद और तेलंगाना के मंदिरों में से एक के रूप में और भी प्रसिद्ध हो गया है। हैदराबाद के इस प्रसिद्ध मंदिर में आने वाले भक्तों की संख्या के कारण हर दिन पेद्दम्मा गुड़ी में एक उत्सव जैसा होता है।

पेद्दम्मा तल्ली हैदराबाद
पेद्दम्मा तल्ली अम्मावरु
दूरी:- सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से 12.5 किलोमीटर (30-35 मिनट की ड्राइव)
- एमजीबीएस बस स्टॉप, हैदराबाद से 14 किलोमीटर (50-60 मिनट की ड्राइव)
सार्वजनिक परिवहन:
- सिकंदराबाद से बसें - 10एच (सीधी बस), 5के-127 पी, 5टी-127के
- एमजीबीएस (MGBS) बस स्टॉप, हैदराबाद से बसें - 127के (सीधी बस)
पेद्दम्मा गुड़ी का स्थान: रोड नंबर 55, जुबली हिल्स, हैदराबाद में स्थित है
पेद्दम्मा गुड़ी मंदिर का समय:
- सप्ताह के दिनों में - सुबह 6.00 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक और दोपहर 3:00 बजे से रात 8:00 बजे तक
- रविवार - सुबह 6:00 बजे से रात 8:30 बजे तक
पता: पेद्दम्मा गुड़ी, रोड नंबर 55, जुबली हिल्स, हैदराबाद-500033

नए साल में ये 5 उपाय आएंगे काम पाप ग्रह राहु नहीं करेगा परेशान

ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना गया है। राहु ने रेवती नक्षत्र के तीसरे चरण और केतु ने चित्रा के पहले चरण में 1 जनवरी 2024 को प्रवेश किया है।

राहु और केतु का निर्माण एक असुर के सिर और धड़ से हुआ है। इसकी कथा समुद्र मंथन के समय निकले अमृत पान से जुड़ी है। जिन लोगों की कुंडली में राहु दोष होता है या फिर राहु की स्थिति के कारण कष्ट होता है तो उनको ज्योतिष शास्त्र के कुछ आसान उपायों को अपनाना चाहिए। इससे राहु के अशुभ प्रभाव धीरे-धीरे कम होने लगते हैं और जीवन में सुख-शांति आती है।

खराब राहु के संकेत

राहु के दुष्प्रभाव के कारण व्यक्ति के शरीर में कई प्रकार के रोग होने का डर रहता है, जिसमें पेट और हृदय से संबंधित समस्याएं प्रमुख होती हैं। नीच राहु के कारण व्यक्ति के अंदर आत्महत्या के भी विचार आ सकते हैं। राहु जब खराब होता है तो वह कुछ संकेत देता है। व्यक्ति बात-बात पर शंका करने लगता

है। निर्णय क्षमता प्रभावित होती है, लोगों पर विश्वास नहीं होता, भयवाले स्वप्न आते हैं, दूसरों को धोखा देते हैं, शत्रु बढ़ते हैं, बुरी संगत में पड़ जाते हैं। आइए जानते हैं राहु शांति के 5 आसान उपायों के बारे में।

राहु शांति के 5 आसान उपाय

1. यदि आपके जीवन में राहु का अशुभ प्रभाव है तो उससे बचने के लिए आप शनिवार का व्रत रखें और पूजा में नीले पुष्प का उपयोग करें। भगवान शिव की नियमित पूजा करें। यदि राहु से ज्यादा पीड़ित हैं तो शिव जी का रुद्राभिषेक कराएं, उससे लाभ होगा।
2. राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करने के लिए उसका शुभ रत्न गोमेद 6 से 7 रत्ती का धारण करें। इसे शनिवार के दिन मध्यमा अंगुली में पहनें। आप चाहें तो राहु का उपरत्न तुरसावा, राहु यंत्र या सफेद चंदन की जड़ काले कपड़े में बांधकर धारण करें।
3. राहु की शांति के लिए आप उसके बीज मंत्र या वैदिक मंत्र का जाप करें। कलयुग में राहु मंत्र का जाप 72 हजार बार करना चाहिए।

राहु बीज मंत्र: ॐ रां राहवे नमः
राहु तांत्रिक मंत्र: ॐ ह्रीं राहवे नमः
राहु वैदिक मंत्र: ओम कयानश्चित्र आभुवदूती सदावृधः सखा। कयाशचिष्ठयावृता।।

तिजोरी में नहीं ठहरता है धन तो...

लाल कपड़े में बांधकर रख दें ये सामग्री, मां लक्ष्मी होगी प्रसन्न

अगर आप मेहनत करते हैं और दिनभर इस प्रयास में रहते हैं कि किसी तरह आपकी कमाई अच्छी हो जाए। लेकिन, इसके बावजूद आपके घर में धन नहीं ठहरता तो एक छोटे से उपाय से आप इसे ठीक कर सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि लोग बहुत मेहनत करते हैं पर उनके घर में पैसा नहीं टिकता है। लोग अच्छा खासा पैसा कमा लेते हैं, इसके बाद भी महीने के आखिर में उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

लेकिन, इसे एक छोटे से उपाय से आप इस परेशानी को दूर कर सकते हैं और माता लक्ष्मी को प्रसन्न कर सकते हैं। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी की कृपा आप पर बरस सकती है और आप के धन आगमन के कई स्रोत खुल सकते हैं।

काफी काम का होता है यह पौधा, जानें उपाय

ज्योतिषाचार्य पंडित बताते हैं कि हिंदू धर्म में तुलसी के पौधे का काफी महत्व होता है। कहा जाता है कि जिस घर में तुलसी का पौधा लगाया जाता है, वह घर काफी पवित्र हो जाता है। ऐसे में लोग हर रोज अपने घर में तुलसी के पौधे की पूजा करते हैं। तुलसी का पौधा हीं नहीं बल्कि इसका जड़ भी काफी चमत्कारी होता है और इसके कई सारे उपाय होते हैं।

उन्होंने बताया कि अगर एक छोटा सा उपाय कर दिया जाए तो तुलसी के जड़ से लोग अपने आय के स्रोत को बेहतर बना सकते हैं और ऐसा करने से उनकी तिजोरी में रखा धन सुरक्षित हो जाता है और आय के नए स्रोत उत्पन्न हो जाते हैं।

घर की तिजोरी में रखें यह सामान

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि जिस भी व्यक्ति के घर में तिजोरी में रखा धन नहीं ठहरता है और व्यर्थ का खर्च हो जाता है। तो उसके लिए तुलसी के जड़ से उपाय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि तुलसी के जड़ को लाल कपड़े में बांधकर अगर घर की तिजोरी में रखा जाए तो ऐसा करने से घर की तिजोरी में रखा धन व्यर्थ में खर्च नहीं होता है। उन्होंने बताया कि स्नान-ध्यान कर तुलसी के जड़ को गंगाजल से धो लें फिर साफ लाल कपड़े में बांध दें।

इसकी विधिवत पूजा-अर्चना कर उसे घर की तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से माता लक्ष्मी की कृपा उन पर बरसने लगती है। इसके अलावा तुलसी के जड़ को अगर पीले कपड़े में बांध कर रखा जाए तो यह घर के नकारात्मक शक्तियों को नाश कर देता है। इसके लिए केवल पीले कपड़े में तुलसी की जड़ को घर के दरवाजे पर बांध दें।

मकान जितने बड़े होते जाते हैं आदमी उतना छोटा होता चला जाता है

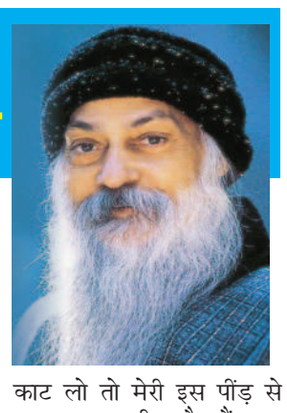

दुनिया में और कोई मकान में नहीं रहता, सिर्फ आदमी रहता है। सो देखते हो आदमी की हालत। मकान में रहने वाले आदमी की हालत? उसके मकान जितने बड़े होते जाते हैं, आदमी उतना छोटा होता चला जाता है। हम तो बिना मकान के रहते हैं। लेकिन एक बात हो सकती है कि तुम मेरी शाखाओं को काट कर ले जाओ तो शायद तुम मकान बना लो। और वह प्रौढ़ कुल्हाड़ी लेकर आ गया और उसने उस वृक्ष की शाखाएं काट डालीं! वृक्ष एक ठूंठ रह गया, नंगा। लेकिन वृक्ष बहुत आनंदित था।

प्रेम सदा आनंदित है, चाहे उसके अंग भी कट जाएं। लेकिन कोई ले जाए, कोई ले जाए, कोई बांट ले, कोई सम्मिलित हो जाए, साझीदार हो जाए। और उस लड़के ने तो पीछे लौट कर भी नहीं देखा! उसने मकान बना लिया। और वक्त गुजरता गया। वह ठूंठ राह देखता, वह चिल्लाना चाहता, लेकिन अब उसके पास पत्ते भी नहीं थे, शाखाएं भी नहीं थीं। हवाएं आतीं और वह बोल भी न पाता, बुला भी न पाता। लेकिन उसके प्राणों में तो एक ही गूंज थी।।कि आओ! आओ! और बहुत दिन बीत गए। तब वह बूढ़ा आदमी हो गया था वह बच्चा। वह निकल रहा था पास से। वृक्ष के पास आकर खड़ा हो गया। तो वृक्ष ने पूछा। क्या कर सकता हूं और मैं तुम्हारे लिए? तुम बहुत दिनों बाद आए! उसने कहा, तुम क्या कर सकोगे? मुझे दूर देश जाना है धन कमाने के लिए। मुझे एक नाव की जरूरत है!

तो उसने कहा, तुम मुझे और काट लो तो मेरी इस पींड़ से नाव बन जाएगी। और मैं बहुत धन्य होऊंगा कि मैं तुम्हारी नाव बन सकूं और तुम्हें दूर देश ले जा सकूं। लेकिन तुम जल्दी लौट आना और सकुशल लौट आना। मैं तुम्हारी प्रतीक्षा करूंगा। और उसने आरे से उस वृक्ष को काट डाला। **(क्रमशः)**

'बहनों' ने कभी मदद नहीं की : मीरा चोपड़ा

मीरा चोपड़ा ने फिल्म' 1920 लंदन' से अपना बॉलीवुड डेब्यू किया था। इन दिनों वह अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'सफेद' को लेकर चर्चा में है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उसने अपना दर्द बयां किया और बताया कि जब वह मनोरंजन जगत में आई तो उसे अपनी बहनों से कोई सपोर्ट नहीं मिला।

उसकी चचेरी बहनों में से एक ग्लोबल स्टार बन चुकी बड़ी दीदी प्रियंका चोपड़ा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं है जिसने बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड में सबको प्रभावित किया है।वहीं उसकी छोटी बहन परिणीति चोपड़ा भी बॉलीवुड का एक जाना-पहचाना नाम है। इसके अलावा बहन मन्नारा चोपड़ा भी इन दिनों 'बिग बॉस 17' में नजर आ रही है और जमकर सुर्खियां बटोर रही है लेकिन मीरा का करियर अभी मुकाम तक नहीं पहुंच पाया है। मीरा ने कहा कि शुरुआत से ही दोनों बहनों के साथ उसका करीबी रिश्ता नहीं था।

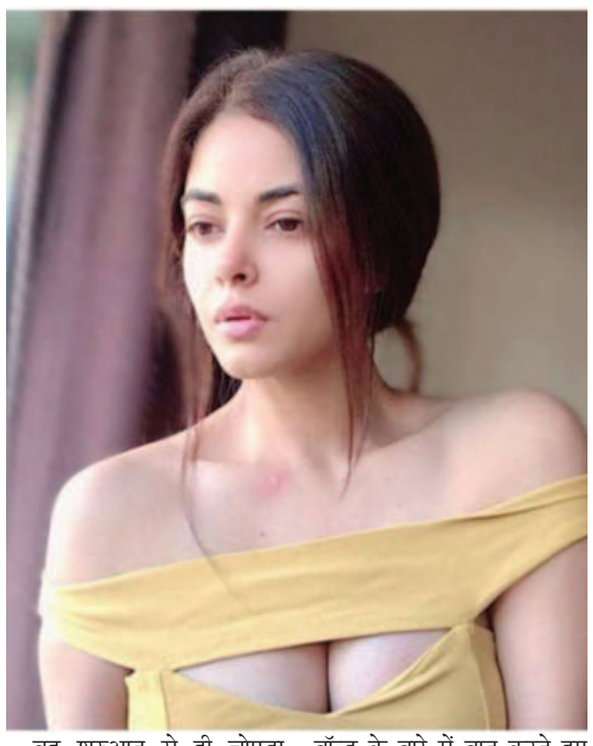

वह शुरुआत से ही चोपड़ा सिस्टर्स के साथ अपना बॉन्ड बहुत मिस करती थी।

उसने इंडस्ट्री में कोई सपोर्ट न मिलने वाली बात को उठाते हुए कहा, जब इंडस्ट्री में तीन-चार बहनें होती हैं तब आपको उनका सपोर्ट मिलता है, लेकिन मेरे साथ ऐसा नहीं हुआ। मैंने कभी मदद नहीं मांगी, और उनसे कभी मदद नहीं मिली।

मीरा ने प्रियंका के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात करते हुए कहा, प्रियंका की फैमिली से मैं आज भी बहुत करीब हूं, लेकिन उनके साथ कभी सिस्टरहुड वाली फीलिंग नहीं आई। वहीं मीरा ने परिणीति के साथ भी अपने बॉन्ड को साझा किया और कहा कि परिणीति और उनकी फैमिली में सालों से बातचीत बंद है तो ऐसे में मीरा अपनी फैमिली के खिलाफ जाकर इस लाइन को तोड़ना नहीं चाहती थी।

शाहरुख से नफरत करते थे गौरी खान के भाई विक्रांत! अभिनेता को देख हो जाते थे गुस्से से लाल

अलग-अलग धर्मों से होने के कारण शादी के बंधन में बंधने से पहले शाहरुख खान और गौरी खान को अपने परिवार के विरोध का सामना करना पड़ा। गौरी के परिवार के सदस्य, 'रूढ़िवादी हिंदू' होने के कारण नहीं चाहते थे कि वे एक मुस्लिम से शादी करें। दरअसल, उन्हें लगा कि शाहरुख उनकी बेटी को केवल घुमाने ले जा रहे हैं और उनके रिश्ते को लेकर गंभीर नहीं हैं। उनके भाई विक्रांत छिब्बर जब भी अभिनेता को देखते थे तो उनकी हत्या करने का मन होता था।

एक साक्षात्कार में, गौरी ने खुलासा किया कि विक्रांत शाहरुख से नफरत करते थे और जब भी शाहरुख अपनी गर्लफ्रेंड गौरी को देखते थे, उन्हें वे पसंद नहीं आते थे। गौरी ने कहा, 'विक्रांत बहुत ही शांत स्वभाव के लड़के हैं, लेकिन जब भी वे शाहरुख को देखते तो उनका चेहरा लाल हो जाता था। वे मुझे लेकर बहुत पजेसिव थे और जब भी वे शाहरुख को मेरी ओर देखते हुए पाते थे तो उनके मन में हत्या की भावना आ जाती थी।'

गौरी ने खुलासा कि केवल डेढ़ साल बड़े होने के बावजूद भी विक्रांत ने शाहरुख को धमकी दी थी कि अगर वे उनकी बहन के आसपास दिखे तो वह उन्हें पीट देंगे, लेकिन शाहरुख ने कभी भी धमकियों पर प्रतिक्रिया नहीं दी क्योंकि वे गौरी के भाई थे। गौरी ने कहा, ₹वे चिल्लाते थे कि मैं तुम्हें पीट दूंगा। इन धमकियों ने शाहरुख को बहुत परेशान किया होगा, लेकिन चूंकि विक्रांत मेरे भाई थे इसलिए शाहरुख सिर्फ सिर हिलाकर कहते थे, 'हां, हां जो भी आप कहें।"

गौरी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि उनके भाई के लिए 12वीं कक्षा की लड़की को डेट करना ठीक था, लेकिन जब वे 9वीं कक्षा में थीं तो उन्हें किसी लड़के को पसंद करने से रोक दिया गया था। उन्होंने कहा, "मैं शाहरुख से तब मिली थी जब मैं नौवीं कक्षा में थी और वे बारहवीं में थे। उसी साल, उसी महीने विक्रांत की मुलाकात अपनी गर्लफ्रेंड से हुई, उनके लिए किसी लड़की को डेट करना ठीक था, लेकिन मैं शाहरुख को पसंद करने की हिम्मत भी नहीं कर सकी। विक्रांत को शाहरुख को स्वीकार करने में चार साल लग गए थे।" शाहरुख खान और गौरी खान ने अंतर-धार्मिक विवाह किया था। उन्होंने दोनों धर्मों के रीति-रिवाजों को पालन कर शादी की थी और अक्सर अपने बच्चों को धर्मनिरपेक्ष तरीके से पालने की बात की है। कपल के तीन बच्चे आर्यन, सुहाना और अबराम हैं।

वायरल व्हाट्सएप चैट पर ओरी ने तोड़ी चुप्पी, बताया पलक तिवारी से किस बात को लेकर हुई उनकी लड़ाई

बी-टाउन सेलेब्स के साथ अक्सर नजर आने वाले ओरी उर्फ ओरहान अवात्रामणि किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बने रहते हैं, लेकिन इस बार ओरी के चर्चा में रहने की वजह कुछ और है। कहा जा रहा है कि नए साल की पूर्व संध्या पर ओरी और अभिनेत्री पलक तिवारी के बीच झगड़ा हो गया, जिसके बाद से दोनों की दोस्ती में दरार पड़ गई है। इसके बाद यह बात यहीं खत्म नहीं हुई, बल्कि ओरी ने पलक के साथ अपनी व्हाट्सएप चैट का स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिए। हालांकि, बाद में उन्होंने इसे हटा दिया। देखते ही देखते दोनों के बीच चैट का यह स्क्रीनशॉट सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वहीं, अब ओरी ने इस मामले को लेकर अपनी चुप्पी तोड़ी हैं, उन्होंने क्या कहा है? चलिए आपको बताते हैं।

दरअसल, वायरल चैट में पलक तिवारी ओरी से माफी मांगती दिख रही हैं, लेकिन वे उन्हें माफ करने के मूड में बिल्कुल नहीं लग रहे हैं। एक गुस्से वाली इमोजी के साथ ओरी ने पलक के मांफी का जवाब दिया। दोनों की बातचीत में सारा अली खान का भी जिक्र है। ओरी न सिर्फ पलक से नाराज दिख रहे हैं, बल्कि चैट में यह भी कह रहे हैं कि 'तुम्हें बात करनी नहीं आती है'। इसके बाद पलक रिप्लाई करती हैं कि 'मैंने माफी मांगी है।' वायरल स्क्रीनशॉट के बैकग्राउंड में ओरी की फोटो भी नजर आ रही है।

वहीं, अब ओरी ने इस पर मामले पर तीन दिन बाद चुप्पी तोड़ी है। ओरी ने एक पोस्ट शेयर कर कहा, 'कोई यह क्यों नहीं पूछ रहा कि पलक किस बात के लिए माफी मांग रही हैं? जरा इस बारे में भी सोचो आप? आप लोग मुझे उसे माफ न करने की वजह से डांट रहे हैं, लेकिन उसने गलत किया था। इतना गलत कि किसी तीसरे को इसमें शामिल होना पड़ा और उसे बताने पड़ा कि उसने गलत किया।'

ओरी ने आगे कहा, 'क्या आपको लगता है कि वो माफी मांगेगी या किसी और ने उसे मांफी मागने के लिए कहा। अगर वे किसी बात को लेकर गलत नहीं थी या उसने लाइन क्रॉस नहीं किया, फिर मांफी क्यों मांग रहीं। मेरे इंडस्ट्री के हर डिपार्टमेंटस में दोस्त हैं, लेकिन मैंने कभी भी किसी से इस तरह से व्यवहार नहीं किया, क्योंकि मैंने इससे पहले ऐसी बकवास नहीं सुनी। गौरतलब है कि पलक बीते कुछ समय समय से सैफ अली खान के बेटे इब्राहिम अली खान के साथ अपनी डेटिंग की खबर को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। न्यू साल की पूर्व संध्या पर भी पलक इब्राहिम के साथ ही पार्टी से बाहर निकलकर उनकी कार में जाती हुई दिखी थीं। इस दौरान इब्राहिम अपना चेहरा छुपाते हुए नजर आएं थे।

नसीरुद्दीन शाह, विजय और फातिमा करेंगे 'उल जलूल इश्क', मनीष मल्होत्रा की तीसरी फिल्म होगी

साल 2015 में आई फिल्म 'हवाईजादा' फेम निर्देशक विभु पुरी अपनी अगली फिल्म के लिए तैयार हैं। विभु पुरी अभिनेता नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी स्टारर 'उल जलूल इश्क' बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म से गीतकार-संगीतकार की जोड़ी के रूप में गुलजार और विशाल भारद्वाज की भी वापसी हो रही है, जो इस फिल्म का म्यूजिक तैयार करेंगे।

मनीष मल्होत्रा की तीसरी फिल्म

'उल जलूल इश्क' इंडस्ट्री के मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के स्टेज 5 प्रोडक्शन की तीसरी फिल्म होगी। मनीष इससे पहले ₹बन टिक्की₹ और ₹ट्रेन फ्रॉम छपरौला₹ बना चुके हैं। मंगलवार को मनीष ने इस फिल्म की घोषणा अपने इंस्टाग्राम पर नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी की तस्वीर शेयर करके दी।

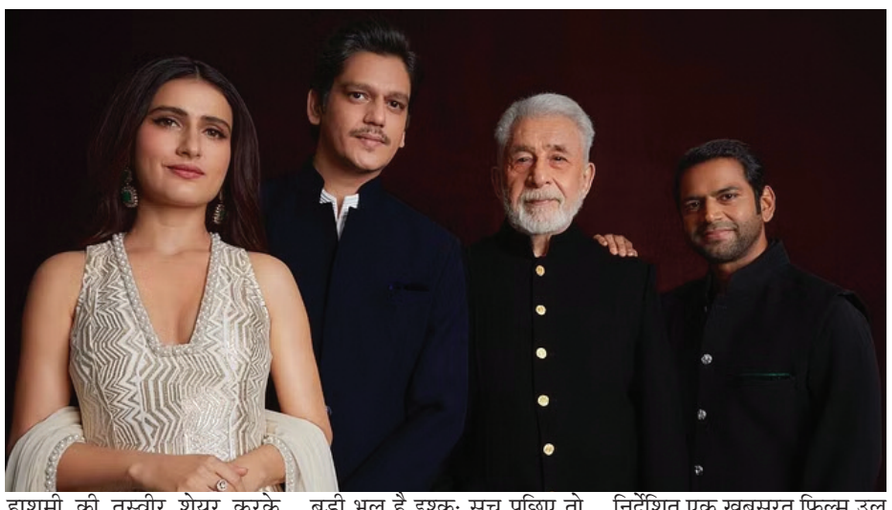

'कैप्शन में लिखी प्यारी लाइन'

इस पोस्ट के कैप्शन में मनीष ने एक प्यारी से लाइन भी लिखी, जो फिल्म के टाइटल सॉन्ग के बोल लग रहे हैं। मनीष ने लिखा, 'इस बेवकूफियां, नादान गलतियां, बड़ी भूल है इश्क; सच पूछिए तो मेरे हुजूर उल जलूल है इश्क!'।

9 जनवरी से शुरू होगी शूटिंग

मनीष ने आगे लिखा, 'मुझे अपने स्टेज 5 प्रोडक्शन की तीसरी फिल्म निर्माण की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है। हम विभु पुरी द्वारा लिखित और निर्देशित एक खूबसूरत फिल्म उल जलूल इश्क ला रहे हैं, जिसकी शूटिंग 9 जनवरी से बेहद प्रतिभाशाली नसीरुद्दीन शाह, विजय वर्मा, फातिमा सना शेख और शारिब हाशमी के साथ शुरू हो रही है। इनके साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात है।'

प्राची ने याद किए अपने करियर के शुरुआती दिन बोलीं- बड़ी फिल्में करने की दी जाती थी सलाह

अभिनेत्री प्राची देसाई ने अपने दमदार अभिनय से इंडस्ट्री में अलग पहचान बनाई है। अभिनेत्री भले ही फिल्मों से दूर हों, लेकिन प्राची किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। हाल ही में, प्राची ने एक इंटरव्यू में अपने फिल्मी करियर के उतार-चढ़ाव के बारे में बात की। इसके अलावा उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में लोग उन्हें बड़े अभिनेताओं के साथ काम करने की सलाह देते थे।

इंडस्ट्री में ईमानदार से किया काम

प्राची देसाई ने अपने 15 साल से अधिक के फिल्मी करियर के बारे में बात की। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों के बारे में बात करते हुए कहा, 'मैंने इंडस्ट्री में हमेशा ईमानदारी से काम किया है। हालांकि, मुझे यह बात बोलने की जरूरत नहीं है। मैं जब केवल 19 वर्ष की थी, तब मुझे अपनी पहली फिल्म मिली थी। उस समय हर दूसरा व्यक्ति मुझे इंडस्ट्री में कैसे काम करना है, किसके साथ काम करना है, इसपर अपनी राय देता था। तब मुझे नहीं पता था कि इंडस्ट्री में कैसे काम किया जाता है। उस समय मैं अच्छे मार्गदर्शन की तलाश में थी।

बड़ें अभिनेताओं के साथ काम करने की मिली सलाह

उन्होंने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहा, 'जिन लोगों के साथ मैं काम कर रही थी, उन्होंने मुझसे कुछ बहुत ही बुद्धिमानी भरी बातें कही थीं। वे मुझसे कहते थे कि अगर इंडस्ट्री में पहचान बनानी है, तो आपको केवल बड़ी फिल्में ही करनी चाहिए। यहां तक कि वे मुझे बड़े अभिनेताओं के साथ काम करने के लिए भी कहते थे। उन लोगों ने मुझसे कभी लीक से हटकर कुछ नया करने पर कभी बात नहीं की।'

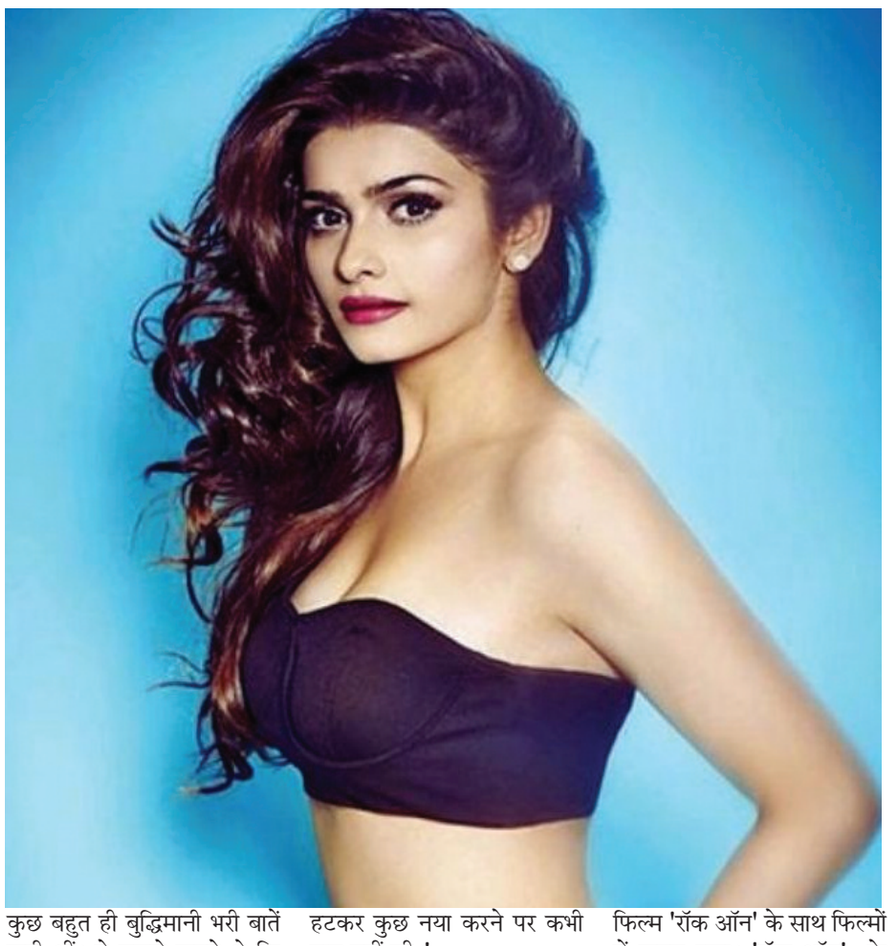

प्राची का वर्कफ्रंट

प्राची देसाई के वर्कफ्रंट की बात करें, तो अभिनेत्री ने वर्ष 2006 में एकता कपूर के सीरियरल 'कसम' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने 2008 में फिल्म 'रॉक ऑन' के साथ फिल्मों में कदम रखा। 'रॉक ऑन' के बाद प्राची ने वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई सुपरहिट फिल्म में काम किया, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। इस फिल्म में प्राची के अलावा अजय देवगन, इमरान हाशमी थे।

कीर्ति राणा की लिखी फांसी वाली खबर पर बनी शार्ट फिल्म आईकेएसएफएफ में चयनित

इंदौर की सेंट्रल जेल में 27 वर्ष पूर्व दी गई फांसी की लाइव रिपोर्ट करने वाले वरिष्ठ पत्रकार कीर्ति राणा की इस खबर पर भोपाल के वरिष्ठ रंगकर्मी जगदीश बागोरा द्वारा निर्देशित फिल्म 'फांसी लाइव' को आईकेएसएफएफ (इंटरनेशल कोलकाता शार्ट फिल्म फेस्टिवल) की जूरी द्वारा चयनीत किया गया है।फांसी लाइव सहित चयनीत अन्य शार्ट फिल्मों का प्रसारण 23 से 28 जनवरी तक कोलकाता में होने वाले फेस्टिवल में किया जाएगा।

इस सच्ची घटना से प्रेरित होकर रंगकर्मी बागोरा ने लिखी स्क्रिप्ट में फांसी के अमानवीय पक्ष को टटोलने के साथ फांसी की विभत्सता को उभारा और मृत्युदंड पर सवाल भी उठाए हैं।

इंदौर के पत्रकार कीर्ति राणा (जिनकी न्यूज पर यह फिल्म बनी है) ने भी फिल्म में पत्रकार की भूमिका निभाई है।इसके अलावा फिल्म में भोपाल के रंगकर्मियों आलोक गच्छ, गिरीश थत्ते, प्रवीण महुवाले, अविनाश नेमाड़े, राकेश सेठी, अनूप पाराशर, मनोज जौहरी, भरत सिंह, जूली प्रिया, रेणुका साहू, सुरेखा सरंकार, ब्रजेश अनय, नरेंद्र शर्मा, संजय नागचंडी आदि ने अभिनय किया है।

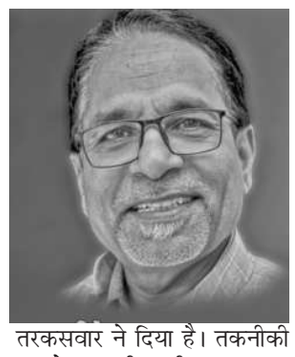

तरकसवार ने दिया है। तकनीकी सहयोग आशीष श्रीवास्तव का, डीएपी कार्तिक हैं व आर्ट डायरेक्टर राजकुमार रामोशी। एक

फिल्म का निर्देशन खुद बागोरा, असीम दुबे और आलोक गच्छ ने किया है।

उल्लेखनीय है कि 16 कलाकारों वाली 'फांसी लाइव' में इस शार्ट फिल्म को दुर्गा मीडिया साफ्टवेयर के बैनर तले बनाया गया है और संगीत भोपाल के ख्यातनाम संगीतकार उमेश विशेष बात यह भी है कि इस फिल्म के प्रस्तोता और निर्देशकों सहित अधिकांश कलाकार स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त वरिष्ठ नागरिक हैं।

फर्नीचर' खरीदते समय रखें इन बातों का ध्यान

घर की सजावट में फर्नीचर का बहुत महत्व होता है लेकिन जब यही फर्नीचर बिना सोचे-समझे खरीदा जाए तो घर सजाना तो दूर की बात है, पैसों की बर्बादी और हो जाती है इसलिए फर्नीचर खरीदते समय इन बातों का ध्यान अवश्य रखें- * यदि आपने फ्लैट खरीदा है तो पहले कमरों के अनुसार सजावट की रूपरेखा तैयार कीजिए, फिर सजावट का सामान खरीदिए।

* हड़बड़ी में या दूसरों की देखा-देखी फर्नीचर या सजावट का सामान खरीदने का परिणाम यह होता है कि कई बार आप वे सामान उठा लाते हैं, जो आपके पड़ोसी के घर में तो खूबसूरत लग रहा था परंतु आपके घर के इंटीरियर के अनुरूप नहीं है।

* सबसे पहले घर के सभी कमरों का ठीक से मुआयना करें, तब आगे की योजना बनाएं ताकि अगले कुछ वर्षों तक के लिए यह टिकाऊ रह सके। * यह ध्यान रखें कि आपका लक्ष्य पूरे घर को सुसज्जित करने का हो। पहले यह सोच लीजिए कि किस कमरे के लिए कौन से फर्नीचर फबेंगे।

फर्नीचर की देखभाल भी है जरूरी

* रोजाना फर्नीचर की डस्टिंग करें। दरअसल, रोज सफाई नहीं करने से धूल-मिट्टी जम जाती है और फर्नीचर दिखने में बेहद भद्दा लगता है इसलिए साफ-सफाई बहुत जरूरी है। साफ करने के लिए सॉफ्ट कपड़ों का इस्तेमाल करें।

* फर्नीचर को जितना हो सके धूप से दूर रखें। घर के जिस कोने में धूप आ रही हो वहां फर्नीचर न रखें। कई बार धूप पड़ने से फर्नीचर खराब होने लगता है। दरअसल खिड़की या दरवाजों से आती हुई धूप के कारण इसके पेंट पर असर पड़ता है और लकड़ी भी सिकुड़ने लगती है। ऐसे में फर्नीचर को ऐसी जगह रखें, जहां तेज धूप न जाए।

* लकड़ी का फर्नीचर ज्यादा समय तक चले इसलिए आप उस पर हमेशा कवर लगाकर रखें। कवर लगाने से उस पर जल्दी दाग-धब्बे नहीं लगेंगे। साथ ही कवर की वजह से आपके फर्नीचर को नई लुक भी मिल जाएगी।

* फर्नीचर की सफाई के लिए शैम्पू और पानी का घोल बनाएं। अब इसमें कपड़े भिगो लें और फर्नीचर की सफाई करें। चाहें तो फर्नीचर के दाग-धब्बों को मिटाने के लिए नींबू के रस का इस्तेमाल कर सकती हैं।

'पुराने सामान' का 'रचनात्मक प्रयोग'

घरों में पड़े बेकार सामान को कितनी ही तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है, यह तो आप भी बखूबी जानती होंगी। इसके बावजूद बहुत-सा सामान यूं ही पड़ा-पड़ा या तो खराब हो जाता है या फिर कबाड़ी के पास चला जाता है। यदि आप चाहें तो अपने हाथों के हुनर का कमाल दिखा कर उस चीज को फिर से काम में ला सकती हैं कि उसका रूप ही बदल जाए।

उदाहरण के तौर पर दरवाजे मात्र कमरों की प्राइवेसी बरकरार रखने के लिए ही इस्तेमाल नहीं होते बल्कि आप इनसे घर की सजावट भी कर सकती हैं या मेज केवल खाने या पढ़ने के काम ही नहीं आती बल्कि आप बच्चों के लिए उससे कुछ नया भी बना सकती हैं।

इस बार हम आपके लिए कुछ ऐसे ही आइडियाज लेकर आए हैं जिन्हें आप इस्तेमाल कर अपनी क्रिएटीविटी को और भी निखार सकती हैं।

कलरफुल फूलदान : हालांकि पुराने सुंदर डिब्बों को विभिन्न रंगों से रंग कर फूलदान या गमले के रूप में प्रयोग करने का तरीका बेहद पुराना है तथा बहुत से लोग इस तरह से अपने घर को सजाते हैं। यदि आप अपने घर को एक नया लुक देना चाहती हैं तो इस बार चाहे इन्हें नॉर्मल कलर्स से सजाएं या फिर मैटल वाले कलर्स इस्तेमाल करें, इनकी रंगत खिल उठेगी।

पीतल, चांदी और तांबे के रंग प्लास्टिक के डिब्बों पर किए जाएं तो वे धातु के बर्तनों की तरह प्रतीत होने लगेंगे तथा आपका घर बेहद खूबसूरत नजर आने लगेगा।

पुराने दरवाजे का कमाल : बहुत से घरों में ऐसे दरवाजेभी मिल जाएंगे जिनमें बहुत से शीशे लगाने की जगह होती है। ये दरवाजे इसलिए गैराज में डाल दिए जाते हैं कि इनका जोड़ा खराब हो चुका होता है। यदि ऐसा कोई दरवाजा आपके घर में भी है तो उसे पेंट करके घर की गैलरी की दीवार में फोटो फ्रेम की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर उसमें शैल्फ लगाकर रैक की तरह भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

आप चाहें तो प्रवेश द्वार के पास रख कर उसमें कुछ खूंटियां भी लगा सकती हैं ताकि मेहमान अपनी टोपियां या छाते वहां टांग सकें।

मेज से बनाएं बच्चों का बैड : यदि लकड़ी की सुंदर पायों वाली मेज पुरानी होकर अपना आकर्षण खो चुकी है तथा उसे फेंकने का भी मन नहीं है तो उसे नए सिरे से ब्राइट कलर में पेंट कर लें। कुछ ऐसे कलर्स इस्तेमाल करें जिन्हें बच्चे पसंद करें। अब उसे उलटा करके फर्श पर इस तरह से बिछाएं कि उसके पाय ऊपर की तरफ आएं। मेज के बीच में एक आरामदायक गद्दा डाल कर उस पर चादर बिछा दें तथा मेज के पायों के साथ मसहरी लगाएं।

यदि आप मेज को जमीन से ऊंचा करना चाहती हैं, तो लकड़ी के पाये लगवा लें। यह पलंग किसी छोटे बच्चे के लिए बिल्कुल सही रहेगा जिसमें उसे न तो ऊपर चढ़ने में परेशानी होगी और न ही उसके नीचे गिरने का डर रहेगा।

सर्दियों में 'पैरों' का रखिए विशेष ध्यान

मौसम में बदलाव होते ही त्वचा से जुड़ी समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ही शामिल है फटी एड़ियों की समस्या।

फटी एड़ियों का इलाज आसान है, खासकर यदि आप घरेलू उपचार से अपनी एड़ियों की देखभाल कर रही हैं, तो कुछ ही। दिनों में मुलायम और साफ एड़ियां पाना संभव है। अपनी एड़ियों को स्वस्थ और मुलायम रखने के लिए नीचे दिए गए घरेलू नुस्खों पर जरूर ध्यान दें।

एड़ियां नियमित रूप से साफ करें यह समझना अनिवार्य है कि आप अपने पैरों की एड़ियां कैसे साफ करते हैं। आप एड़ियों को बाजार में मिलने वाले ब्रश से साफ कर सकती हैं, जिससे आपकी एड़ियां फटने से बच सकती हैं। अपनी एड़ियों में किसी भी तरह की दरार से बचने के लिए उन्हें रोज ठीक से साफ करना चाहिए।

केले और शहद के मास्क का इस्तेमाल इससे आपको एक ही रात में फटी एड़ियों से छुटकारा मिलना शुरू हो सकता है।एड़ी पर मास्क लगा कर इसे लगभग 40 मिनट या 1 घंटे के लिए छोड़ दें, इसके बाद इसे गर्म पानी से धो लें। यह आपकी फटी एड़ियों को रात भर में ठीक कर देगा।

ओट्स और व्हीट जर्म ऑयल मास्क

इसका मास्क लगाने से भी फटी एड़ियों को आराम मिलता है। सबसे पहले ओट्स को अच्छी तरह पीस लें। फिर एक कटोरी में 2 चम्मच ओट्स और इतना ही व्हीट जर्म ऑयल डालकर दोनों को अच्छी तरह से मिला लें। इस पेस्ट को अपनी फटी एड़ियों पर अच्छी तरह से लगाएं।

30 मिनट बाद प्यूमिक स्टोन की मदद से एड़ियों को रगड़ कर छुड़ा लें।

गेहूंका आटा, शहद और सिरके का मास्क अगर आप गर्मियों में एड़ियां फटने के घरेलू उपाय चाहती हैं, तो आपको इस मास्क को जरूर आजमाना चाहिए। गेहूं का आटा, शहद और सिरके का मास्क निश्चित रूप से फटी एड़ियों की समस्या को दूर करने में

आपकी मदद कर सकता है।

गुनगुने पानी की मदद

पैरों को गुनगुने पानी में डुबो कर कुछ देर के लिए छोड़ दें। यह निश्चित रूप से आपकी फटी एड़ियों को ठीक करने में मदद कर सकता है। अगर आप फटी एड़ियों को गर्म पानी में डुबोकर, फिर सुखाकर, उन पर मॉइश्चराइजर लगाते हैं, तो यह निश्चित रूप से आपकी फटी एड़ियों को ठीक कर देगा।

फटी एड़ियों के लिए हीलिंग क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकती हैं। यह आपकी फटी एड़ियों के लिए फायदेमंद हो सकती है। इसके अलावा ठंड में फटी एड़ियों से छुटकारा पाने के लिए खास तरह की क्रीम का इस्तेमाल भी कर सकती हैं।

'गुलाब' से पाएं निखरी त्वचा

गुलाब न सिर्फ अपनी खुशबू से मन को सुकून पहुंचाते हैं, बल्कि ये त्वचा में नमी भी बनाए रखते हैं और चेहरे पर निखार लाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि गुलाब की पंखुड़ियों के कई फायदे हैं। गुलाब के इस्तेमाल से ख खूबसूरत त्वचा पाने के संबंध में यहां जानकारियां दे रहे हैं।

* पानी में मिली गुलाब की पंखुड़ियों का सत्व या गुलाब जल त्वचा को नमी प्रदान करता है और ताजगी देता है। यह त्वचा में ऑयल को नियंत्रित करता है और पी.एच. बैलेंस बनाए रखता है। विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण गुलाब से बना असैंशियल ऑयल त्वचा के रूखेपन को दूर करता और निखार लाता है।

* गुलाब जल और नींबू के रस से बना टॉनिक चेहरे पर लगाने से कील, मुंहासे कम होते हैं। चेहरे पर इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें, इसके बाद गुनगुने पानी से धो लें। यह सामान्य और तैलीय त्वचा दोनों के लिए उपयुक्त है।

* नियमित रूप से इस्तेमाल के लिए कॉटन बॉल या रूई के फाहे को गुलाब जल में भिगोकर इससे चेहरा साफ करें। यह प्राकृतिक टोनर का काम करता है। ऐसा आप सुबह और रात में सोने जाने से पहले कर सकती हैं। पानी में गुलाब जल डालकर आप स्नान भी कर सकती हैं, इससे चेहरे पर चमक आती है और इसकी सौम्य खुशबू से मानसिक तनाव व शारीरिक थकान भी दूर होती है।

आंखों के नीचे पड़े काले घेरे को कम करने के लिए असरदार है यह घरेलू नुस्खा

चेहरे की त्वचा की तरह आंखों के नीचे की त्वचा की भी देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। बता दें कि अंडर आई स्किन चेहरे की त्वचा से कई ज्यादा नाजुक होती है और इसका पीएच लेवल भी चेहरे की त्वचा से अलग होता है। बदलते लाइफस्टाइल में अक्सर हम देर रात तक जागते हैं और इसी कारण अंडर आई स्किन काली पड़ जाती है और आंखों के नीचे काले घेरे नजर आने लगते हैं। इसके लिए आप बाहरी प्रोडक्ट्स की जगह घरेलू चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं किन चीजों की मदद से अंडर आई स्किन में मौजूद डार्क सर्कल्स को कम किया जा सकता है ।

डार्क सर्कल्स को कम करने के लिए किन चीजों का करें इस्तेमाल?

एलोवेरा जेल

नारियल का तेल

नारियल के तेल को आंखों के नीचे लगाने के स्किन मॉइस्चराइज रहती है।

यह स्किन इन्फेक्शन को कम करने में मददगार साबित होता है।

त्वचा की ड्राईनेस को कम करने के लिए असरदार है।

एलोवेरा जेल आंखों के नीचे लगाने के फायदे

आंखों के नीचे एलोवेरा जेल को लगाने से त्वचा को कूलिंग इफेक्ट मिलेगा।

यह त्वचा के सेल्स को रिपेयर करने में मदद करता है।

डार्क स्पॉट्स को कम करने के लिए मददगार है।

डार्क सर्कल्स को कम करने का घरेलू उपाय

सबसे पहले एक बाउल में एलोवेरा के पौधे की पत्तियों में से जेल को निकालकर डालें।

इसमें 1 चम्मच नारियल के तेल की डालें।

इन दोनों को आपस में अच्छी तरह से मिला लें और कॉटन की मदद से आंखों के नीचे लगा लें।

आप इसे रात के समय आंखों के नीचे लगाकर हल्के हाथों से मसाज कर सकती हैं।

लगातार और रोजाना इस घरेलू नुस्खे को आजमाने से डार्क सर्कल्स धीरे-धीरे कम होने लगेंगे।

एक ट्रिक से हटेंगे दाग और चमकेंगे कपड़े बाजार जैसी ड्राई क्लीनिंग यूं करें घर पर

कई कपड़ों को ड्राई क्लीनिंग की आवश्यकता होती है, लेकिन उसमें ज्यादा पैसे खर्च हो जाते हैं। ऐसे में आप घर पर ही ड्राई क्लीन सॉल्यूशन तैयार कर सकती हैं। आइए इस आर्टिकल में आपको बताएं वो कैसे संभव है।

हम लोग महंगे कपड़े खास ओकेशन के लिए लेते हैं और ऐसे कपड़ों की देखभाल करना बहुत जरूरी है। आप महंगे और डेलिकेट कपड़ों को वॉशिंग मशीन में भी नहीं धो सकते हैं। ऐसे कपड़ों को आप सिर्फ ड्राई क्लीनिंग के लिए ही देते हैं। हालांकि, बार-बार ड्राई क्लीनिंग के लिए कपड़े देना, एक बड़ा एक्सपेंस है जो कई लोगों को पसंद नहीं आता है। ऐसे में हमारे पास क्या ऑप्शन रहते हैं?

ऑप्शन है कि आप घर पर ही ड्राई क्लीनिंग करें। यह बहुत मुश्किल भी नहीं है। घर पर ड्राई क्लीन करना, आपके काम को आसान बना सकता है। चलिए इस आर्टिकल में आपको बताएं कि आप कैसे चंद रुपयों में घर पर प्रोफेशनल ड्राई क्लीनिंग कर सकती हैं। हां, पहले यह भी जान लें कि कैसे कपड़ों को घर पर ड्राई क्लीन करना चाहिए और किन कपड़ों को ड्राई क्लीन नहीं किया जा सकता है।

कौन से कपड़े घर पर ड्राई-क्लीन किए जा सकते हैं?

किसी भी कपड़े को धोने या ड्राई क्लीन करने से पहले, उसके लेबल को जरूर देख लें। आप जो किट चुनते हैं, उसमें यह भी पता चल जाएगा कि किस प्रोडक्ट्स से कौन से कपड़े साफ नहीं किए जा सकते हैं।

ऐसे कपड़े जो घर पर ड्राई क्लीन किए जा सकते हैं-

स्वेटर
जींस
अनस्ट्रक्चर्ड जैकेट
ट्राउजर्स
ब्लाउज
अनस्ट्रक्चर्ड स्कर्ट
कुछ एब्रॉयडरी वाले कपड़े

कौन से कपड़े घर पर ड्राई-क्लीन नहीं किए जा सकते हैं?

रेशम मखमली और रेशम तफता जैसे कपड़ों में नाजुक काम होता है। इन्हें एक पेशेवर ड्राई क्लीनर से ही साफ करवाना चाहिए, उन्हें ऐसे डेलिकेट फैब्रिक को ट्रीट करना अच्छे से आता है।

रेयॉन एक कॉम्प्लेक्स फैब्रिक होता है। इसे हाथ से ही धोना चाहिए और कभी भी ड्रायर में नहीं रखना चाहिए।

स्ट्रक्चर्ड और टेलर्ड जैकेट या सूट को ड्रायर में धोने के बाद, ऐसे कपड़ों का आकार बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। इन्हें साफ करने के लिए प्रोफेशनल ड्राई क्लीनर्स की ही मदद लेनी चाहिए।

प्लीटेड स्कर्ट या शर्ट, अगर आप घर पर ड्राई क्लीन करती हैं, तो संभावना है कि उसके बने हुए प्लीट्स खराब हो सकते हैं। ऐसी स्कर्ट की प्लीट्स मशीन से बनाई जाती है, जिसे संभालना मुश्किल है।

मेटल, हैवी एंब्रॉयडरी और डेलिकेट धागों से बने कपड़े भी घर पर ड्राई क्लीन नहीं करने चाहिए।

लेदर के कपड़ों को घर पर धोने या ड्राई क्लीन करने से बचें। इसके लिए प्रोफेशनल्स के पास खास तरह के सॉल्यूशन्स होते हैं। लेदर जल्दी से डैमेज हो सकता है, इसलिए इसे घर पर साफ करने से बचना चाहिए।

घर पर ड्राई क्लीन करने के लिए सामग्री-

1 कप टैल्कम पाउडर
आधी बाल्टी गुनगुना पानी
1 चम्मच शैंपू
1 चम्मच कंडीशनर
1/4 कप विनेगर
1/2 छोटा चम्मच नमक

घर पर ड्राई क्लीन करने का तरीका-

अपने कपड़ों को अलग-अलग टेबल पर फैलाकर रख लें।

इसके बाद खूब सारा टैल्कम पाउडर दाग वाली जगह पर लगाकर कपड़ों को 30 मिनट के लिए छोड़ दें।

30 मिनट बाद सारे कपड़ों से टैल्कम पाउडर अच्छी तरह से हटा लें।

एक बाल्टी में गुनगुना पानी, शैंपू, नमक, विनेगर और कंडीशनर डालकर मिलाएं। इसमें कपड़े डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें।

इसके बाद हाथों से हल्का-हल्का रगड़कर उन्हें रिंस कर लें।

इन्हें ड्रायर में न सुखाएं। थोड़ा-सा निचोड़कर हैंगर में टांगकर ही धूप में सुखाएं।

आपके कपड़ों से दाग भी जाए और कपड़े सॉफ्ट भी दिखेंगे।

क्या ड्राई क्लीनिंग कपड़े धोने से बेहतर है?

ड्राई क्लीनिंग के बाद, कपड़े एकदम फ्रेश लगते हैं। ऐसा लगता है कि आपने फिर से नए कपड़े ही खरीदें हैं, तो क्या ड्राई क्लीनिंग ज्यादा बेहतर है? यह सब आपके कपड़े के फैब्रिक और कट पर निर्भर करता है। डेलिकेट और स्ट्रकचर्ड आइटम्स के लिए ड्राई क्लीनिंग बेहतर है और यह प्रक्रिया घर पर कपड़े धोने की तुलना में ज्यादा बेहतर होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि कुछ दागों को जैसे तेल या चाय के दागों को इससे हटाया जा सकता है। हालांकि, कुछ कपड़े ड्राई क्लीनिंग सॉल्वेंट्स को नहीं झेल पाते हैं। उनके लिए ड्राई क्लीनिंग किट स्ट्रॉन्ग हो सकती है। ऐसे कपड़ों को जिन्हें ड्राई क्लीन नहीं किया जाना चाहिए, बेहतर कि उन्हें आप वॉशिंग मशीन में या हाथ से साफ करें।

अब आप भी घर पर कुछ कपड़ों को ड्राई क्लीन करके जिद्दी दाग निकाल सकती हैं। हम घर पर ड्राई क्लीनिंग करने के ऐसे कई टिप्स और तरीके आपके लिए लाते रहेंगे।

सेंसेक्स 535 अंक की गिरावट के साथ 71,356 पर बंद

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी बुधवार (3 जनवरी) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 535 अंक की गिरावट के साथ 71,356 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 148 अंक की गिरावट देखने को मिली। ये 21,517 के स्तर पर बंद हुआ।

आईटी और मेटल के शेयर्स में आज ज्यादा गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में गिरावट और 10 में तेजी देखने को मिली। हिंडाल्को इंडस्ट्रीज के शेयर में आज 3.82% की गिरावट देखने को मिली है। डी-मार्ट के नाम से रिटेल स्टोर चला ने वाली कंपनी एवेन्यू सुपरमार्ट्स ने वित्त वर्ष 2023-24 तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) को लेकर एक कारोबारी अपडेट जारी किया है। कंपनी ने बताया कि दिसंबर तिमाही में उसका स्टैंडअलोन रेवेन्यू करीब 17.19% बढ़कर 13,247.33 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 11,304.58 करोड़ रुपए का रेवेन्यू दर्ज किया था।

दिसंबर 2023 में यूपीआई ट्रांजैक्शन ने बनाया नया रिकॉर्ड

1,202 करोड़ लेनदेन के जरिए 18.23 लाख करोड़ ट्रांसफर, एक साल में 54% ग्रोथ

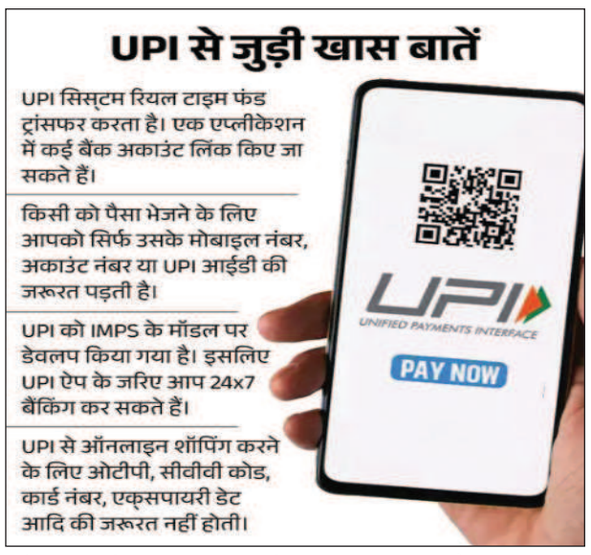

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने दिसंबर 2023 में 1,202 करोड़ ट्रांजैक्शन का नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान लोगों ने 18,22,949.45 करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन किए हैं। वहीं, एक महीने पहले नवंबर में 1,123 करोड़ ट्रांजैक्शन के जरिए 17,39,740.61 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए थे।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया यानी एनपीसीआई ने अपने सोशल मीडिया हैंडल 'X' पर पेमेंट सिस्टम के ये आंकड़े शेयर किए हैं। दिसंबर के आंकडे को देखें तो, सालाना आधार पर ट्रांजैक्शन की संख्या में 54% और इसके जरिए ट्रांसफर किए गए अमाउंट में 42% की बढ़ोतरी हुई है। एनपीसीआई के आंकडों के मुताबिक, साल 2023 में किए गए टोटल ट्रांजैक्शन का वॉल्यूम (संख्या) 11,724 करोड़ रहा है। वहीं इसके जरिए ट्रांसफर किया गया अमाउंट यानी वैल्यू 182.3 लाख करोड़ रुपए रहा है।

यूपीआई कैसे काम करता है?

यूपीआई सर्विस के लिए आपको एक वर्चुअल पेमेंट एड्रेस तैयार करना होता है। इसके बाद इसे बैंक अकाउंट से लिंक करना होगा। इसके बाद आपका बैंक अकाउंट नंबर, बैंक का नाम या आईएफएससी कोड आदि याद रखने की जरूरत नहीं होती। पेमेंट करने वाला बस आपके मोबाइल नंबर के हिसाब से पेमेंट रिक्वेस्ट प्रोसेस करता है। अगर, आपके पास उसका यूपीआई आईडी (ई-मेल आईडी, मोबाइल नंबर या आधार नंबर) है तो आप अपने स्मार्टफोन के जरिए आसानी से पैसा भेज सकते हैं। न सिर्फ पैसा बल्कि यूटिलिटी बिल पेमेंट, ऑनलाइन शॉपिंग, खरीदारी आदि के लिए नेट बैंकिंग, क्रेडिट या डेबिट कार्ड भी जरूरत नहीं होगी।

केंद्रीय महिला कर्मचारी बच्चे को पेंशन नॉमिनी बना सकेंगी

घरेलू हिंसा और तलाक का केस चल रहा हो तब ही ऐसा किया जा सकेगा

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। केंद्रीय महिला कर्मचारी अब पति के बजाय अपने बच्चे को फैमिली पेंशन के लिए नॉमिनी बना सकेंगी। इसका फायदा सिर्फ घरेलू हिंसा का केस लड़ रही या डिवोर्स की प्रोसीडिंग्स में शामिल महिला कर्मचारी या पेंशनर को मिलेगा। कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय ने आज यानी 2 जनवरी को इस संबंध में नोटिफिकेशन जारी किया गया है। डिपार्टमेंट ऑफ पेंशन एंड पेंशनर्स वेलफेयर ने सेंट्रल सिविल सर्विस (पेंशन) रुल 2021 में इसके लिए जरूरी बदलाव किए हैं, जिसके बाद एम्प्लॉइज को यह अनुमति देने के लिए एक नोटिफिकेशन जारी किया गया है। डीओपीपीडब्ल्यू के सचिव वी श्रीनिवास ने कहा,'मिनिस्ट्री ऑफ वीमेन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट से

मिले रिप्रेजेंटेशन को ध्यान में रखते हुए नियम में बदलाव किए हैं।'

नाबालिग या विकलांग बच्चे के मामले में अभिभावक को मिलेगी पेंशन

मंत्रालय ने आगे बताया कि किसी मृत सरकारी महिला कर्मचारी का वह बच्चा जिसे उसने नॉमिनेट किया था वह तभी पात्र होगा जब वह वयस्क हो। नाबालिग या विकलांग बच्चे के मामले में पेंशन अभिभावक को मिलेगी। बच्चा वयस्क होने के बाद पेंशन पाने के लिए एलिजिबल होगा।

काफी विचार-विमर्श के बाद सरकार ने दी अनुमति

मंत्रालय ने कहा कि पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग को अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों इसके बारे में लेटर मिल रहे थे, जिसमें सलाह मांगी गई थी कि क्या एक महिला सरकारी कर्मचारी को विवाह से जुड़े किसी विवाद के मामले में उसके पति के स्थान पर फैमिली पेंशन के लिए अपने पात्र बच्चे/बच्चों को नॉमिनेट करने की अनुमति दी जा सकती है। काफी विचार-विमर्श के बाद सरकार ने महिला कर्मचारियों को इसकी अनुमति दी है।

वर्तमान नियमों के मुताबिक, किसी सरकारी कर्मचारी के मृत्यु के बाद फैमिली पेंशन सबसे पहले उसके पति या पत्नी को दी जाती है। यदि मृत सरकारी कर्मचारी का जीवन साथी फैमिली पेंशन के लिए अयोग्य हो या उसकी मौत हो गई हो तभी बच्चे या परिवार के कोई सदस्य फैमिली पेंशन के लिए पात्र होते हैं। अभी भी सभी के लिए यही नियम लागू हैं। केवल डोमेस्टिक वायलेंस के केस और डिवोर्स की प्रोसीडिंग्स के मामले में पति के बजाय बच्चे को नॉमिनेट करने की छूट दी गई है।

सोने-चांदी के दामों में आई गिरावट

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 03 जनवरी 2024 की सुबह सोना और चांदी सस्ता हुआ है. सोना 63 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है तो वहीं, चांदी का भाव 73 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट वाले 10 ग्राम सोने की कीमत 63344 रुपये है.

जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी की कीमत 73263 रुपये है. इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 63602 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो आज (बुधवार) सुबह सस्ता होकर 63344 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी सस्ते हुए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	में	धनु....	05-28 बजे
चंद्र-	कन्या	में	मकर..	07-36 बजे
मंगल	धनु	में	कुंभ...	09-26 बजे
बुध-	वृश्चिक	पें	मीन...	11-04 बजे
गुरु-	मेष	में	मेष--	12-40 बजे
शुक्र-	वृश्चिक	में	वृष--	14-24 बजे
शनि-	कुंभ	में	मिथुन..	16-24 बजे
राहु-	मीन	में	कर्क...	18-37 बजे
केतु-	कन्या	में	सिंह...	20-48 बजे
			कन्या..	22-55 बजे
			तुला....	01-01 बजे
			वृश्चिक.	03-12 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु- शिशिर
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय -**06-50** सूर्यास्त. -**17-50**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी - **22 -04** - तक उपरान्त नवमी
मास - पौष कृष्ण पक्ष , गुरूवार **04 January**
नक्षत्र - हस्त - **17 - 33** - तक उपरान्त चित्रा
योग - अतिगण्ड - **06 - 48** - पूर्ण दिन-रात तक
करण- बालव - **09 -00** - तक उप- कौलव
विशेष:- कालाष्टमी,रुक्मणी अष्टमी
व्रत -त्योहार - अष्टका श्राद्ध

विशेष:- राशिफल "हों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:44 से 15:07 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:50 - 08:11	अमृत	17:50 - 19:30
रोग	08:11 - 09:35	चंचल	19:30 - 21:07
उत्पात	09:35 - 10:58	रोग	21:07 - 22:44
चंचल	10:58 - 12:21	काल	22:44 - 24:21
लाभ	12:21 - 13:44	लाभ	24:21 - 01:58
अमृत	13:44 - 15:07	उत्पात	01:58 - 03:35
काल	15:07 - 16:30	शुभ	03:35 - 05:12
शुभ	16:30 - 17:50	अमृत	05:12 - 06:50

भारत से हर कोई चाहता है मुक्त व्यापार समझौता

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। यूरोप और ब्रिटेन जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं से लेकर ओमान व पेरू जैसे कई छोटे देश भी भारत के तेजी से बढ़ते बाजार के कारण उसके साथ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करना चाहते हैं। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि भारत के साथ एफटीए करने से ये देश कम या बिना किसी आयात शुल्क के बड़े खरीदारों वाले भारतीय बाजार तक पहुंच कायम कर सकते हैं। इससे उन देशों की कंपनियों को भारतीय बाजार में अपने उत्पादों की बिक्री करने में दूसरों के मुकाबले काफी बढ़त मिल सकती है। भारत वर्तमान में अधिकतर आयात (75 फीसदी से अधिक) उन देशों से करता है, जिनसे उसका एफटीए नहीं है।

आसान हुआ बंद बैंक खातों को चालू करना

आरबीआई ने दी नियमों में ढील

हाइलाइट्स

- निष्क्रिय खातों को बैंक की किसी भी ब्रांच में केवाईसी डिटेल्स दोबारा सबमिट करके एक्टिवेट किया जा सकेगा
- खाताधारक के अनुरोध पर विडियो कस्टमर आइडेंटि फिकेशन प्रोसेस (वी-सीआईपी) के जरिए भी केवाईसी हो जाएगी
- बैंक निष्क्रिय खातों को दोबारा चालू करने के लिए किसी तरह का शुल्क नहीं वसूल सकते
- खाता निष्क्रिय हो या फिर सक्रिय, बैंकों को सेविंग अकाउंट पर ब्याज देते रहना होगा

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने निष्क्रिय बैंक खातों को दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया में ढील दी है। साथ ही वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए नियमों को कुछ सख्त भी किया है, ताकि निष्क्रिय खातों से कोई रकम न निकाल सके। आरबीआई का कहना है कि अब निष्क्रिय खातों को दोबारा शुरू करने के लिए सिर्फ नो योर कस्टमर (केवाईसी) डिटेल्स जमा करनी होगी। केवाईसी डिटेल्स को बैंक की किसी भी ब्रांच में सबमिट किया जा सकता है। यह प्रक्रिया खाताधारक के अनुरोध पर विडियो कस्टमर आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस (वी-सीप) के जरिए भी पूरी की जा सकती है।

बैंक किसी भी खाते को दोबारा सक्रिय करने के लिए कोई शुल्क नहीं वसूल सकते। अगर कोई खाता निष्क्रिय हो गया है, तो बैंक उससे मिनिमम बैलेंस न रखने पर लगने वाली पेनल्टी भी नहीं लगा सकते। बैंकों को सेविंग अकाउंट पर ब्याज भी देते रहना होगा, चाहे वह निष्क्रिय क्यों न हो। इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई ने बैंकों को एक एनुअल रिव्यू भी करने का निर्देश दिया है, ताकि उन बैंक खातों का पता लगाया जा सके, जिनमें एक साल से कोई लेन-देन नहीं हुआ है।

कब से लागू होंगे दिशानिर्देश

आरबीआई ने अपने बयान में कहा, 'वित्तीय धोखाधड़ी के जोखिम को कम करने के लिए निष्क्रिय खातों का पता लगाना जरूरी है। निष्क्रिय खाते जब दोबारा सक्रिय हो जाएं, तो उनसे होने वाले लेनदेन की कम से कम 6 महीने तक हाई लेवल पर निगरानी होनी चाहिए।

इसका पता कस्टमर और बैंक स्टाफ को नहीं लगना चाहिए। इससे निष्क्रिय खातों के जरिए होने वाले फ्रॉड को कम करने में मदद मिलेगी।' आरबीआई के संशोधित दिशानिर्देश एक अप्रैल से लागू होंगे।

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक समेत सभी कमर्शल बैंकों को इन निर्देशों का पालन करना होगा। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को सावधि जमा (टर्म डिपॉजिट) पर भी ध्यान देना चाहिए। अगर इसे रिन्यू नहीं किया गया या कस्टमर ने मैच्योरिटी के बाद रकम नहीं निकाली या फिर अपने इसे अपने बचत/चालू खाते में ट्रांसफर नहीं किया, तो इस तरह के खातों को समीक्षा की जानी चाहिए, ताकि जमा राशि अनक्लेम्ड न रह जाए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आपको थोडा सा अधिक लचीला रुख अपनाना चाहिए ,लेकिन आज आप ना तो कोई अच्छी सलाह और ना ही अपने मन की आवाज सुनना चाहते हैं । आपका यह अड़ियल रवैया आपके लिये घर और कार्यस्थल दोनों ही जगह पर आपके लिए नुक्सान का कारण बनेगा । इसका एक ही समाधान है कि आप अपना दिमाग खुला रखें और दूसरों की भी बातें सुनें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा ।आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा।

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है । आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे । महत्वपूर्ण बिज़नेस बैठकों में आपके मुताबिक निर्णय होंगे। अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

आपकी मन की आवाज अब सक्रिय है और हर काम में आपका बहुत अच्छा मार्गदर्शन करेगी । आप मजे में भी आसानी से जोखिम उठा पाने की स्थिति में हैं । भाग्य आपके साथ है फिर भी आपको कोई भी कदम उठाने से पहले दो बार सोच लेना चाहिए । आप भावनाओ की बाढ़ को अनुभव करेंगे । पुराने दोस्तों या परिचित के सामने आने से खुशी होगी।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं । इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी । आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे । यह समय आपसी मतभेद भुलाकर आगे बढने का है,चाहे इसके लिए आपको कुछ झुकना ही क्यों न पड़े ।

आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं ।आज कोई ऐसी खुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी ।आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें । आप पिछले कुछ समय से अस्वास्थ्यकर खाना खा रहे हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें । यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है । अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ । आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा ।

आज बोलने में सावधानी रखें । आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है । बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें । किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें । किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आज आप खुद को उलझन में फंसा हुआ महसूस करेंगे । अपना भला चाहने वाले लोगों से उन चीजों के बारे में भी खुलकर बात करें,जो आपको परेशान कर रही हैं । अनिश्चितता के बादल एक सप्ताह में छंट जायेंगे । किसी परिजन या अन्तरंग दोस्त का साथ मिलेगा । बोलते हुए सावधान रहें । किसी की आपके शब्दों से ग़लतफ़हमी हो सकती है । कार्यस्थल पर स्थायित्व बना रहेगा ।

आप आसानी से आगे होने वाली बातों का अनुमान लगा लेते हैं । आपकी संचार क्षमता भी प्रभावशाली और नजरिया खुला है,इसीलिए जो आप चाहते हैं उसके लिए बहुत मेहनत करें । हमेशा गलतियाँ ढूँढने की फिराक में रहने वाले आक्रामक लोगों के साथ उलझने से बचें । आपको स्वास्थ्यकर आदतें अपनाना थोडा मुश्किल लग रहा है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

कर्ज में गले तक डूबी दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

ठप हो सकता है सरकार का कामकाज!

न्यूयार्क, 3 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरिका में संघीय सरकार का कुल राष्ट्रीय कर्ज 34,000 अरब डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया है. कर्ज के इस स्तर से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में सरकार को देश के बही-खाते को सुधारने के लिए राजनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर कई चुनौतियों से जूझना पड़ेगा।

अमेरिकी वित्त विभाग ने देश की वित्तीय स्थिति पर एक रिपोर्ट जारी की है. यह राजनीतिक रूप से बंटे देश के लिए तनाव पैदा करने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, बिना वार्षिक बजट के सरकार के कामकाज के कुछ हिस्सा ठप हो सकता है. रिपब्लिकन सांसदों और व्हाइट हाउस ने पिछले साल जून में देश की ऋण सीमा को अस्थायी रूप से हटाने पर सहमति व्यक्त की थी, जिससे ऐतिहासिक चूक या 'डिफॉल्ट' का जोखिम टल गया था. यह समझौता जनवरी, 2025 तक चलेगा.

कर्ज अनुमान से भी तेज बढ़ा

अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज कहीं अधिक तेजी से बढ़ा है. कांग्रेस के बजट कार्यालय ने जनवरी, 2020 में वित्त वर्ष 2028-29 में सकल संघीय ऋण 34,000 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान लगाया था. लेकिन 2020 में शुरू हुई कोविड महामारी की वजह से कर्ज इस स्तर पर अनुमान से कई साल पहले पहुंच गया है.

फिलहाल कोई असर नहीं

राष्ट्रीय कर्ज का फिलहाल अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर कोई बोझ नहीं दिख रहा है, क्योंकि निवेशक संघीय सरकार को कर्ज देने को तैयार हैं. यह कर्ज सरकार को कर बढ़ाए बिना कार्यक्रमों पर खर्च जारी रखने की अनुमति देता है. हालांकि, विश्लेषकों का कहना है कि आने वाले दशकों में कर्ज का यह रास्ता राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और स्वास्थ्य जैसे कई बड़े कार्यक्रमों को जोखिम में डाल सकता है.

जापान पर सबसे बड़ा कर्ज

अगर डॉलर या फिस्कल टर्म्स में देखा जाए जो सबसे अधिक राष्ट्रीय कर्ज यूएस पर है. लेकिन इसे अगर जीडीपी के अनुपात में देखा जाए तो जापान दुनिया के विकसित देशों में सबसे ज्यादा कर्ज वाला देश है. जापान पर उसकी जीडीपी के मुकाबले 260 फीसदी कर्ज है. वही यूएस पर उसकी जीडीपी के मुकाबले 121 फीसदी कर्ज है.

भारत को तेल की आपूर्ति करने को तैयार हुआ वेनेजुएला

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पेट्रोलियम सचिव पंकज जैन ने बताया है कि वेनेजुएला लंबित लाभांश के बदले ओएनजीसी विदेश लिमिटेड (ओवीएल) को कच्चे तेल की आपूर्ति करने पर सहमत हो गया है। उन्होंने कहा, ओवीएल के बकाया के बदले हमें कुछ तेल देने पर सहमत हो गए हैं। पेट्रोलियम सचिव ने कहा, 'हम तारीखें बताए जाने का इंतजार कर रहे हैं। अमेरिका की ओर से अक्टूबर में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र पर प्रतिबंधों में ढील देने के बाद यह एलान किया गया है। मादुरो के 2018 में फिर से चुने जाने के बाद उनकी सरकार को दंडित करने के लिए ये प्रतिबंध लगाए गए थे। इससे पहले, पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत वेनेजुएला का तेल खरीदेगा, यह कहते हुए कि भारतीय रिफाइनरियां दक्षिण अफ्रीकी देश से भारी तेल का प्रसंस्करण करने में सक्षम हैं। पुरी ने एक कार्यक्रम में संवाददाताओं से कहा कि नई दिल्ली किसी भी ऐसे देश के साथ तेल आयात फिर से शुरू करने की इच्छुक है, जिस पर प्रतिबंध नहीं है।

तेल मंत्री ने पेट्रोल, डीजल की कीमतों में कटौती करने से किया इनकार

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को कहा कि फिलहाल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं है। कच्चे तेल की कीमतें अभी बहुत ज्यादा अस्थिर हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव में वायदा किया था कि चुनाव के बाद पेट्रोल-डीजल की कीमतों की समीक्षा की जाएगी। राजस्थान में भी तेल की कीमतें कम होंगी। क्योंकि यहां देश में सबसे महंगा पेट्रोल मिलता है।

मंत्री ने ईंधन की कीमत में कटौती के बारे में मीडिया रिपोर्टों की अटकलों को खारिज करते हुए कहा कि सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता ऊर्जा की उपलब्धता बनाए रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में जब कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही थीं तो तेल विपणन कंपनियों - इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल को भारी नुकसान हुआ था। मंत्री ने कहा कि ईंधन की कीमतों में कटौती पर तेल विपणन कंपनियों के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है और वे मूल्य निर्धारण के मामले में सकारात्मक स्थिति चाहते हैं। मंत्री ने बताया कि भारत एकमात्र ऐसा देश है जहां हाल के महीनों में ईंधन की कीमतें कम हुई हैं। पुरी ने कहा, दक्षिण एशियाई देशों में, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 40-80 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यदि आप पश्चिमी औद्योगिक दुनिया को देखें, तो वहां कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन भारत में कीमतें कम हुई हैं। उन्होंने कहा, दूरदर्शी नेतृत्व के कारण हम ऐसा करने में सक्षम हैं। केंद्रीय उत्पाद शुल्क में कटौती दो मौकों पर की गई, नवंबर 2021 और मई 2022 में और इसे हमने 2023 में जारी रखा।

‘नर्क का द्वार’ खोलेगा चीनी शिप

समंदर में ड्रिलिंग कर धरती के अंदर पहुंचने को तैयार मेनजियांग जहाज की कहानी

बीजिंग, 3 जनवरी (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 1864 में फ्रेंच राइटर ‘जूल्स वर्ने’ ने ‘जर्नी टू द सेंटर ऑफ द अर्थ’ नाम का एक नावेल लिखा। बाद में इस पर फिल्म भी बनी। इस साइंस फिक्शन का हीरो एक साइंटिस्ट है। उसे एक नक्शा मिलता है, जिसकी मदद से वह पृथ्वी के केंद्र में जाता है। हीरो को यहां नर्क का द्वार मिलता है। जिसके आगे की दुनिया में अजीब से जानवर, समुद्र और ज्वालामुखी हैं।

ये तो बात हुई पृथ्वी के अंदर की कल्पना की। वास्तविकता में पृथ्वी की गहराइयों में क्या-क्या रहस्य छिपे हैं, इसकी बहुत जानकारी नहीं है। चीन ने एक ऐसे डीप ड्रिलिंग शिप को ट्रायल पर उतारा है, जो समुद्र के नीचे ड्रिलिंग कर पृथ्वी के मेंटल तक जाने की कोशिश करेगा। अगर सफल होता है तो ऐसा करने वाला दुनिया का पहला जहाज होगा। इस शिप का नाम मेंगजियांग है, जिसका मतलब ‘ख्वाब’ होता है। आज जानेंगे मेंगजियांग शिप की कहानी, जो धरती के नीचे के रहस्य जानने के चीनी ख्वाब को पूरा कर सकता है।

चाइना ग्लोबल टेलिविजन नेटवर्क यानी सीजीटीएन की खबर के अनुसार इस मेंगजियांग शिप को 150 रिसर्च आर्गनाइजेशन और कंपनियों ने मिलकर बनाया है। लागत को लेकर कोई खुलासा नहीं किया गया है। एक बार समुद्र में उतरने पर लगातार चार महीने तक काम कर सकता है। इसे रसद लेने भी बंदरगाह पर नहीं आना पड़ता। पश्चिमी प्रशांत महासागर के मारियाना आइसलैंड पर 11,034 मीटर दुनिया का सबसे गहराई वाला एरिया है और मेंगजियांग की ड्रीलिंग क्षमता 11,000 मीटर है। कई बार समुद्र से निकले वाली चीजों के नमूने ऐसे होते हैं कि किनारे या लैब तक आते-आते खराब हो जाते हैं। मेंगजियांग पर दुनिया की सबसे बड़ी चलती-फिरती लैब भी बनाई गई है। मेंगजियांग के चीफ डिजाइनर झांग हैबिन कहते हैं कि यह शिप समुद्र की गहराई में जाकर यह पता लगाने में मदद करेगा कि कैसे एनर्जी रिसोर्स, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री ऊर्जा निर्माण का उपयोग किया जाए।

1960 के दशक की शुरुआत में अमेरिकी वैज्ञानिकों ने मेंटल तक पहुंचने की कोशिश शुरू की थी। आज तक कोई भी ड्रिलिंग पृथ्वी की पहली सतह क्रस्ट के आगे भी नहीं जा पाई है। चीन का मेनजियांग शिप समुद्र की गहराई में ड्रिलिंग करके धरती के क्रस्ट को पार करके मेंटल में दाखिल हो सकता है। सफल हुआ तो ऐसा करने वाला दुनिया का पहला शिप होगा। हांगकांग के मीडिया हाउस ‘बीएनएन ब्रेकिंग’ की खबर के अनुसार मेंटल की खोज से प्लेट टेक्टोनिक्स के बारे में कई जानकारियां मिल पाएंगी। इसके अलावा भी ये नई बातें हो सकती हैं।

जबरदस्त तापमान में जिंदा रहने वाले जीव मिल सकते हैं

चीन के झेजियांग विश्वविद्यालय में समुद्री विज्ञान विभाग के भूविज्ञानी ली चुन-फेंग के मुताबिक, अल्ट्रा-डीप बोरहोल के पत्थरों के सैंपल से प्लेट टेक्टोनिक्स, समुद्री क्रस्ट, प्राचीन महासागर जलवायु और समुद्री संसाधनों को समझने में मदद मिलेगी। संभव है कि मेंटल के भीतर जीवन मौजूद हो। ऐसे जीव भी हो जो अत्यधिक तापमान और दबाव का सामना कर पाने में सक्षम हों। ली चुन-फेंग बताते हैं कि पेरिडॉटाइट मेंटल की ऊपरी परत में पाई जाने वाली चट्टानें हैं, जो पृथ्वी की ऊपरी परत के दबाव के कारण सख्त होती है। पेरिडॉटाइट मीथेन और हाइड्रोजन से मिलकर बनी होती है। यदि हम

मेनजियांग शिप की मदद से वहां तक पहुंच पाए तो प्रॉपर रिसर्च हो सकेगी जिससे इंसान को ऊर्जा का एक और विकल्प मिल सकता है।

जलने वाली बर्फ के बारे में जान सकेंगे

इंटरेस्टिंग इंजीनियरिंग के आर्टिकल के अनुसार मेंगजियांग शिप फ्लैमेबल आइस यानी ज्वलनशील बर्फ की संभावना तलाश सकता है। यह पानी का ही एक रूप है, जिसमें प्राकृतिक गैस होती है। ये लगभग मीथेन जैसी होती है, जिससे बर्फ में आग लगी होती है। हालांकि इसे एनवार्यनमेंट फ्रेंडली सोर्स ऑफ एनर्जी नहीं माना जाता है। अनुमान है कि चीनी जमीन के नीचे के पानी में 8000 करोड़ टन फ्लैमेबल आइस का भंडार है।

समुद्र में सत्ता की लड़ाई को बढ़ावा मिलेगा

प्रोफेसर वान बायन का अनुमान है कि इस रिसर्च के चलते समुद्र में अधिकार की लड़ाई भी बढ़ जाएगी। चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है। यहां से हर साल 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का कॉमर्शियल शिपिंग बिजनेस होता है। फिलीपींस, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया और ब्रुनेई भी इसके कुछ हिस्से पर अपना दावा करते हैं। फिलीपींस दक्षिण चीन सागर के हिस्से को फिलीपींस सागर कहता है। दोनों का विवाद दो देशों के मतभेद को सुलझाने वाले नीदरलैंड स्थित परमानेन्ट कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) में गया था। पीसीए ने 2016 में कहा था कि चीन जिस समुद्री हिस्से पर अपना दावा करता है उसका कोई आधार नहीं है। पीसीए के इस फैसले का अमेरिका ने भी समर्थन किया था, लेकिन चीन ने पीसीए का आदेश मानने से इनकार कर दिया था।

रोज करोड़ों रुपए का खर्च

हुनान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के प्रोफेसर वान बायन के मुताबिक थ्योरी के अनुमान से की गई ड्रिलिंग और प्रैक्टिकल ड्रिलिंग में बहुत अतंर होता है। समुद्र के तल से 7000 मीटर नीचे हाई टेम्प्रेचर की वजह से प्रेशर ड्रिलिंग में समस्या पैदा हो सकती है। वान की लीडरशिप में चीन ने पहली बार समुद्र में ड्रिलिंग की थी। वान ने बताया कि अब तक हम समुद्र में रिसर्च के लिए कुछ हजार टन की क्षमता वाले जहाजों से ड्रिलिंग करते थे। इसके लिए रोज हमें करीब 25 लाख रुपए रोज तक खर्च करना पड़ते थे। मेंगजियांग की माल ढोने की क्षमता तो 33 हजार टन है, चीन को इसके लिए रोज करोड़ों रुपए खर्च करना पड़ेंगे।

झारखंड के कई जिलों में छाया कोहरा, गिरा पारा

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में बदलते मौसम का असर दिखने लगा है। पिछले 24 घंटे में राज्य में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने राज्य के कुछ हिस्से में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश का अनुमान लगाया है। वहीं राज्य के कुछ हिस्सों में कोहरा छाया है। जिससे विजिबिलिटी कम हुई है। कोहरे और धुंध के कारण ठंड का सितम बढ़ गया है। हिमालय से सटे इलाकों में हो रही बर्फबारी का असर झारखंड के मौसम पर पड़ रहा है। आने वाले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है क्योंकि पश्चिमी विछोभ के कारण राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश होने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार 7 जनवरी तक राज्य के कुछ जिलों में बारिश हो सकती है। राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक बादल छाए रहेंगे। जिन जिलों में मौसम में बड़े बदलाव और बारिश की संभावना है, उनमें गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार है। 6 और 7 जनवरी को पूरे राज्य भर में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश के आसार हैं। 8 जनवरी से मौसम में फिर बदलाव महसूस किए जाने की संभावना है। इसके बाद पूरे राज्य भर में मौसम साफ हो सकता है। धूप तेज हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार 8 तारीख से पश्चिम विछोभ का असर कम हो जायेगा।

झारखंड में ईडी की कार्रवाई

सीएम सोरेन के मीडिया सलाहकार समेत जेएमएम नेताओं के करीबियों के ठिकानों पर छापेमारी

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड में प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने सुबह-सुबह कई जगहों पर छापेमारी की। बताया गया है कि ईडी ने अवैध खनन मामले में झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेताओं के करीबियों के ठिकानों पर छापे मारे हैं।

ईडी की एक टीम सोरेन के मीडिया सलाहकार अभिषेक प्रसाद उर्फ पिंटू के यहां भी पहुंची है। अभिषेक प्रसाद के घर के साथ ईडी की टीमें 12 अलग-अलग जगहों पर रेड कर रही है। इसके अलावा साहेबगंज के डिप्टी कमिश्नर के आवास पर भी छापेमारी की गई।

झारखंड में राजधानी रांची के अलावा राजस्थान के एक परिसर में भी ईडी की टीम पहुंची। छापेमारी की कार्रवाई के दौरान ईडी अधिकारियों के साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों का एक सशस्त्र दल भी साथ में है।

क्या है अवैध खनन मामला?

ईडी 2022 से राज्य में कथित अवैध खनन से अर्जित आपराधिक आमदनी के 100 करोड़ रुपये के स्रोत की जांच कर रही है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच तब शुरू हुई जब ईडी ने जुलाई, 2022 में राज्य में अवैध खनन के मामले में सोरेन के राजनीतिक सहयोगी पंकज मिश्रा और उनके कथित सहयोगियों के परिसरों पर छापा मारा था। इसमें टोल प्लाजा निविदाओं के संचालन में कथित अनियमितताओं की जांच के तहत झारखंड के साहिबगंज, बरहेट, राजमहल, मिर्जा चौकी और बरहरवा में 19 स्थानों पर छापेमारी की गई।

ईडी ने कहा था कि जांच में मिले सबूतों में कई लोगों के बयान, डिजिटल सबूत और दस्तावेज शामिल किए गए हैं। इन सबूतों से पता चला कि आरोपियों से जब्त की गई धनराशि वन क्षेत्र सहित साहिबगंज क्षेत्र में बड़े पैमाने पर किए जा रहे अवैध खनन से प्राप्त की गई थी।

राजिम पुन्नी मेले को मिल सकता है कुंभ का दर्जा

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की कैबिनेट की तीसरी बैठक बुधवार यानी आज होने वाली है। ये पहली बैठक होगी जिसमें प्रदेश के सभी नए मंत्री शामिल होंगे। इससे पहले हुई कैबिनेट की बैठक में सीएम और दोनों डिप्टी सीएम ही शामिल होते रहे हैं। मंत्रिमंडल की इस बैठक में राजिम पुन्नी मेले को फिर कुंभ का दर्जा मिल सकता है। मोदी की गारंटी और मिशन 100 दिन में पूरे होने वाले वादों को लेकर अहम फैसले होंगे। साय कैबिनेट की बैठक में सीजीपीएससी गड़बड़ी की जांच, धान खरीदी का समय बढ़ाना और रामलला दर्शन योजना जैसे प्रस्तावों पर मुहर लग सकती है। साय कैबिनेट की पहली बैठक में 18 लाख गरीबों को पक्का मकान देने के वादे पर मुहर लगाई गई थी। जबकि दूसरे कैबिनेट में अनुपूरक बजट को मंजूरी दी गई थी। सीजीपीएससी में हुई गड़बड़ी को लेकर बातचीत होगी और इसमें इसकी जांच किससे करानी है, इस पर भी फैसला होगा।

सौरव गांगुली ने की सीएम साय से मुलाकात

मुख्यमंत्री से पूछा- क्या यहीं पीएम मोदी ने ली थी बाघ के साथ फोटो?

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान आज बुधवार को सीएम विष्णुदेव साय से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने सीएम को हस्ताक्षरित बल्ला भेंट किया। वहीं मुख्यमंत्री ने उन्हें राजकीय गमछा और प्रदेश का राजकीय पशु बेल मेटल से बने वनभैंसे की मूर्ति भेंट की। गांगुली ने मुख्यमंत्री को नववर्ष की बधाई और शुभकामनाएं दीं। वहीं मुख्यमंत्री ने भी उन्हें बधाई दी। इस दौरान क्रिकेट, छत्तीसगढ़ और विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। इस दौरान गांगुली ने सीएम से पूछा कि क्या पीएम मोदी ने बाघ के साथ फोटोग्राफ यहीं लिया था? क्या कान्हा छत्तीसगढ़ में है? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कान्हा हमारे पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश में है। रायपुर में जंगल सफारी है। यहीं पर प्रधानमंत्री मोदी ने बाघ के साथ फोटो ली थी।

इस पर गांगुली ने कहा कि हां, बाघ के साथ फोटो लेते हुए पीएम मोदी का एक फोटोग्राफ मैंने देखा था। बातचीत में सीएम ने कहा

कि यहां का सुगंधित चावल प्रसिद्ध है। जो अयोध्या रामलला को भी भेजा गया है।

अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में राम लला प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भोग के लिए छत्तीसगढ़ से 3000 क्विंटल सुगंधित चावल भेजा गया है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ शासन ने अपनी रामलला दर्शन योजना के तहत राज्य के नागरिकों को निःशुल्क अयोध्या दर्शन कराने का भी फैसला लिया है। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि आपके आफसाइड शाट रोमांचित करते थे। जब आप क्रीज में होते थे, तो हम सब बहुत रोमांचित रहते थे। विशेष रूप से आपके आफसाइड शाट हम सबको बहुत रोमांचित करते थे।

'क्रिकेट से था गहरा लगाव, सीएम साय खुद लकड़ी से बनाते थे बैट'

चर्चा के दौरान गांगुली ने मुख्यमंत्री से क्रिकेट में रुचि के बारे में पूछा। मुख्यमंत्री ने बताया कि क्रिकेट में इतनी रुचि थी कि गांव में क्रिकेट खेलने लकड़ी से खुद बल्ला तैयार करते थे। जशपुर जिले के बारे में बताते हुए उन्होंने बताया कि हमारे यहां हाकी खेली जाती है। यहां पर पहाड़ी कोरवा जनजाति तीरंदाजी बहुत कौशल से करते हैं इसलिए तीरंदाजी में भी खिलाड़ी खूब रुचि लेते हैं।

'पसंद आया नवा रायपुर का क्रिकेट स्टेडियम'

गांगुली ने बताया कि वो पहली बार छत्तीसगढ़ आये हैं। यहां नवा रायपुर का क्रिकेट स्टेडियम बहुत अच्छा है। मुझे बताया गया कि यहां अंतरराष्ट्रीय मैच हुए हैं और सचिन जैसे मशहूर खिलाड़ी भी यहां खेल चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से यह भी पूछा कि आपका कभी कोलकाता में आना हुआ क्या? मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में स्टील मंत्रालय देखने के दौरान कोलकाता काफी जाना होता था।

इस अवसर पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी, विधायक सम्पत अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव डॉ. पी. दयानन्द भी उपस्थित थे। विधायक अग्रवाल ने मुख्यमंत्री और गांगुली को इस मौके पर जगन्नाथ पुरी से लाया गया भगवान जगन्नाथ का प्रसाद और छायाचित्र भेंट किया।

छत्तीसगढ़ में आज बारिश की चेतावनी

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के मौसम में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। 4 जनवरी से सरगुजा संभाग और उससे लगे जिलों में हल्की बारिश हो सकती है, जो अगले दो से तीन दिनों तक जारी रह सकती है। बारिश के बाद 3 से 4 दिनों तक बादल छाए रहने की संभावना है। मौसम में ये बदलाव दक्षिण-पूर्व से आने वाली हवा की वजह से हो रहा है। इसके बाद अगले तीन दिनों में रात का तापमान 2 से 3 डिग्री तक बढ़ सकता है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में बुधवार सुबह से धूप-छांव वाला मौसम है। मंगलवार को सबसे कम न्यूनतम तापमान नारायणुर में 9.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

अभी दक्षिण-पूर्व से आने वाली हवा की गति बढ़ने के आसार बन रहे हैं, जिसकी वजह से नमी की ज्यादा मात्रा प्रदेश पहुंचने से अगले तीन दिन के भीतर रात के तापमान में दो से तीन डिग्री की वृद्धि होगी और ठंड का प्रभाव और कम होने की संभावना है।

22 जनवरी को छत्तीसगढ़ में ड्राई-डे

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। 22 जनवरी को छत्तीसगढ़ में ड्राई-डे घोषित किया गया है। इस दिन अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है। इसके चलते मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने ड्राई-डे की घोषणा की। इसके साथ ही 100 टन सब्जियां भी राम के ननिहाल छत्तीसगढ़ से अयोध्या भेजी जाएगी। इन सब्जियों से राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भोग लगाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूरे प्रदेश में शुष्क दिवस घोषित करने का फैसला सरकार ने लिया है। इस दिन पूरे प्रदेश में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। साथ ही 22 जनवरी को दीपावली जैसा माहौल रहेगा। प्रगतिशील किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री साय से मुलाकात करने पहुंचा था। उन्होंने किसानों के एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को आने का न्योता दिया साथ ही इस दौरान किसानों ने 100 टन सब्जियों को अयोध्या भेजने का प्रस्ताव भी रखा। इस प्रस्ताव का मुख्यमंत्री ने स्वागत किया। इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भगवा ध्वज दिखाकर 11 ट्रकों को रवाना किया था। जिससे रामलला के मंदिर में होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के चावल से भगवान राम को भोग लगेगा। इसके साथ ही देश भर से आने वाले राम भक्तों को प्रसाद का भी वितरण किया जाएगा। 300 टन चावल का इंतजाम छत्तीसगढ़ राइस मिलर्स एसोसिएशन की ओर से किया गया था। इस कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने बताया था कि छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल माना जाता है और ऐसे में हम ननिहाल वालों की जिम्मेदारी है कि भगवान की जन्मभूमि में हो रहे भव्य आयोजन में कोई कमी ना रहे। छत्तीसगढ़ में मिलने वाले सबसे अच्छे किस्म के चावल को भगवान राम के लिए भेजा गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव ने कहा था कि छत्तीसगढ़ के राइस मिलर्स बंधुओं ने 300 टन चावल अयोध्या भेजा है। छत्तीसगढ़ की धरती से ऐसा किया गया है, यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। अयोध्या में इस चावल से भगवान को भोग लगेगा। ट्रकों को रवाना करने के बाद मुख्यमंत्री ने राम मंदिर में जाकर भगवान राम से प्रदेश की खुशहाली की कामना करते हुए पूजा भी की थी। अयोध्या से श्रीलंका तक की 14 साल की यात्रा में लगभग 248 ऐसे प्रमुख स्थल हैं, जहां भगवान श्रीराम ने या तो विश्राम किया या फिर उनसे उनका कोई रिश्ता जुड़ा है। इसमें सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव छत्तीसगढ़ है। 14 साल के वनवास के 10 साल भगवान श्रीराम ने यहीं गुजारे। भगवान राम की मां कौशल्या को भी छत्तीसगढ़ का ही बताया जाता है। छत्तीसगढ़ को प्राचीन काल में कोसल प्रदेश कहा जाता था, यहां की होने की वजह से उनका नाम कौशल्या पड़ा।

रेत की तस्करी कर रहा ट्रैक्टर पलटा

कोरबा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कोरबा जिले में अवैध रूप से रेत की तस्करी कर रहे ट्रैक्टर ड्राइवर की मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसके नीचे ड्राइवर आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, सिविल लाइन थाना अंतर्गत करमंदी नाले के पास रेत की अवैध तस्करी की जा रही थी। बुधवार सुबह ट्रैक्टर में रेत लोड कर ड्राइवर निकल ही रहा था, जहां जल्दबाजी के कारण तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और पलट गया। इंजन के नीचे दब जाने से ड्राइवर की मौत हो गई। जब राहगीरों की नजर उस पर पड़ी, तब उन्होंने इसकी सूचना सिविल लाइन थाना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्राइवर को ट्रैक्टर के नीचे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पत्नी को सीएम बनाना हेमंत के लिए आसान नहीं

पार्टी से लेकर परिवार को बचाने की चुनौती, झारखंड में क्या हैं विकल्प

रांची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एक बार फिर से सियासी संकट में हैं। एक तरफ जहां जमीन घोटाले में उन पर ईडी का शिकंजा कसता जा रहा है तो दूसरी तरफ अवैध खनन मामले एक बार फिर से बाहर आने के संकेत हैं। दोनों ही मामले में उनकी सीएम की कुर्सी खतरे में हैं। ऐसे में झारखंड में सियासी उथल-पुथल शुरू हो गई है। राज्य में भाजपा की चाल को भांपते हुए सीएम किसी भी तरह का कोई रिस्क नहीं लेना चाहते हैं। आयोग का फैसला आने से पहले वे अपने सहयोगी और पार्टी के नेताओं के साथ मंत्रणा कर हर विकल्प को पुख्ता कर लेना चाहते हैं। यही कारण है कि उन्होंने महागठबंधन के विधायक दलों की बैठक भी बुलाई है। इससे पहले 31 दिसंबर को ही वे गांडेय विधायक का इस्तीफा करा कर एक उपचुनाव का रास्ता क्लियर कर लिए हैं। गांडेय विधायक के इस्तीफा के बाद झारखंड के सियासी गलियारे में अटकलें शुरू हो गई है कि हेमंत सोरेन अपनी पत्नी को सीएम बना सकते हैं। हालांकि वे इसे भाजपा का नैरेटिव बता रहे हैं। पॉलिटिकल एक्सपर्ट कहते हैं कि पत्नी की सीएम के रूप में ताजपोशी हेमंत सोरेन के लिए आसान नहीं होगा। कल्पना सोरेन को सीएम बनाने के बाद उनके सामने परिवार से लेकर पार्टी तक को बचाने की चुनौती होगी। पॉलिटिकल एक्सपर्ट की मानें तो हेमंत सोरेन कभी नहीं चाहेंगे कि सत्ता उनके परिवार से बाहर किसी के हाथ में जाएं। पिता शिबू सोरेन और मां रूपी सोरेन की उम्र और खराब सेहत इसमें रोड़ा बन सकता है। ऐसे में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ही एकमात्र विकल्प बचती हैं।

रमन सिंह के बंगले में रहेंगे भूपेश बघेल

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के विधानसभा अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री, मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री को आवास अलॉट किया गया है। इस संबंध में गृह विभाग के संयुक्त सचिव ने आदेश जारी करते हुए बंगले का आवंटन कर दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अब पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह के बंगले में रहेंगे। वहीं पूर्व डिप्टी सीएम सिंहदेव का बंगला वर्तमान डिप्टी सीएम अरुण साव को मिला है। एक और डिप्टी सीएम विजय शर्मा अब ताम्रध्वज साहू के बंगले में रहेंगे। हालांकि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अभी भी पहुना में ही रह रहे हैं।

साय कैबिनेट के अलावा विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को भी बंगला अलॉट किया गया है। यह आदेश 2 जनवरी को मंत्रालय महानदी भवन से गृह विभाग की ओर से जारी किया गया है। भूपेश बघेल ने अभी तक अपना सरकारी आवास खाली नहीं किया है।

बीजेपी ने बघेल के सरकारी आवास खाली नहीं करने पर सवाल खड़ा किया है। बीजेपी प्रवक्ता ने कहा कि हार के बाद भी भूपेश बघेल हार को पचा नहीं पाए हैं।

छत्तीसगढ़ में 27 नए कोरोना मरीज मिले

रायपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मंगलवार को कोरोना के 27 नए मरीज मिले हैं। रायगढ़ में 9, दुर्ग में 5, रायपुर में 4, बस्तर, कोरिया, बेमेतरा से 2-2, बालोद, धमतरी ,सुकमा से 1-1 मरीज की पहचान हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने कुल 4,662 लोगों की जांच की थी। इससे पहले जांच में 15 संक्रमित मिले थे। वर्तमान में प्रदेश में 107 एक्टिव केस हैं। 6 लोग होम आइसोलेशन में इलाज के दौरान ठीक हो चुके हैं। हेल्थ डिपार्टमेंट के मुताबिक प्रदेश में कोरोना संक्रमण की पॉजिटिविटी दर 0.58% है। प्रदेश में लगातार कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। 21 दिसंबर को रायपुर, बिलासपुर और कांकेर में 1-1 कोरोना के मरीज मिले थे। स्वास्थ्य विभाग ने खांसी बुखार या कोरोना से संबंधित कुछ लक्षण नजर आने पर जांच की अपील भी की है। लोग अपने नजदीकी जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जाकर जांच करवा सकते हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सभी हेल्थ सेंटर में कोरोना संक्रमण की जांच की व्यवस्था की गई है। कोरोना के मरीज बढ़ते ही पाबंदियां बढ़ने लगी हैं।

भूकंप में मरने वालों की संख्या 64

पीएम ने बचाव कार्य के लिए रक्षा बलों की संख्या बढ़ाने का लिया फैसला

टोक्यो, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल के दिन सोमवार एक जनवरी को जापान में लगातार 155 भूकंप के झटके महसूस किए गए थे, जिसमें मरने वालों की संख्या अब बढ़कर 64 हो चुकी है। मलवे और टूटी हुई सड़के बचाव कार्य में बाधा बन रही है।

बारिश और भूस्खलन की संभावना

भूकंप के कारण इशीकावा प्रांत के वाजिमा शहर में कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में आग भी लग गई। हालांकि, अबतक कितनी क्षति हो चुकी है इसका आकलन अभी तक नहीं हो पाया है। जापान के मौसम विभाग ने भूकंप के बाद गुरुवार को रुक-रुक कर बारिश के साथ भूस्खलन की संभावना जताई है। जापान के रक्षाबलों (जेएसडीएफ) को क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य के लिए भेज दिया गया है। वे हेलीकॉप्टर के जरिए क्षतिग्रस्त इलाकों में लोगों को जरूरत की चीजें पहुंचाएंगे। स्थानीय अधिकारियों ने केंद्र सरकार से रेस्क्यू मिशन के लिए एसडीएफ कर्मियों को भेजने का अनुरोध किया था।

दो विमानों की टक्कर के बाद पीएम किशिदा का आया बयान

बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कहा कि सरकार ने क्षतिग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य करने वाले एसडीएफ कर्मियों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है। पीएम किशिदा का बयान तब आया जब मंगलवार को टोक्यो के हनेड़ा एयरपोर्ट पर जापान एयरलाइंस को. प्लेन और जापान तटीय रक्षक का विमान रनवे पर आपस में ही टकरा गए। दोनों ही विमानों में रेस्क्यू सामग्री ले जाया जा रहा था। पीएम किशिदा ने इस घटना का जिक्र करते हुए कहा, 'उम्मीद करता हूं कि इस घटना का ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ा है और क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने का कार्य जारी है।'

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि भूकंप के कारण इमारतों के ढहने से कई लोग अभी भी उस मलवे में दबे हुए हैं। वाजिमा शहर में एक जनवरी को सात की तीव्रता से भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

नए साल में पाकिस्तान को बड़ा झटका

पासपोर्ट रैंकिंग में महापतन, यूएई ने किया कमाल

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल में दुनियाभर के पासपोर्ट की नई रैंकिंग आ गई है। ताजा रैंकिंग में जहां संयुक्त अरब अमीरात ने कमाल कर दिया है, वहीं पाकिस्तान का महापतन हो गया है। खाड़ी देश संयुक्त अरब अमीरात के पासपोर्ट को दुनिया में सबसे शक्तिशाली माना गया है। यूएई के पासपोर्ट धारक नागरिक को दुनिया के 130 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिल रही है। यूएई की कुल मोबिलटी स्कोर 180 माना गया है। वहीं पाकिस्तान को 47 मोबिलिटी स्कोर मिला है जो दुनिया में 5वां सबसे कम शक्तिशाली पासपोर्ट है। इस ताजा रैंकिंग में भारत को 77वां स्थान मिला है। ग्लोबल सिटिजनशिप फाइनेंशियल एटवाइजरी कंपनी एर्टन कैपिटल ने यह रैंकिंग जारी की है। इसमें कहा गया है कि यूएई का पासपोर्ट रखने वाले नागरिक 130 देशों में बिना पहले वीजा लिए यात्रा कर सकते हैं। वहीं 50 देश ऐसे हैं जो यूएई के नागरकों को वीजा ऑन अराइवल की सुविधा देते हैं। गल्फ टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक एर्टन कैपिटल ने बताया कि यूएई की सकारात्मक कूटनीति की वजह से ही उसके पासपोर्ट की ताकत इतना ज्यादा बढ़ गई है। इस लिस्ट में दूसरा स्थान जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, नीदरलैंड और इटली को मिला है।

इन देशों को 178 मोबिलिटी स्कोर मिला है जो यह बताता है कि इनके पासपोर्ट को रखने वाले नागरिक 178 देशों में घुस सकते हैं। वहीं स्वीडन, फनिलैंड, लग्जमबर्ग, ऑस्ट्रिया और स्विटजरलैंड के पासपोर्ट धारक को 177 देशों में जाने की अनुमति है। वहीं भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान को इस लिस्ट में सबसे निचले स्तर पर मौजूद देशों में स्थान मिला है। पाकिस्तान को 47 वां स्थान मिला है। पाकिस्तानी पासपोर्ट रखने वाले नागरिकों को दुनिया के केवल 11 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिल सकती है। पाकिस्तान के बाद सोमालिया, अफगानिस्तान, इराक और युद्धग्रस्त सीरिया है। वहीं भारत की बात करें तो इंडिया को 77 वां स्थान मिला है। भारत के पासपोर्टधारक को 26 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिलती है।

भारत के एस-400 से डरा पाकिस्तान

चीन से खरीदेगा 'नकलची' लड़ाकू विमान जे-31, मुनीर का ऐलान

इस्लामाबाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट योजना और एस-400 एयर डिफेंस सस्टिम से घबराया पड़ोसी पाकिस्तान एक बार फिर से अब चीन की शरण में पहुंचता दिख रहा है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने ऐलान किया है कि उनका देश निकट भविष्य में चीन से जे-31 स्टील्थ फाइटर जेट खरीदेगा। असीम मुनीर ने पाकिस्तानी वायुसेना की एक परेड में चीन के जे-10 फाइटर जेट की उड़ान देखी। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन ने जे-31 फाइटर जेट को अमेरिका के पांचवीं पीढ़ी के फाइटर जेट एफ-22 और एफ-35 की नकल करके बनाया है। पाकिस्तान की योजना भारत के राफेल, सुखोई जैसे चौथी पीढ़ी के फाइटर जेट और एस-400 जैसे ताकतवर एयर डिफेंस सिस्टम को मात देने की है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने कहा कि देश की वायुसेना को आधुनिक बनाने के अभियान के तहत चीन से जे-31 फाइटर जेट को खरीदा जाएगा। भारत का पांचवीं पीढ़ी का फाइटर जेट जहां अभी विकास के क्रम में है, वहीं चीन का जे-31 बनकर तैयार है और हाल ही में उसका प्रदर्शन भी किया गया था। जनरल मुनीर ने यह बयान चीन से खरीदे जे-10 की उड़ान को देखने के बाद दिया। पाकिस्तान ने भारत के राफेल फाइटर जेट को मात देने के लिए चीन से जे-10 फाइटर जेट वमिान खरीदा है जो इजरायली विमान की नकल करके चीन ने तैयार किया है।

चीन का जे-31 विमान कितना ताकतवर?

इस चीनी विमान जे-10 के आने के बाद अब पाकिस्तानी वायुसेना अपनी लंबी दूरी तक मार करने की क्षमता को बढ़ाने के लिए जे-31 खरीदने जा रही है। चीन का दावा है कि यह जे-31 विमान स्टील्थ तकनीक से लैस है और रेडॉर की पकड़ में नहीं आता है। पाकिस्तान को उम्मीद है कि वह जे-31 की मदद से भारत के एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम को मात दे सकेगी और अंदर घुसकर तबाही मचा सकेगी। पाकिस्तान के इस प्लान से जहां उसकी मार क्षमता काफी बढ़ जाएगी, वहीं भारत के लिए बड़ा खतरा बन सकता है।

श्रीलंका में चीन के जासूसी जहाजों को एंट्री नहीं

एक साल तक नहीं पहुंच पाएगा हंबनटोटा पोर्ट यहीं से हिंद महासागर में जासूसी करता है

वॉशिंगटन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र में बड़ी कूटनीतिक जीत हासिल की है। श्रीलंका ने चीन के जासूसी जहाजों की एंट्री पर एक साल के लिए रोक लगा दी है। चीन का जासूसी जहाज शियांग सेंग हॉन्ग 3 इस महीने के अंत में श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह में आने वाला था।

पिछले दो साल के दौरान चीन के दो बड़े जासूसी जहाजों ने श्रीलंका के हंबनटोटा और कोलंबो बंदरगाहों पर लंगर डाला था। कोलंबो के डिफेंस स्टाफ कॉलेज के अटॉर्नी इंदिका परेरा का कहना है कि चीन के जासूसी जहाजों की श्रीलंका में आवाजाही और लंगर डालने के बारे में भारत कई बार विरोध दर्ज करा चुका है।

अमेरिका ने भी श्रीलंका को चेताया था। परेरा के अनुसार श्रीलंका ने भारत और अमेरिका की तरफ से कड़ी आपत्ति दर्ज कराने के बाद चीन के जहाजों पर रोक का कदम उठाया है।

जहाज हिंद महासागर क्षेत्र की मैपिंग करते हैं

चीन के जासूसी जहाज हिंद महासागर की मैपिंग के लिए श्रीलंका में लंगर डालते हैं। श्रीलंका के दक्षिण में हिंद महासागर के अथाह विस्तार में पेट्रोलियम, गैस और मिनरल के भंडार हैं। चीन इनका डेटा जमा करता है। जहाजों से डेटा सैटेलाइट के जरिए चीन पहुंचता है। वहां से डेटा को प्रोसेस करके नेवी को दिया जाता है।

चीन का पूर्वी क्षेत्र प्रशांत महासागर में खुलता है। शेष चीन का 70% हिस्सा लैंड लॉक है। हिंद महासागर के व्यापारिक और सामरिक क्षेत्र में चीन का गेम प्लान श्रीलंका और पाकिस्तान के ग्वादर के जरिए समुद्र में पहुंच बढ़ाना है। 2023 में चीन के 25 जासूसी शिप ने हिंद महासागर में लंगर डाले थे।

चुनावी साल में राष्ट्रपति विक्रमसिंघे का बड़ा दांव

थिंक टैंक फैक्टम की उदिता देवप्रिया का कहना है कि ये राष्ट्रपति रानिल विक्रमासिंघे का चुनावी साल में भारत- अमेरिका को साधने का बड़ा दांव है। संभावना है कि वे अन्य देशों के जासूसी जहाजों की एंट्री पर भी बैन लगा दें। जिससे श्रीलंका को चीन की नाराजगी भी नहीं झेलनी पड़े। चीन का शियांग सेंग हॉन्ग 3 जहाज इसी महीने श्रीलंका पहुंचने वाला था। ये जहाज 2021 में इंडोनेशिया में अपनी लोकेशन को ऑफ कर चीन की सेना को डेटा भेजते पकड़ा गया था।

जापान प्लेन क्रेश में कैसे बचे 379 पैसेंजर-क्रू

टोक्यो/लंदन/ओहियो, 3 जनवरी (एजेंसियां)। नए साल (2024) के पहले दिन जापान में भूकंप आया और 64 लोग मारे गए। इसके जख्म बिल्कुल ताजा थे कि टोक्यो इंटरनेशनल एयरपोर्ट (या हनेडा एयरपोर्ट) पर जापान एयरलाइंस (जेएएल) का प्लेन कोस्ट गार्ड के छोटे एयरक्राफ्ट से टकराकर आग के गोले में तब्दील हो गया। कोस्टगार्ड के एयरक्राफ्ट में मौजूद सभी 6 लोग मारे गए, लेकिन हैरतअंगेज तौर पर जेएएल के पैसेंजर प्लेन में मौजूद 367 पैसेंजर और 12 क्रू मेंबर्स हिफाजत के साथ 'बर्निंग प्लेन' से बाहर आ गए।

सिंगापुर की न्यूज वेबसाइट 'सीएनए' और ब्रिटिश मीडिया हाउस 'द गार्डियन' ने एक्सपर्ट के जरिए सभी पैसेंजर्स को महज 90 सेकंड में इवैक्यूएट (निकालने) करने के बारे में बताया है। इस हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री सरताज अजीज का निधन

पीएम काकड़ समेत कई नेताओं ने जताया शोक

कराची, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री सरताज अजीज का इस्लामाबाद में मंगलवार को निधन हो गया। सरकार और पीएमएल-एन के अधिकारियों ने सोशळ मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। पीएमएल-एन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 'दुखी मन से हम सरताज अजीज के निधन की घोषणा करते हैं। वे एक निष्ठावान और विशाल व्यक्तित्व थे। देश और पार्टी के लिए उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद शाकन अब्बासी ने बताया कि मंगलवार की शाम को इस्लामाबाद में सरताज अजीज का निधन हुआ। उन्होंने कहा कि अजीज ने बहुत योगदान दिया है। उनके निधन पर शोक जताते हुए पूर्व प्रधानमंत्री ने कहा, उन्होंने अपना जीवन साहस, निष्ठा और गरिमा के साथ जीया। सरकारी रेडियो पाकिस्तान के अनुसार, वित्त मंत्रालय में अजीज ने शीर्ष पदों पर काम किया है। उन्होंने आर्थिक नीतियों को आकार देने के साथ पाकिस्तान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीएमएल-एन के महासचिव अहसान इकबाल ने कहा कि अजीज राष्ट्र के लिए एक मत्वपूर्ण संपत्ति थे। राष्ट्र के लिए उनकी सेवाओं को हमेशा याद रखा जाएगा। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने भी उनके निधन पर शोक जताया है। कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवारुल हक काकर ने पूर्व वित्त मंत्री के कामों की सराहना करते हुए उन्हें राष्ट्र के लिए अम संपत्ति बताया है।

इस्लामाबाद में जारी बलूच प्रदर्शन के बीच बलूचिस्तान सरकार ने तुरबत और कोलहू में 44 सरकारी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया। इन सभी कर्मचारियों को बालाच मोला बख्श की कथित हत्या के विरोध में निकाले गए रैलियों और प्रदर्शन में भाग लेने के आरोप में निलंबित किया गया है। मकरान संभाग के कमीश्नर ने एक अधिसूचना जारी कर कहा कि तुरबत में विभिन्न विभागों से 30 सरकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला एक बैठक के दौरान लिया गया था। बैठक में इन कर्मचारियों की पहचान सरकार विरोध रैलियों में भाग लेने वालोंको सहायता प्रदान करने के रूप में की गई है। वहीं कोलहू जिले से 14 कर्मचारियों को प्रदर्शन में भाग लेने और सरकार विरोधी रैलियों मेंसहायता प्रदान करने के लिए निलंबित किया गया है।

साल 2023 में सऊदी अरब ने 170 लोगों को दी मौत की सजा

जमीन पर खोखला साबित हो रहा क्राउन प्रिंस का वादा!

रियाद, 3 जनवरी (एजेंसियां)। बीते साल, 2023 में सऊदी अरब में 170 लोगों को मौत की सजा दी गई है। जिसमें नए साल की पूर्व संध्या यानी 31 दिसंबर को फांसी पर लटकाए गए चार लोग भी शामिल थे। वहीं दिसंबर महीने में 38 लोगों को सजा-ए-मौत दी गई। सऊदी अधिकारियों के मुताबिक, 2023 में 2022 के मुकाबल सजा-ए-मौत दिए जाने के मामलों में वृद्धि हुई है। सऊदी में 2022 में कुल 147 को मौत की सजा दी गई थी, जो 2023 में बढ़ी है। इससे पहले 2019 में सऊदी में रिकॉर्ड 187 लोगों को मौत की सजा दी गई थी।

आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी ने आंतरिक मंत्रालय के बयानों का हवाला देते हुए बताया कि रविवार, 31 दिसंबर को चार लोगों को सजा दी गई, चारों को हत्या का दोषी ठहराया गया था। इनमें दो फांसी उत्तर-पश्चिमी शहर ताबुक में, एक राजधानी रियाद में और एक दक्षिण-पश्चिम में जाजान में दी गई। साल 2023 में जिन 170 लोगों को मौत की सजा हुई उनमें 33 लोगों पर आतंकवाद संबंधी आरोप थे जबकि दो सऊदी सेना के सैनिक थे, जिन पर राष्ट्रद्रोह के आरोप थे।

सऊदी मौत की सजा देने में अग्रणी देश

सऊदी अरब उन देशों में है, जहां सबसे ज्यादा मौत की सजा दी जाती हैं। 2022 में यहां सबसे ज्यादा लोगों को गोली मार कर या सिर काटकर मौत की सजा दी गई थी। संख्या के मामलेमें 2023 में सजा-ए-मौत के मामले सऊदी में और बढ़ गए हैं। सऊदी में मौत की सजा को लेकर वहां की सरकार कोर्ट की मानवाधिकार संगठन अक्सर निंदा करते रहते हैं।

सऊदी में नौ साल पहले किंग सलमान और उनके बेटे क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के सत्ता में आने के बाद मौत की सजा में वृद्धि हुई है। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने हाल के सालों में मृत्युदंड पर अंकुश लगाने का वादा किया है। इसकी वजह ये है कि प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अपने देश की छवि बदलने की कोशिश में जुटे हुए हैं। उन्होंने देश को पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र बनाने के मकसद से कई फैसले किए हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता अक्सर सऊदी अरब की नीतियों की आलोचना करते हैं, इस छवि को मोहम्मद बिन सलमान उलटना चाहते हैं लेकिन 2023 में मृत्युदंड के मामले और बढ़ गए हैं।

ब्रिटेन में 16 साल की लड़की से वर्चुअल गैंगरेप

पुलिस बोली- पीड़िता को असल दुनिया में रेप जितना ही सदमा पहुंचा, जांच शुरू

लंदन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। ब्रिटेन में पहली बार एक 16 साल की लड़की से मेटावर्स में रेप का मामला सामने आया है। ब्रिटिश पुलिस के मुताबिक,पीड़िता का आरोप है कि एक वर्चुअल रिएलिटी गेम में कुछ अनजान लोगों ने उसके अवतार के साथ गैंगरेप किया।

इस दौरान उसे शारीरिक तौर पर तो कुछ नुकसान नहीं पहुंचा है, लेकिन अधिकारियों के मुताबिक उसके दिमाग पर रेप पीड़िता जितना ही गहर असर पड़ा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पीड़िता ने वर्चुअल रिएलिटी हेडसेट पहन रखे थे। मेटावर्स में रेप के बाद ये पहला मामला है, जिसमें पुलिस जांच कर रही है।

गृह मंत्री बोले- ऐसे आरोपी असल दुनिया में खतरनाक हो सकते हैं

ब्रिटेन के गृह मंत्री जेम्स क्लेवर्ली ने मामले में जांच को सही बताते हुए कहा है कि इस मामले को सच्चाई से परे कहकर आसानी से रद्द किया जा सकता है, लेकिन बड़ी बात ये है कि आज के युवा इसमें बहुत हद तक डूबे हुए हैं, जिसकी वजह से ऐसे मामलों का उनके दिमाग पर गहरा असर पड़ता है।

क्लेवर्ली ने आगे कहा- ऐसे मामलों से ये भी पता चलता है कि जो लोग वर्चुअल रिएलिटी में किसी बच्ची के साथ ऐसा कर सकते हैं, वो असल दुनिया में कहीं ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस केस में जांच काफी मुश्किल होने वाली है क्योंकि फिलहाल ब्रिटेन में वर्चुअल रेप को लेकर कोई कानून नहीं है।

मेटा कंपनी ने कहा- यूजर्स की सुरक्षा के लिए पर्सनल बाउंड्री

फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा ने 2021 में होराइजन वर्ल्ड्स नाम का एक वर्चुअल रिएलिटी स्पेस बनाया था। इस पर यूजर्स का एक अवतार बनता है। इस पर गेम खेलने के साथ लोग दूसरों के अवतारों से मिल भी सकते हैं। होराइजन वर्ल्ड्स में वर्चुअल लेवल पर सेक्शुअली अपराध से जुड़े अब तक कई मामले सामने आ चुके हैं।

इस मामले में मेटा कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा-हमारे प्लैटफॉर्म पर इस तरह के अपराधों की कोई जगह नहीं है। इससे बचने के लिए हमने अपने यूजर्स के लिए एक पर्सनल बाउंड्री भी बनाई है। ये अनजान लोगों को यूजर के अवतार से कुछ फीट दूरी पर रखती है।

क्या है मेटावर्स

मेटावर्स एक वर्चुअल दुनिया है, जहां कोई भी वर्चुअली एंट्री कर सकता है, लेकिन फिजिकली उस जगह पर मौजूद होने का अहसास होगा। यानी कि एक ऐसी आभासी दुनिया है, जहां आपकी एक अलग पहचान होती है। यहां आप स्नैप चैट और बिटमोजी की तरह ही अपना डिजिटल अवतार बना सकते हैं।

ये डिजिटल अवतार बनाकर आप उसी अवतार में घूम-फिर सकते हैं, शॉपिंग कर सकते हैं, बाकी लोगों से मिलना-जुलना कर सकते हैं, प्रॉपर्टी खरीद सकते हैं और वो सब कुछ कर सकते हैं जो आप रियल वर्ल्ड में देखते हैं। यहां करेंसी के तौर पर क्रिपटोकरेंसी का इस्तेमाल होता है। मेटावर्स को महसूस करने के लिए यूजर को वर्चुअल रिएलिटी गैजेट्स जैसे वीआर हेडसेट और वीआर कंट्रोलर की जरूरत होती है। मेटावर्स में ऑगमेंटेड रियलिटी, वर्चुअल रियलिटी, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी कई तकनीक एक साथ उपयोग होती हैं, जिससे आपको वास्तव में वहां होने का अहसास होता है।

2017 में 49% महिला यूजर्स से वर्चुअल रेप

वर्चुअल रेप का पहला मामला साल 1993 में आया था। साल 2022 में 1 साल की एक रिसर्चर के साथ फेसबुक के मेटावर्स में जाने के एक घंटे के अंदर ही वहां मौजूद एक दूसरे अवतार ने रेप किया था। रिसर्चर ने कहा था कि रेप वर्चुअल दुनिया में हुआ, इसके बावजूद उन्हें रेप होने का एहसास हो रहा था।

इसके अलावा ब्रिटेन की 45 साल की साइकोलॉजिस्ट नीना जेन पटेल ने फरवरी 2022 में सोशल मीडिया पोस्ट में बताया था की फेसबुक के मेटावर्स में उनके साथ गैंगरेप किया गया था।

इजराइल के लिए जासूसी करने के आरोप में तुर्किए ने 33 संदिग्धों को हिरासत में लिया

इंस्ताबुल, 3 जनवरी (एजेंसियां)। हमास और इजराइल के बीच दो माह से अधिक समय से जंग जारी है। इस युद्ध को लेकर कई मुस्लिम देश पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ खुलकर जंग लड़ रहे हैं। ईरान और लेबनान के बाद तुर्किए भी इनमें से एक है। तुर्किए का आरोप है कि इजराइल अपने लोगों को भेजकर जासूसी करा रहा है। मगर राष्ट्रपति एर्दोगन ने मोसाद की मंशा को नाकाम कर दिया है। तुर्किए के अधिकारियों ने इजराइल के लिए तथाकथित रूप से जासूसी करने के संदेह में 33 लोगों को हिरासत में लिया है।

समाचार एजेंसी अनादोलु के अनुसार, एक ऑपरेशन के हिस्से के रूप में आठ प्रांतों में 57 ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की गई, जहां से 33 लोगों को हिरासत में लिया गया। वहीं अधिकारी अब भी 13 उन अन्य लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनके बारे में समझा जाता है कि उनके संबंध इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद से हैं। संदिग्धों पर मोसाद की ओर से टोह लेने, निगरानी करने, हमला करने और अपहरण जैसी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। हालांकि, इसमें उन संदिग्धों या विदेशियों के बारे में जानकारी नहीं दी गई, जिन्हें कथित तौर पर निशाना बनाया गया। बता दें, यह खबर ऐसे समय में आई है, जब कुछ दिनों पहले ही इजराइल की घरेलू सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख शिन बेट ने एक ऑडियो रिकॉर्डिंग में कहा था कि उनका संगठन लेबनान, तुर्किए और कतर सहित हर जगह हमास को नष्ट करने के लिए तैयार है। इस पर तुर्किए के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इजराइल को चेतावनी दी कि अगर उसने तुर्किए की धरती पर हमास के सदस्यों पर हमला करने की धमकी दी तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

अंदर नर्क था, हमें बचने की उम्मीद नहीं थी

टोक्यों, 3 जनवरी (एजेंसियां)। तारीख- 2 जनवरी 2024, समय- शाम 5:47 बजे। जापान की राजधानी टोक्यो के हानेड एयरपोर्ट पर लैंडिंग से पहले एक पैसेंजर प्लेन एयरबस ए350 कोस्ट गार्ड के प्लेन से टकरा गया। इससे पैसेंजर प्लेन में आग लग गई। विमान में करीब 379 लोग सवार थे। टक्कर के तुरंत बाद विमान के अंदर धुआं भर गया। विमान में मौजूद 17 साल के पैसेंजर स्वीड एंटन देइबे ने एक स्वीडिश न्यूजपेपर को बताया- प्लेन के अंदर सिर्फ धुआं था। हमें कुछ समझ नहीं आ रहा था। ये बिलकुल नर्क जैसा था। आग लगते से ही हम फर्श पर बैठ गए। इसके बाद इमरजेंसी दरवाजा खुला और हम बिना कुछ सोचे उसकी तरफ भागने लगे। हमें नहीं पता था कि हम कहां जा रहे हैं। हम बस उस विमान से बाहर निकलना चाहते थे। स्वीड अपने माता-पिता और बहन के साथ प्लेन से सुरक्षित निकलने में कामयाब रहा। बीबीसी के मुताबिक, प्लेन में मौजूद एक और पैसेंजर 59 साल के सतोशी यामाके ने बताया- मुझे ऐसा लगा जैसे विमान एक तरफ झुक गया हो। टक्कर होने पर मुझे एक तेज झटका महसूस हुआ। एक अन्य यात्री ने कहा कि विमान के जमीन पर छुते ही इसके किसी चीज से टकराने का एहसास हुआ था। प्लेन की खिड़की के बाहर एक बड़ी चिंगारी या चमक जैसी नजर आई और इसके बाद केबिन में धुआं भर गया। कई लोगों ने प्लेन के अंदर वीडियो भी रिकॉर्ड किए।

विमान के अंदर अंधेरा छाया, धुएं के बीच लोगों ने टॉर्च जलाई

इसमें यात्री अपने फोन की टॉर्च जलाए नजर आ रहे हैं। धुएं के बाद लोग चिल्लाने लगे। इस बीच क्रू मेंबर्स ने लोगों को निकलाने की कोशिश शुरू की। एक महिला यात्री ने जापानी मीडिया एनएचके से कहा- विमान के अंदर अंधेरा हो गया था। धुएं की वजह से कुछ नहीं दिख रहा था। प्लेन में तापमान बढ़ता जा रहा था। मुझे ऐसा लगा था जैसे आग अंदर भी आ जाएगी और हम सब मारे जाएंगे। बीबीसी के मुताबिक, एक पैसेंजर ने बताया कि विमान से बाहर निकलना बेहद मुश्किल हो गया था क्योंकि सिर्फ एक ही दरवाजा खुल सका था।

सुखदेव सिंह हत्याकांड में एनआईए की छापेमारी

राजस्थान और हरियाणा में 31 जगहों पर रेड

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की दिसंबर 2023 में जयपुर में हुई हत्या को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को इसकी जांच की जिम्मेदारी दी थी। इसके बाद से ही एनआईए आरोपियों से पूछताछ और फरार आरोपियों की तलाश में लगी हुई है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने आज राजस्थान और हरियाणा के करीब 31 स्थानों पर छापेमारी की। केस को हाथ में आने के बाद से एनआईए अब तक कई लोगों से पूछताछ कर चुकी है। पूछताछ में मिली जानकारी के बाद जांच एजेंसी आज यह छापेमारी कर रही है।

सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी फरार गैंगस्टर रोहित गोदारा ने ली थी। रोहित लॉरेन्स बिश्नोई गैंग से जुड़ा है और उसने कुछ महीने पहले ही गोगामेड़ी को कॉल करके धमकी दी थी। इस हत्याकांड में गैंगस्टर के जुड़े होने की वजह से मामले को एनआईए को सौंपा गया है। आरोपी रोहित राठौर और नितिन फौजी को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

सीपी जोशी बोले- डोटासरा को हार का डर

श्रीकरणपुर में नशे के कारोबार में लिप्त लोग चुनाव लड़ रहे, जनता ने उनको नकार दिया

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान की श्रीकरणपुर विधानसभा सीट पर चुनाव के लिए 5 जनवरी को मतदान होना है। भाजपा ने श्रीकरणपुर से प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को चुनाव जीतने से पहले ही मंत्री बना दिया है। इसको लेकर कांग्रेस लगातार हमलावर है। मंगलवार को पीसीसी चीफ डोटासरा ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा- भाजपा ने जनता को ठेंगा दिखा दिया। इस पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने पलटवार किया है।

सीपी जोशी ने कहा कि कांग्रेस की प्रदेश में बुरी तरह हार हुई है। गोविंद सिंह डोटासरा को हार से सदमा लगा, जो अभी तक जहन से उतरा नहीं है। अब करणपुर की जनता ने भी स्पष्ट संकेत दे दिए हैं कि यहां भी कांग्रेस की हार होगी और कमल खिलेगा। मैं सोचता हूं कि हार का डर ही उनको सता रहा है।

सीपी जोशी ने कहा कि श्रीकरणपुर में पिछले 5 सालों में जिस तरह से थानों और दफ्तरों की नीलामी हुई। जिस तरह से नशे का कारोबार हुआ। उन सब में जो लोग लिप्त थे, वो आज चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में जनता ने उनको नकार दिया है। श्रीकरणपुर की जनता ने तय कर लिया है कि श्रीकरणपुर में कमल खिलाना है।

डोटासरा ने कहा था- राजस्थान में भजनलाल की नहीं, पर्ची की सरकार

पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा ने मंगलवार को श्रीगंगानगर में प्रेस कॉन्फ्रेंस में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा की आदत है कि वो लोगों के लिए नहीं सरकार में आने के लिए काम करती है। जनादेश का

सम्मान नहीं करती। अपनी बात को थोप कर जनता को प्रभावित करने की कोशिश करते हैं। उसी के तहत टीटी को मंत्री बना दिया गया। हमारी आपत्ति यह है कि आदर्श आचार संहिता लगने के बाद कोई घोषणा नहीं की जा सकती, लेकिन भाजपा ने आचार संहिता का उल्लंघन कर जनता को ठेंगा दिखा दिया। जनादेश की प्रतीक्षा ही नहीं की।

डोटासरा बोले- भाजपा ने जनता को कह दिया की टीटी को इसलिए वोट देना है, क्योंकि उन्हें मंत्री बना दिया गया है। इससे जनता में रोष है। उन्होंने प्रदेश की भाजपा सरकार को पर्ची सरकार बताते हुए कहा कि प्रदेश में भजनलाल शर्मा की नहीं, पर्ची सरकार है। ये पर्ची सरकार एक माह में मंत्रिमंडल नहीं बना पाई। आखिर में मंत्रिमंडल के लिए भी सीएम दिल्ली से पर्ची लाए। शपथ ग्रहण समारोह में ही सीएम भजनलाल शर्मा को पता लगा- किसे मंत्री बनना है। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का गठन तो हो गया, लेकिन अभी विभाग घोषित नहीं किए हैं। इसके लिए फिर एक पर्ची दिल्ली से आएगी।

सीपी जोशी ने की सफाई अभियान की शुरुआत

सुशासन दिवस के मौके पर भाजपा ने 3 दिन का अभियान सफाई अभियान चला रखा है। पहले दिन 2 जनवरी को महापुरुषों की प्रतिमाओं की सफाई की गई। आज धार्मिक स्थलों पर सफाई की जा रही है। वहीं 4 जनवरी को पार्कों में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता सफाई करेंगे।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने जयपुर में मोती डूंगरी गणेश मंदिर के बाहर झाड़ू लगाकर धार्मिक स्थलों पर सफाई अभियान की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि सुशासन दिवस के मौके पर स्वच्छ जयपुर और स्वच्छ राजस्थान अभियान की शुरुआत हुई है। मुझे भी आज इसमें सहभागी बनने का सौभाग्य मिला है।

कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने पदभार संभाला

कहा- रामलला की जमीन मिल गई, श्रीकृष्ण जन्मभूमि खुद ही दें तो अच्छा होगा

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने बुधवार सुबह सचिवालय के मंत्रालय भवन स्थित ऑफिस में पदभार ग्रहण किया। इस मौके पर दिलावर ने कहा कि गरीब को गणेश मानकर काम करेंगे। अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को धीरे-धीरे आगे लाने का प्रयास रहेगा।

AIMIM अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के अपनी मस्जिदों को आबाद रखो के बयान पर मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राम जन्मभूमि और कृष्ण जन्मभूमि को लेकर तथ्य है कि यहां भगवान राम और भगवान कृष्ण के मंदिर थे। राम जन्मभूमि को पूरी जमीन मिल गई हैं। अब कृष्ण जन्मभूमि खुद ही दे दें तो अच्छा होगा। अभी भी मैं आग्रह करूंगा कि कृष्ण जन्मभूमि हमें मिल जाए तो बेहतर होगा। वरना कानून अपना काम करेगा। अदालतें अपना काम करेगी।

दरअसल, असदुद्दीन ओवैसी ने सोमवार को हैदराबाद में एक कार्यक्रम के दौरान मुस्लिम युवाओं से अपील करते हुए कहा था कि अपनी मस्जिदों को आबाद रखो। जहां हमने 500 साल कुरान पढ़ी, आज वो जगह हमने खो दी है। उन्होंने दिल्ली की सुनहरी बाग मस्जिद का जिक्र करते हुए कहा कि कहीं ऐसा न हो कि हमसे हमारी मस्जिदें छीन ली जाए।

कलंकित ढांचे को ढहाने में मेरा भी योगदान था

मदन दिलावर ने कहा- मैं परिवार और कार्यकर्ताओं के साथ रामलला के दर्शन करने जाऊंगा। उन्होंने कहा कि कलंकित ढांचे को ढहाने और अस्थायी मंदिर बनाने में मेरा भी आंशिक योगदान था। मैंने फरवरी 1990 में संकल्प लिया था कि जब तक राम मंदिर नहीं बन जाएगा। तब तक माला नहीं पहनूंगा। जब तक कश्मीर से धारा 370 नहीं हट जाती, तब तक आरामदायक बिस्तर पर नहीं सोऊंगा। मैं सालों से जमीन पर चटाई-दरी बिछाकर सोता रहा हूं, लेकिन मेरा यह संकल्प अब पूरा हो चुका है।

सचिवालय में आज कई अन्य मंत्री पदभार ग्रहण कर सकते हैं। इससे पहले सोमवार को कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, जोगाराम पटेल, अविनाश गहलोत और राज्य मंत्री ओटाराम देवासी, जवाहर सिंह बेढम पदभार ग्रहण कर चुके हैं।

नेता प्रतिपक्ष पर असमंजस, एक माह बाद भी कांग्रेस में फैसला नहीं

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर। विधानसभा चुनाव परिणाम आए एक माह का समय हो गया हो, लेकिन विपक्षी दल कांग्रेस में अभी तक भी नेता प्रतिपक्ष का फैसला नहीं हो पाया है। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद 5 दिसंबर को पीसीसी मुख्यालय में बुलाई गई विधायक दल की बैठक में भी नेता प्रतिपक्ष चुने जाने का फैसला हाईकमान पर छोड़ा गया था। अब सभी को हाईकमान के फैसले का इंतजार है। नेता प्रतिपक्ष के लिए कांग्रेस के कई दिग्गज विधायक जोर लगाए हुए हैं।

फैसले में देरी की एक वजह ये भी

पार्टी सूत्रों की मानें तो नेता प्रतिपक्ष के फैसले में देरी की एक वजह यह भी है कि हाई कमान नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति आम सहमति से से चाहते हैं। प्रदेश में नेताओं के अलग-अलग धड़े अपने- अपने समर्थकों को नेता प्रतिपक्ष बनवाने के लिए दिल्ली में लॉबिंग कर रहे हैं।

इधर चर्चा यह भी है कि आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व जाट या एसटी वर्ग से नेता प्रतिपक्ष को लेकर विचार भी कर रहा है।

जाट वर्ग से प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, पूर्व मंत्री हरीश चौधरी और वरिष्ठ विधायक नरेंद्र बुढ़ानिया लॉबिंग कर रहे हैं। एसटी वर्ग से महेंद्रजीत सिंह मालवीय का नाम चर्चा भी में है। अब पार्टी के सामने परेशानी यह है कि इन नेताओं में से किस नेता प्रतिपक्ष बनाया जाए। जाट वर्ग से नेता प्रतिपक्ष बनाया जाता है तो फिर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद पर भी बदलाव करना पड़ सकता है।

19 जनवरी से विधानसभा सत्र

इधर राजस्थान विधानसभा का सत्र भी 19 जनवरी से शुरू हो रहा है। ऐसे में सत्र शुरू होने से पहले ही नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति जरूरी है। पार्टी नेताओं के बीच इस बात को लेकर चर्चा ज्यादा है कि आखिर नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति कब होती है।

राज्य मंत्री बेढ़म ने कहा- प्रदेश में भय मुक्त वातावरण बनाएंगे

दौसा, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म दौसा जिले के दौरे पर रहे। उन्होंने मेहंदीपुर बालाजी धाम में भगवान के दर्शन किए। इस दौरान उनके साथ आए कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच कहासुनी हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं ने टोडाभीम डीएसपी अमरसिंह मीना को सही तरीके नौकरी करने तक की धमकी दे डाली। हालांकि, राज्यमंत्री बेढ़म के हस्तक्षेप करने के बाद मामला शांत हो गया।

दरअसल, राज्य मंत्री बने जवाहर सिंह बेढ़म मंगलवार को भरतपुर निकलते समय दौसा में रुके। इस दौरान जिला अध्यक्ष प्रभुदयाल शर्मा के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया गया। शाम 6 बजे मंत्री मेहंदीपुर बालाजी पहुंचे, जहां उन्होंने बालाजी महाराज के दर्शन कर प्रदेश में खुशहाली की कामना की। मीडिया से बात करते हुए जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा कि राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त करना है। प्रदेश की जनता को भय मुक्त वातावरण देना सरकार की पहली प्राथमिकता है। मंत्रियों के विभागों के बंटवारे पर बेढ़म ने कहा कि मुख्यमंत्री जल्द ही विभाग बांटेंगे।

विपक्ष द्वारा नेता प्रतिपक्ष नहीं बनाए जाने पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस लुटेरों की फौज है। वो नेता प्रतिपक्ष बनाएं या न बनाएं, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता।

बालाजी महाराज के दर्शनों के दौरान राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बालाजी मंदिर सिद्धपीठ के पीठाधीश्वर महंत नरेशपुरी महाराज के चरणों में झुक के प्रणाम किया। महंत ने मंत्री को केसरिया दुपट्टा ओढ़ाकर उनका स्वागत भी किया। इस दौरान टोडाभीम डीएसपी अमर सिंह मीना, बालाजी थाना प्रभारी बुद्धिप्रकाश, भाजपा नेता लाखन गुर्जर, बबली हीरो, सुभाष गुर्जर, विजेंद्र सीमला, शौर्य जैमन, श्याम सिंह सिसोदिया, सहित कई भाजपाई भी मौजूद रहे।

ऑनलाइन गर्लफ्रेंड का लालच, 200 लोगों को ठगा

सरकारी नौकरी नहीं लगी तो बनाया गैंग, लड़कियों से दोस्ती के लिए 6 महीने की मेंबरशिप स्कीम

उदयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सरकारी नौकरी के एग्जाम में फेल हुए 5 युवकों ने जल्दी अमीर बनने के लिए ठगी का अनोखा प्लान बनाया। जिस तरह ओटीटी प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने के लिए मेंबरशिप लेनी पड़ती है। उसी तरह इन युवकों ने ऑनलाइन गर्लफ्रेंड स्कीम शुरू कर दी। ये लोग सोशल मीडिया पर विज्ञापन डालकर युवाओं को लड़कियों से फ्रेंडशिप करवाने का झांसा देते थे। इसके लिए हेलो ऐप के जरिए और इंस्टाग्राम पर यूजर्स को निशाना बनाते थे। उन्हें अश्लील फोटो भेजकर पहले लालच देते। उन्हें मेंबरशिप लेने को कहते और जैसे ही यूजर रुपए ट्रांसफर करता, ये लोग उसे ब्लॉक कर देते थे।

डेढ़ महीने में 5 आरोपियों ने 200 लोगों से लाखों रुपए ठग लिए। बदनामी के डर से कोई भी पीड़ित सामने नहीं आता था। उदयपुर की गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने बोगस ग्राहक बनकर इन्हें बीडीओ कॉलोनी में किराए के मकान से पकड़ा। आरोपी भानुप्रताप सिंह (27) निवासी आगरा, सत्यम सिंह (28) निवासी आगरा, राहुल व्यास (26) निवासी करौली, अमुल अहिरवार (24) पिता छतरपुर और मोहित (26) निवासी आगरा से पूछताछ में पूरी ठगी का खुलासा हुआ। पुलिस के अनुसार, इन पांचों आरोपियों की मुलाकात पढ़ाई के दौरान हुई थी। ये लोग बैंक पीओ, एसएससी समेत कई सरकारी एग्जाम की तैयारी कर रहे थे। पूरे मामले के मास्टरमाइंड सत्यम सिंह ने ही इन्हें आपस में एक साथ जोड़ा।

सत्यम ने पूछताछ में बताया कि वह कई सरकारी एग्जाम दे चुका था। लेकिन, पास नहीं हुआ तो उसने ठगी करने की योजना बनाई। उसने अपने साथ भानु और राहुल को भी जोड़ा।

डेढ़ महीने पहले ही इन्होंने उदयपुर के बलीचा स्थित बीडीओ कॉलोनी में किराए का मकान किया था। यहां से वे ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। ये अलग-अलग फोन से पांचों चैटिंग करते और लोगों को ठगी का शिकार बनाते थे।

पुलिस की अब तक की पूछताछ में सामने आया- आरोपियों ने इंस्टाग्राम और हेलो ऐप पर अकाउंट बनाए। इसके बाद ये अकाउंट पर एक लिंक डालते थे। जो सीधा व्हाट्सएप चैट या इंस्टा चैट से लिंक होता था। इसमें जो भी यूजर इस लिंक पर क्लिक करता तो एक चैट बॉक्स ओपन होता था। पहले हई का मैसेज आते ही ये सोशल मीडिया यूजर को 6 महीने की मेंबरशिप लेने को कहते थे। यूजर को बताया जाता था कि अगर आप मेम्बरशिप लेंगे तो आपको 6 महीने तक चैट करने को मिलेगा। इसके लिए वे यूजर को फर्जी चैट का स्क्रीनशॉट भी भेजते थे। ताकि सामने वाले को यकीन हो जाए कि वास्तव में ये कोई असली डेटिंग साइट है। इन स्क्रीनशॉट में युवक-युवतियों की चैट के स्क्रीनशॉट्स होते थे।

वहीं महिलाओं और युवतियों को भेजने के लिए भी इनके पास ऐसे ही फर्जी स्क्रीनशॉट थे। ये फ्रेंडशिप हो जाने पर पीड़ितों को कमाई लालच भी देते थे। पुलिस ने जब इन्हें पकड़ा तो इनके फोन से यूजर को भेजी जाने वाली अश्लील तस्वीरें और स्क्रीनशॉट मिले थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपी मेल यूजर्स ही नहीं बल्कि फीमेल यूजर्स को भी ठगते थे। आरोपियों ने इंस्टाग्राम पर डेटिंग ऐप के विज्ञापन जारी किए थे। इसमें लड़कियों को ऑनलाइन बॉयफ्रेंड व लड़कों को ऑनलाइन गर्लफ्रेंड बनाने का झांसा दिया जाता था।

पत्नी की हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

पुलिस से बचने के लिए बार-बार बदल रहा था जगह

सिरोही, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सिरोही जिले की आबूरोड सदर पुलिस ने विवाहिता की हत्या के आरोप में उसके पति को गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस से बचने के लिए बार-बार जगह बदल रहा था।

पुलिस के अनुसार आबूरोड सदर पुलिस थाना अधिकारी हरचंदराम की अगुवाई में एक टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने हत्या के आरोप में सिरोही निवासी राजूराम पुत्र रताराम गरासिया को गिरफ्तार किया है।

19 दिसंबर को मृतका के भाई ने थाने में केस दर्ज कराया था। अपनी रिपोर्ट में उसने बताया कि उसकी बहन सकली की शादी भक्योरजी निवासी राजू पुत्र रताराम गरासिया के साथ हुई थी। बहन सकली को उसका पति राजूराम 17 दिसंबर को अपनी बहन के घर टूंका लेकर गया था, जहां मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद शव को भक्योरजी लाकर अपने घर रख दिया था। भाई की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी।

पुलिस से बचने के लिए बार-बार जगह बदल रहा था आरोपी

पुलिस के अनुसार आरोपी राजू गरासिया पुलिस से बचने के लिए बार-बार अपना ठिकाना बदल रहा था। मंगलवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है।

घने कोहरे की चपेट में प्रदेश

शीतलहर के कारण पारा लुढ़का, ठिठुरन बढ़ी

जयपुर, 3 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान इस समय जबरदस्त कोहरे और शीतलहर की चपेट में है। मौसम विभाग ने पूर्वी और पश्चिमी राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में घना कोहरा और शीतलहर की चेतावनी दी है। कई जगहों पर बादल छाए रहने की वजह से दिन में सर्दी का असर और भी ज्यादा महसूस हो रहा है। मौसम विभाग के अनुसार जयपुर, दौसा, झुंझुनू, करौली, बूंदी, भरतपुर और कोटा में घना कोहरा रहने की चेतावनी है। जयपुर में पिछले 24 घंटों में न्यूनतम तापमान 6.8 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं अधिकतम तापमान में भी 7 डिग्री से ज्यादा की गिरावट आई है। प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में दिन के तापमान में 5 से 10 डिग्री की कमी दर्ज की जा रही है जिसके चलते शीतलहर का असर ज्यादा महसूस हो रहा है।

घने कोहरे के कारण रेल एवं हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ा है। सवेरे आने और जाने वाली ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं।

जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे पर बस और ट्रेलर की भिड़ंत

2 सवारियों की मौके पर मौत

टोंक, 3 जनवरी (एजेंसियां)। जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे पर टोंक के समीप घाड थाना इलाके के सरोली मोड पर खड़े ट्रेलर में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने आकर टक्कर मार दी। दोनों वाहनों की टक्कर के बाद धमाके की आवाज सुनकर स्थानीय लोगों ने वहां पहुंचकर पुलिस और एम्बुलेंस को हादसे की जानकारी दी। घाड पुलिस और देवली सीओ ने मौके पर पहुंचकर लोगों की मदद से बस में फंसे यात्रियों को निकालकर अस्पताल पहुंचाया।

जानकारी के अनुसार कोटा डिपो की रोडवेज बस कोटा से टोंक की तरफ जा रही थी और सरोली मोड पर ओवरटेक करते समय आगे खड़े ट्रेलर से टकरा गई।

'पहले टक्कर मारी, फिर वापस आकर पीट-पीट कर मार डाला'

खून से सना पड़ा था दोस्त; इतना ही कहा था-देख कर नहीं चल सकते क्या?

भिवाड़ी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। कार से टक्कर लगने पर युवक ने गाड़ी ठीक से चलाने के लिए बोला तो उसे पीट-पीट कर मार डाला। युवक के परिजनों ने पुलिस से आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही। इस पर जवाब मिला- 'पहले आप लोग डेड बॉडी बिहार ले जाओ, फिर हम कार्रवाई करेंगे'। परिजनों का आरोप है कि पुलिस आरोपियों को बचा रही है। घटना का एक वीडियो भी सामने आया था। इसमें नजर आ रहा है कि महज 55 सेकेंड में युवक पर डंडे से 10 वार किए गए। मामले का चश्मदीद गवाह और युवक का दोस्त हादसे के बाद से दहशत में है। उसका कहना है कि कार सवारों को गाड़ी सावधानी से चलाने के लिए कहा था। इस मामूली बात पर दोस्त को मार दिया। कार सवारों की मारपीट में घटाल की लेबर कॉलोनी में रहने वाले अफसर अली (24) की मौत हो गई। हादसे के दौरान युवक का दोस्त अब्दुल (25) भी उसके साथ था। घटना का वह चश्मदीद गवाह है। अब्दुल ने बताया- मैं और अफसर अली (25), दोनों बिहार के समस्तीपुर से दो साल पहले भिवाड़ी आए थे। यहां एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे। कुछ महीने पहले ही अफसर अली ने दो दोस्तों रामू और शंकर के साथ मिलकर खुद की सिलाई की दुकान खोली थी। मैं और मेरा भाई मोहम्मद खालिद भी उसी दुकान में काम करते हैं। मैं और अफसर रोजाना की तरह मंगलवार दोपहर घर पर खाना खाने जा रहे थे। रास्ते में पैदल चलते हुए हम दोनों घर-परिवार की बात कर रहे थे। वह बता रहा था कि इतनी मेहनत के बाद भी बहुत कम कमा पाते हैं। अचानक पीछे से एक कार आई और उसे टक्कर मार दी। मैंने कार वाले से कहा- 'ऐसे क्यों गाड़ी चला रहे हो... .?' जवाब में कार वाले गाली देने लगे। मगर हमने कुछ नहीं कहा और हम दोनों वहां से रवाना हो गए।

हमने सोचा कि वे चले गए, लेकिन दो मिनट बाद वे वापस आए और कार से उतर कर अफसर को पीटने लगे। मुझे भी पकड़ने लगे। उनमें से एक शख्स कार की डिक्की से डंडा निकालकर लाया और अफसर पर ताबड़तोड़ वार किया। अफसर नीचे गिर गया। मैं किसी तरह से जान बचाकर वहां से भागा। कुछ दूरी पर पलट कर देखा तो अफसर खून से सना जमीन पर पड़ा था और कार वाले भाग चुके थे।

साइबर अपराध जागरूकता सत्र आयोजित

हैदराबाद, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। हर महीने के पहले बुधवार को 'साइबर जागरूकता दिवस' के अवसर पर और साइबर अपराध के बढ़ते खतरों के खिलाफ समुदाय को शिक्षित और सशक्त बनाने के एक सक्रिय प्रयास के तहत, हैदराबाद सिटी पुलिस के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने एक व्यापक साइबर अपराध जागरूकता सत्र बुधवार को फिटजी कॉलेज में सैफाबाद में साइबर जागृति दिवस के एक भाग के रूप में आयोजित किया। डिजिटल परिदृश्य को सुरक्षित रूप से नेविगेट करने के लिए छात्रों को आवश्यक ज्ञान और कौशल से लैस करने के उद्देश्य से की गई इस पहल को उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। सत्र में सोशल नेटवर्किंग साइटों में शामिल आवश्यक जोखिमों और मुद्दों पर प्रकाश डाला गया, साथ ही इन सोशल नेटवर्किंग साइटों के अंतिम उपयोगकर्ताओं द्वारा विकसित की जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं और साइबर स्वच्छता के प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला गया, ताकि उन्हें सुरक्षित पासवर्ड सहित साइबर अपराध का शिकार होने से बचाया जा सके। प्रबंधन, फ़िशिंग प्रयासों को पहचानना और ऑनलाइन व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा करना। प्रतिभागियों को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं यानी धोखाधड़ी के प्रकार और उनकी रोकथाम के बारे में इंटरैक्टिव वेबिनार सत्र में चर्चा की गई। विषय साइबर अपराध की वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित थे। फ़िशिंग, विशिंग, जूस जैकिंग, स्किमिंग, यूपीआई धोखाधड़ी, अनधिकृत रिमोट एक्सेस। उपयोगकर्ताओं को जागरूकता प्रदान की गई कि वे इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के लाभों का पूरी तरह से उपयोग करते हुए धोखाधड़ी से खुद को कैसे बचा सकते हैं। सत्र ने उपस्थित लोगों को ऑनलाइन प्रसारित होने वाले सामान्य प्रकार के निवेश धोखाधड़ी, पोंजी योजनाओं, पंप-एंड-डंप योजनाओं और क्रिप्टो मुद्रा घोटालों सहित कार्य आधारित कार्य के बारे में जानकारी प्रदान की। प्रतिभागियों ने सीखा कि लाल झंडों को कैसे पहचाना जाए और इन भ्रामक प्रथाओं का शिकार होने से कैसे बचा जाए। हैदराबाद सिटी पुलिस के साइबर अपराध पुलिस स्टेशन के प्रतिनिधियों ने वर्तमान साइबर खतरों और ऑनलाइन आपराधिक गतिविधियों से निपटने में कानून प्रवर्तन की भूमिका और राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 के माध्यम से साइबर अपराध की रिपोर्ट करने के तरीकों पर अंतर्दृष्टि साझा की। उपस्थित लोगों को पुलिस अधिकारियों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र में शामिल होने का अवसर मिला। हैदराबाद सिटी पुलिस ने साइबर खतरों से निपटने में सामुदायिक सहयोग के महत्व पर जोर दिया और सक्रिय शिक्षा और सहभागिता पहल के माध्यम से एक सुरक्षित समुदाय को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। साइबर अपराध के क्षेत्र में उभरती चुनौतियों का समाधान जारी रखने के लिए भविष्य के सत्रों और कार्यशालाओं की योजना बनाई गई है।

इंटर बोर्ड में बडा घोटाला : मधुसूदन रेड्डी

हैदराबाद 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। इंटर शिक्षा बोर्ड जेएसी के अध्यक्ष मधुसूदन रेड्डी ने पूर्व सरकार पर इंटर बोर्ड से संबंधित 150 करोड़ रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। आज मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि इंटर बोर्ड के इतिहास में यह पहली बार हुआ है कि सरकार ने इंटर बोर्ड का पैसा लूटा है। उन्होंने टिप्पणी की कि सरकार द्वारा इंटर बोर्ड से मुफ्त पाठ्य पुस्तकों के लिए 52 करोड़ रुपये भुगतान करने का भी आदेश दिया गया था। मधुसूदन रेड्डी ने कहा कि सरकार ने इन दस वर्षों में मुफ्त शिक्षा पर केवल 62 लाख रुपये खर्च किये और इंटर शिक्षा को सरकार ने रामभरोसे पर छोड़ दिया। उन्होंने टिप्पणी की कि इंटर बोर्ड की वित्तीय स्थिति खराब हो गई है और परीक्षा में स्पॉट वैल्यूएशन और ड्यूटी में भाग लेने वालों को पारिश्रमिक देना तक संभव नहीं हो पाया है।

उन्होंने कहा कि 50,000 लोगों का पारिश्रमिक लंबित है और 200 लोगों को अतिरिक्त काम करने के लिए 80 दिनों का भुगतान नहीं किया गया है।

दुब्बका नहरों को पूरा करने का प्रयास करेंगे: कोठा

सिद्दीपेट, 3 जनवरी स्तंत्र वार्ता। दुब्बका विधायक कोठा प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि वह डबक निर्वाचन क्षेत्र में मल्लन्ना सागर के तहत सभी नहरों को पूरा करने के लिए काम करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर टैंक गोदावरी के पानी से भरा हो और निर्वाचन क्षेत्र में हर एकड़ भूमि को सिंचाई का पानी मिले।

बुधवार को ग्रामीण इलाकों का दौरा करने के बाद जहां नहरों की खुदाई चल रही थीए पत्रकारों से बात करते हुएए डबक विधायक ने कहा कि जिला प्रशासन ने नहर कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सिंचाई, राजस्व और अन्य विभाग के अधिकारियों के साथ 6 जनवरी को एक बैठक की योजना बनाई थी।

निर्वाचन क्षेत्र में गोदावरी के किनारे हर एकड़ को सिंचित करने के अपने वादे को पूरा करने का आश्वासन देते हुए, प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि उन्होंने यासंगी की जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी छोड़ने के लिए सिंचाई अधिकारियों से बात की।

उन्होंने कहा कि ठेका एजेंसियों ने एक सप्ताह के भीतर मशीनरी प्राप्त करके काम शुरू करने पर सहमति व्यक्त की थीए उन्होंने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और पूर्व मंत्री टी हरीश राव के प्रयासों से दुब्बका निर्वाचन क्षेत्र को गोदावरी का पानी मिला था।

विधायक ने यह भी कहा कि वह सप्ताह में एक बार सिंचाई पर बैठक करेंगेण् सिंचाई अधिकारियों के साथए प्रभाकर रेड्डी ने गंभीरपुएए पोथारमएए कमरपल्लीए चेकोडेए अचम्मैया पल्लीए और परशुराम नगर में नहर कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया।

आरजीयूकेटी में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

कुलपति ने बांटे नए लैपटॉप

निर्मल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को आरजीयूकेटी बासर के कॉन्फ्रेंस हॉल में आरजीयूकेटी में समीक्षा बैठक हुई। इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रशासक आशीष सांगवान, कुलपति प्रोफेसर वेंकटरमण, निदेशक प्रोफेसर सतीश कुमार और विभिन्न विभागों के प्रमुखों की उपस्थिति में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एक घंटे से अधिक समय तक मुख्य रूप से विभिन्न विभागों के प्रदर्शन, भविष्य की योजनाओं, समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर लिए गए निर्णय आदि पर चर्चा हुई।

कलेक्टर ने विभागाध्यक्षों से विभागों के प्रबंधन के बारे में पूछताछ की। उन्होंने किए जा रहे कार्यों, किए जा रहे कर्तव्यों आदि के बारे में जानकारी ली। बाद में उन्होंने नई कैंटीन का दौरा किया और छात्रों से भोजन के बारे में विवरण पूछा। वहां से उन्होंने छात्र छात्रावासों का निरीक्षण किया। कैंटीन और हॉस्टल को लेकर कुछ सुझाव दिए गए हैं।

नए लैपटॉप का वितरण

कुलपति प्रोफेसर वेंकटरमण ने निदेशक प्रोफेसर सतीश कुमार के साथ आज आरजीयूकेटी बासर में इंजीनियरिंग प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रहे लगभग 1200 छात्रों को नए लैपटॉप का वितरण शुरू किया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. वेंकटरमण ने कहा कि ये लैपटॉप छात्रों को प्रौद्योगिकी में अपना कौशल विकसित करने के लिए बहुत उपयोगी होंगे। उन्होंने कहा कि छात्रों को टेक्नोलॉजी का लाभ उठाना चाहिए न कि इसका दुरुपयोग करना चाहिए। आने वाले दिनों में हम आरजीयूकेटी बासर को सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय बनाने के लिए राज्य सरकार के सहयोग से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण लगातार छात्रों के लिए काम कर रहा है। छात्रों को आश्वस्त किया गया कि वे हर समस्या का समाधान करने को तैयार हैं। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के प्रमुख, छात्र, डीपीआरओ जिला यन्त्रंग गानम और अन्य लोगों ने भाग लिया।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सूर्यकांत पाटिल और महाराष्ट्र के पूर्व राज्य मंत्री माधवराव किनलकर ने विधायक रामाराव पटेल से सौजन्य मुलाकात की। विधायक पावर रामाराव पटेल ने अपने निवास पर अतिथियों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया। उनके बीच कुछ देर तक राजनीतिक चर्चा हुई। पूर्व केंद्रीय मंत्री सूर्यकांत पाटिल ने इस मौके पर कहा कि बीजेपी मुधोल सीट जीतकर खुश है। महाराष्ट्र भाजपा नेता सुहास पाटिल, डॉ. हिंगोले भी उपस्थित थे। ।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं उत्तर भारती नागरिक संघ हैदराबाद के अध्यक्ष एनके सिंह एवं मनोहर सिंह की माताजी सावित्री देवी 100 वर्ष का बिहार के अरवल जिला में निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गयाजी के विष्णुपथ में किया गया, जिसमें बडी संख्या में लोगों ने भाग लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर गौ आवाम पंचायत के लोग काफी संख्या में मौजूद थे।

कलेक्टर आशीष सांगवान ने सरस्वती देवी का आशीर्वाद लिया

निर्मल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने बुधवार को प्रसिद्ध तीर्थस्थल बासर स्थित श्री ज्ञान की देवी सरस्वती देवी के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने मंगल वाद्य और पूर्ण कुम्भम से स्वागत किया। मंदिर के पुजारियों ने विशेष पूजा और कुमकुमरचन किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। ईओ विजयकुमार ने मंदिर के इतिहास और विशिष्टता के बारे में बताते हुए उन्हें शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इसमें आरडीओ कोमल रेड्डी व अन्य भी शामिल हुए।

महात्मा बसवेश्वर की मूर्ति का उद्घाटन

निर्मल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुधोल मंडल के विठोली गांव में आयोजित महात्मा बसवेश्वर मूर्ति का उद्घाटन स्थानीय विधायक पवार रामाराव पटेल ने किया। उन्होंने उनकी प्रतिमा का अनावरण किया और श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि बसवेश्वर 12वीं सदी के क्रांतिकारियों में से एक थे, एक सिद्धांतकार थे जिनका मानना था कि सभी मनुष्य एक हैं, कोई जाति धर्म नहीं है, शिव ही शाश्वत सत्य हैं और उन्होंने हमसे इसका पालन करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में उनके साथ एमपीटीसी, जेडपीटीसी, ग्रामीण भाजपा नेता, कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद थे।

विधायक ने अभय हस्तम कार्यक्रम में भाग लिया

भैंसा, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार का सबसे प्रतिष्ठित 'अभय हस्तम -प्रजापालन' कार्यक्रम आज मुधोल निर्वाचन क्षेत्र भैंसा मंडल के हमपोली गांव में आयोजित किया गया और मुख्य अतिथि विधायक पवार रामराव पटेल ने उपस्थित होकर अधिकारियों के प्रदर्शन का अवलोकन किया। इस मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पात्रों को आवेदन देने में किसी भी तरह की हेराफेरी न होने दी जाए। इस कार्यक्रम में विभिन्न गांवों के सरपंच, जेडपीटीसी, एमपीटीसी, भाजपा नेता और सभी विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

नागोल स्थित पूजा-अर्चना कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एन.वी.एस.एस.प्रभाकर, सोहनसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह निमाज,राजु शर्मा, रमेश चौधरी, मांगूसिंह राजपुरोहित, मदनलाल लोहार आदि ।

बुधवार के केबीआर पार्क में गणेश जी की पूजा-अर्चना करते हुए, भोज रेड्डी, पी. राजेन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सुरेन्द्र अग्रवाल, पुष्पलता, रेणु मंजु, अशोक लखोटिया, डॉ. पुरोहित सुशील कुमार अग्रवाल, पी.सी. जैन, गोपाल बल्दवा, दासरी श्रीनिवास, भगवान अग्रवाल, विजय कुमार अग्रवाल, महेश डकोतिया, मनसाराम अग्रवाल, मोहन लाल मित्तल व अन्य।

कोरेमुला स्थित श्री आईमाता मंदिर मे पूजा-अर्चनाकर अन्नोजीगुडा क्षेत्र में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए घर-घर जाकर अक्षत कलश निमंत्रण देते नगर परिषद चेयरमैन कोंडल रेड्डी, आर.नायक, कोरेमुला सीरवी समाज अध्यक्ष कालुराम काग, भीखू नायक, सुरेश नायक, शंकर रेड्डी, एस.गौड़ व अन्य।

निर्मल निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत सोन मंडल केंद्र और लक्ष्मणचंदा मंडल के नरसापुर (डब्ल्यू) गांव में सार्वजनिक प्रशासन आवेदनों के स्वागत कार्यक्रम की जांच करते हुए एलेटि महेश्वर रेड्डी सहित अन्य लोग।

डॉ अनिल कुमार आईपीएस को तेलंगाना स्पेशल प्रोटेक्शन फोर्स के डीजी नियुक्त होने पर उनको बधाई देते भाजपा नेता सतीश कुमार जाजू ।

सावित्रीबाई फुले जयंती को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाना चाहिए

कुमरम भीम आसिफाबाद 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एसएफआई जिला उपाध्यक्ष साईकुमार ने सावित्रीबाई फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि भारतीय समाज सुधारक सावित्रीबाई फुले पहली भारतीय महिला योद्धा थीं, जिन्होंने ब्रिटिश साम्राज्यवाद, ब्राह्मणवाद, मनुस्मृति के खिलाफ लड़ाई लड़ी और एक स्कूल की स्थापना की। जहां गरीब, कमजोर और दलित समुदाय की महिलाओं के लिए शिक्षा प्रदान की। जाति, पंथ, क्षेत्र, रंग, के भेदभाव, पितृसत्तात्मक व्यवस्था के खिलाफ शूद्रों, अछूतों और महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ना उनका विशेष अभियान था। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर नए समाज के लिए सामूहिक रूप से लड़ाई लड़ी। सावित्रीबाई फुले ने सरकार से तेलंगाना राज्य में तेलंगाना कोटि महिला विश्वविद्यालय का नाम रखने की मांग की।

इस कार्यक्रम में एसएफआई के सहायक सचिव नवीन, उपाध्यक्ष साई कृष्णा, जिला समिति सदस्य नितिन और समिति सदस्य नवीन और अन्य ने भाग लिया।

हर घर अयोध्या का पूजित अक्षत पहुंचाने का कार्यक्रम आरंभ

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट में श्रीराम जन्म भूमि मंदिर ट्रस्ट द्वारा हर घर अयोध्या का पूजित अक्षत पहुंचाने का कार्यक्रम आरंभ हुआ। इसमें 2000 परिवारों तक अयोध्या का अक्षत पहुंचाने की रूप रेखा तैयार की गई व इस कार्यबको बीस भिन्न टीम बना कर कार्यारंभ का शंखनाद किया गया। इसमें सभी बीस टीमों के साथ भारत भूषण, गौरव गुप्ता, रघुमा रेड्डी ने कार्यक्रम का शंखनाद कर अक्षत वितरण किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

अडाणी-हिंडनबर्ग केस ...

24 जनवरी 2023 को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा, मार्केट रेगुलेटर सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था। कोर्ट ने एक्सपर्ट कमेटी के सदस्यों की ओर से हितों के टकराव के संबंध में याचिकाकर्ताओं की दलीलों को खारिज कर दिया। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि भारत सरकार और सेबी भारतीय निवेशकों के हितों को मजबूत करने के लिए कमेटी की सिफारिशों पर विचार करेगी।

'समन की जानकारी ...

भाजपा के नेताओं की बेचैनी बता रही है कि ये नोटिस भाजपा दिलवा रही है। इन अवैध नोटिसों का जवाब देने के लिए अरविंद केजरीवाल मजबूर नहीं हैं।

गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े मनी लॉन्डरिंग मामले में पूछताछ के लिए बुधवार को ईडी के सामने पेश होने के लिए कहा गया था।

महुआ मोइत्रा के ...

शीर्ष अदालत ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और लोकसभा की आचार समिति को नोटिस जारी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह केवल लोकसभा महासचिव से जवाब मांगेगी। मोइत्रा ने अपनी याचिका में दोनों को पक्ष बनाया था। लोकसभा महासचिव की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से अनुरोध किया कि औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया जाए और वह महुआ मोइत्रा की याचिका पर जवाब दाखिल करेंगे।

संत सद्गुरु पूज्य भक्तिप्रिय स्वामी (कोठारी बापा) का लव फर काऊ फाउंडेशन का मोमेंटो से सन्मान करते चेयरमैन जसमत पटेल, साथ में स्वामी नाराणय मंदिर के ट्रस्टी जशभाई पटेल।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

2024 में दो बार होगी भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत!

टी20 वर्ल्ड कप से पहले भी हो सकता है महामुकाबला

मुंबई, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट की बात करें तो दोनों देशों के तनाव की वजह से द्विपक्षीय क्रिकेट संबंध ठंडे बस्ते में पड़े हैं। वहीं दोनों टीमों की भिड़ंत सिर्फ आईसीसी इवेंट में ही होती है। हर किसी की नजरें जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 पर टिकी हैं। इस टूर्नामेंट में भी भारत और पाकिस्तान का मुकाबला आकर्षण का केंद्र होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि इस साल क्रिकेट फील्ड पर ही जनवरी-फरवरी में भी दोनों टीमें आमने-सामने हो सकती हैं।

जी हां सीनियर टीमें जून में टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भिड़ सकती हैं। जबकि भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमें 19 जनवरी से 11 फरवरी तक होने वाले अंडर 19 वर्ल्ड कप में भी भिड़ सकती हैं। हालांकि, भारत और पाकिस्तान अंडर 19 वर्ल्ड कप के लिए ए और डी अलग-अलग ग्रुप में हैं। इसमें 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं और चार-चार टीमों को 4 ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप स्टेज के बाद नॉकआउट के पहले चरण में ग्रुप ए की टीमें डी से और ग्रुप बी की टीमें ग्रुप सी की टीमों से भी भिड़ेंगी।

कैसे हो सकती है भारत-पाकिस्तान की भिड़ंत?

ग्रुप ए में भारतीय टीम बांग्लादेश, आयरलैंड और यूएसए के साथ है। जबकि ग्रुप डी में पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और नेपाल की टीमें मौजूद हैं। नॉकआउट में ए3 (ग्रुप ए की तीसरे नंबर की टीम) और डी1 (ग्रुप डी की पहले नंबर की टीम), ए1 और डी2, ए4 और डी4, ए2 और डी3, ए1 और डी3, ए2 और डी1 व ए3 और डी2 की टीमें भिड़ेंगी। अगर भारत ग्रुप ए में नंबर 1 पर रहा और पाकिस्तान डी में नंबर 2 पर रहा तो 30 जनवरी को महामुकाबला हो सकता है। वहीं अगर भारत दूसरे और पाकिस्तान पहले पर रहा तो 3 फरवरी को भिड़ंत हो सकती है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में होगी भिड़ंत!

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारत और पाकिस्तान के बीच भिड़ंत न्यू यॉर्क में हो सकती है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार 8-9 जून को दोनों टीमें भिड़ सकती हैं। हालांकि, अभी आईसीसी की तरफ से ऑफिशियल शेड्यूल जारी नहीं हुआ है।

यहां भी लीग स्टेज में तो दोनों टीमें भिड़ ही सकती हैं। साथ ही 20 टीमों वाले वर्ल्ड कप में नॉकआउट के दौरान भी भारत-पाक मैच हो सकता है। अभी फैंस को फिलहाल तय तारीखों का इंतजार है कि कब-कब दोनों टीमें और कहां-कहां भिड़ सकती हैं।

सिराज का कहर : सिर्फ 15 रन देकर 6 विकेट लिए

केपटाउन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सेंचुरियन में बुरी तरह हारने वाली टीम इंडिया ने केपटाउन टेस्ट में कमाल वापसी की है. पहली पारी में टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को महज 55 रनों पर ढेर कर दिया. साउथ अफ्रीकी टीम लंच तक भी नहीं टिक पाई. सेंचुरियन में जिस टीम इंडिया को महज 3 दिन में बुरी हार झेलनी पड़ी थी अब उसी टीम ने केपटाउन में दमदार वापसी की है. केपटाउन के न्यूलैंड्स मैदान पर टीम इंडिया के गेंदबाजों ने इतना कमाल प्रदर्शन किया कि दुनिया देखती रह गई. दूसरे टेस्ट में साउथ अफ्रीका की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह ढेर हो गई. साउथ अफ्रीका की टीम पहली पारी में सिर्फ 55 रनों पर ऑल आउट हो गई. आपको बता दें ये टेस्ट क्रिकेट इतिहास में भारत का किसी भी टीम के खिलाफ सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है।

पूरी साउथ अफ्रीकी टीम को मोहम्मद सिराज ने अपनी स्विंग और पेस के दम पर ढेर कर दिया. दाएं हाथ के इस पेसर ने ऊपर के 6 में से 5 बल्लेबाजों को अकेले ही ढेर कर दिया.

सिराज ने सिर्फ 9 रन पर ही अपना फाइव विकेट हॉल पूरा कर लिया. इसके बाद उन्होंने वेरेने को भी आउट कर अपने टेस्ट करियर का बेस्ट प्रदर्शन हासिल कर लिया. सिराज ने सिर्फ 15 रन देकर 6 विकेट लिए. सिराज के अलावा बुमराह और मुकेश कुमार ने 2-2 विकेट हासिल किए।

जंतर-मंतर पर कुश्ती को लेकर फिर से प्रदर्शन शुरू

निशाने पर बजरंग पूनिया, साक्षी और विनेश फोगाट

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती में पिछले एक साल से सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। सीनियर पहलवानों के प्रदर्शन के बाद भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को अपनी कुर्सी गंवानी पड़ी। उसके बाद चुनाव हुए तो खिलाड़ियों ने नए अध्यक्ष संजय सिंह का विरोध किया। साक्षी मलिक ने संन्यास का एलान कर दिया और बजरंग पूनिया-विनेश फोगाट ने अपने पुरस्कार वापस कर दिए। खेल मंत्रालय ने फिर कुश्ती संघ को ही निलंबित कर दिया। अब बुधवार (तीन जनवरी) को एक बार फिर पहलवान जंतर-मंतर पर पहुंचकर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इस बार यह विरोध कुश्ती संघ या उसके

अधिकारियों के खिलाफ नहीं बल्कि बजरंग, साक्षी और विनेश फोगाट के खिलाफ है।

भारतीय कुश्ती में चल रहे संकट ने बुधवार को एक नया मोड़ ले लिया जब सैकड़ों जूनियर पहलवान अपने करियर के एक महत्वपूर्ण वर्ष के नुकसान के विरोध में जंतर-मंतर पर एकत्र हो गए। इस स्थिति के लिए उन्होंने शीर्ष पहलवान बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक और विनेश को दोषी ठहराया। बसों में भरकर, जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे, लेकिन पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी।

बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ लगाए नारे

लगभग 300 लोग छपरौली, बागपत में आर्य समाज अखाड़े से आए थे, जबकि कई अन्य नरेला में वीरेंद्र कुश्ती अकादमी से आए थे। कई लोग अभी भी बसों में भरे हुए हैं।

सभी अपने सहयोगियों के साथ प्रदर्शन में शामिल होने की योजना बना रहे हैं। सुरक्षाकर्मियों को उन्हें नियंत्रित करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। वह बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ नारे लगा रहे हैं। प्रदर्शनकारियों के हाथ में बैनर थे जिन पर लिखा था, "यूडब्ल्यूडब्ल्यू हमारी कुश्ती को इन तीन पहलवानों से बचाएं।"

नाडा के राडार में रहेंगे पंत, ईशान और श्रेयस

पहली बार रिकॉर्ड आठ क्रिकेटर आरटीपी में

नई दिल्ली, 3 जनवरी (एजेंसियां)। सड़क दुर्घटना के बाद पुनर्वास के दौर से गुजर रहे क्रिकेटर ऋषभ पंत अब राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) के राडार में रहेंगे। नाडा की ओर से पहली बार रिकॉर्ड आठ क्रिकेटरों को अपने पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल किया गया है। इनमें ईशान किशन और श्रेयस अय्यर का नया नाम जुड़ा है, जबकि सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, हरमनप्रीत कौर और स्मृति मंधाना इस पूल में पहले से शामिल हैं। यही नहीं भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाले पहलवान बजरंग और विनेश फोगाट भी आरटीपी में बरकरार रखे गए हैं।

आरटीपी में शामिल हुए 169 खिलाड़ी

नाडा ने 2024 के पहले क्वार्टर की आरटीपी में 169 खिलाड़ियों को शामिल किया है, जिसमें 67 एथलेटिक्स से संबंधित हैं। बीते वर्ष के अंतिम क्वार्टर की आरटीपी में 155 खिलाड़ी शामिल थे। आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों का नाडा की ओर से समय-समय पर डोप सैंपल लिया जाता है, इसके लिए खिलाड़ियों को सैंपलिंग के लिए अपना पता व्हेयर अबाउट के रूप में देना पड़ता है। नाडा अंतरराष्ट्रीय संघों की ओर से आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को शामिल नहीं करता है। हाल ही में वर्ल्ड एथलेटिक्स की एथलीट इंटीग्रिटी यूनिट ने नीरज चोपड़ा, किशोर जेना को अपने आरटीपी में शामिल किया है।

100 मीटर का रिकॉर्ड बनाने वाला पूल में नहीं

आरटीपी में बीते वर्ष अक्तूबर में 100 मीटर का 10.23 सेकंड के साथ राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाने वाले मनिकांत होबलीदार, महिलाओं की 100 मीटर रेस 11.36 सेकंड के साथ जीतने वाली गिरिधररानी जैसी एथलीटों को आरटीपी में शामिल नहीं किया गया है।

पाकिस्तानी टीम पर बौखलाए वसीम अकरम वकार यूनुस

शाहीन अफरीदी और टीम पर जमकर निशाना साधा

सिडनी, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पर्थ और मेलबर्न के बाद सिडनी में भी पाकिस्तानी टीम के बल्लेबाजों ने निराशाजनक प्रदर्शन किया. बाबर आजम, शान मसूद, अब्दुल्लाह शफीक जैसे खिलाड़ी नहीं चले. लेकिन पाकिस्तान के दो दिग्गज खिलाड़ी वसीम अकरम और वकार यूनुस शाहीन अफरीदी के मामले पर काफी ज्यादा नाराज दिखे. दरअसल शाहीन को सिडनी टेस्ट में आराम दिया गया है और अकरम-वकार ने इसी बात पर काफी ज्यादा हैरानी जताई.

अकरम ने पाकिस्तानी टीम पर साधा निशाना

वसीम अकरम ने ऑस्ट्रेलिया में कमेंट्री करते हुए सीधे तौर पर शाहीन अफरीदी और पाकिस्तानी टीम पर जमकर निशाना साधा. अकरम ने फॉक्स क्रिकेट पर कमेंट्री करते हुए कहा कि सिडनी टेस्ट में 20 साल पहले क्या हुआ था इसपर बात होगी लेकिन टी20

में पिछली रात को क्या हुआ इसपर कोई बात नहीं करेगा. यही टेस्ट और टी20 में अंतर है. अकरम ने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों को ये बात समझनी और सीखनी होगी. अकरम बोले कि अगर आपको महान खिलाड़ी बनना है तो आपको प्राथमिकता तय करनी होंगी. आप अमीर और महान खिलाड़ी दोनों बन सकते हो लेकिन इसके लिए थोड़ी समझ की जरूरत है.

वकार यूनुस रह गए दंग

दूसरी ओर वकार यूनुस ने फॉक्स क्रिकेट पर कमेंट्री करते हुए कहा कि शाहीन अफरीदी को प्लेइंग इलेवन से बाहर रखना उनके लिए काफी चौंकाने वाला था. वकार के मुताबिक शाहीन अफरीदी ने पिछले टेस्ट में गजब गेंदबाजी की थी. वो पुराने शाहीन अफरीदी दिखाई दे रहे थे. बता दें पाकिस्तान की टीम पहले दो टेस्ट हार गई थी और सिडनी में उसकी लाज दांव पर लगी है लेकिन इसके बावजूद इस टीम ने अपने बेस्ट गेंदबाज को आराम दे दिया. वो भी इसलिए क्योंकि पाकिस्तान को इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है. साफ है जब पाकिस्तानी टीम इस तरह के फैसले लेगी तो दिग्गज तो सवाल उठाएंगे ही.

वैसे सिडनी टेस्ट की बात करें तो पाकिस्तान का टॉप ऑर्डर एक बार फिर फ्लॉप रहा. ओपनर अब्दुल्लाह शफीक, सैयम अय्यूब तो खाता भी नहीं खोल पाए. कप्तान शान मसूद 35 और बाबर आजम 26 रन पर निपट गए, सऊद शकील 5 रन ही बना सके. लेकिन इसके बाद मोहम्मद रिजवान ने 88 और आगा सलमान ने 53 रनों की पारी खेली. 9वें नंबर पर आए आमिर जमाल ने शानदार अर्धशतक ठोक पाकिस्तान को पहली पारी में 300 के पार पहुंचाया.

पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान

हेनरी, विलियमसन, फर्ग्यूसन और कॉन्वे की वापसी; 12 जनवरी को खेला जाएगा पहला टी-20

खेल डेस्क, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान हो गया है। मैट हेनरी, लॉकी फर्ग्यूसन, केन विलियमसन और डेवोन कॉन्वे की वापसी हुई है।

हेनरी और फर्ग्यूसन अपनी-अपनी चोटों से उबर चुके हैं, जबकि केन विलियमसन और डेवोन कॉन्वे भी ब्रेक के बाद लौट आए है। वहीं पिछले साल अगस्त से टी-20 टीम से बाहर चल रहे रचिन रवींद्र की भी वापसी हुई है।

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज का पहला मुकाबला 12 जनवरी को ऑकलैंड में खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हुए थे हेनरी और फर्ग्यूसन

हेनरी को पुणे में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप के दौरान चोट लग गई थी। तब से वो पिछले दो महीने से टीम से बाहर थे। हेनरी सभी पांच

टी-20 मैच के लिए टीम में शामिल हैं। वहीं फर्ग्यूसन भी वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हुए थे, उन्हें अंतिम तीन टी-20 के लिए टीम में शामिल किया गया है।

तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे विलियमसन

न्यूजीलैंड टीम के रेगुलर कप्तान विलियमसन को हाल ही में खत्म हुए बांग्लादेश के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज में आराम दिया गया था। उनकी पाक के खिलाफ वापसी हुई है। वो तीसरा मैच नहीं खेलेंगे, उनकी जगह अनकैप्ड बैटर जोश क्लार्कसन को कवर के रूप में टीम में मौका मिला है। विलियमसन चार मैचों में टीम की कप्तानी करेंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तीसरे मैच में मिचेल सैंटनर टीम की कमान संभालेंगे।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम

केन विलियमसन (कप्तान) (तीसरे मैच में नहीं खेलेंगे), फिन एलन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेवोन कॉन्वे (विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, मार्क चैपमैन, जोश क्लार्कसन (सिर्फ तीसरे मैच के लिए), मिचेल सैंटनर, मैट हेनरी, एडम मिल्ने, ईश सोढ़ी, टिम साउदी, बेन सियर्स (मैच 1 और 2), लॉकी फर्ग्यूसन (मैच 3, 4 और 5)।

ओलिंपिक क्वालिफाई करने की रेस में अनोखी स्केटिंग जोड़ी

ब्रिटेन के 13 साल के टॉमी व 50 साल के एंडी एक ही टीम में

लंदन, 3 जनवरी (एजेंसियां)। पेरिस ओलिंपिक के स्केटिंग इवेंट में इस साल एक अनोखी जोड़ी देखने को मिल सकती है। ब्रिटेन की टीम में 13 साल के टॉमी काल्वर्ट इन दिनों 50 साल के एंडी मैकडोनाल्ड के साथ पार्क स्केटबोर्डिंग इवेंट की तैयारियों में जुटे हैं। इनका लक्ष्य 26 जुलाई से शुरू हो रहे पेरिस ओलिंपिक में जगह बनाना है, जिसका फैसला मई-जून में होने वाले क्वालिफायर राउंड से होगा। वहां 20 ओलिंपिक स्पॉट दांव पर होंगे, जिनके लिए दुनिया के टॉप-44 रैंकिंग वाले स्केटबोर्डर्स रेस में होंगे।

अगर टॉमी और एंडी की जोड़ी पेरिस का टिकट कटा लेती है तो यह किसी नेशनल स्केटबोर्डिंग टीम में उम्र के सर्वाधिक अंतर

वाली टीम बन जाएगी। एंडी और टॉमी के बीच 37 साल का अंतर है। पेरिस ओलिंपिक तक एंडी 51 साल पूरे कर चुके होंगे।

एंडी और टॉमी की मुलाकात लगभग दो साल पहले कैलिफोर्निया में स्केटबोर्ड ट्रेनिंग के दौरान हुई थी। एंडी मूल रूप से अमेरिकी हैं, जिनके पास ब्रिटेन का पासपोर्ट है, जबकि लिवरपूल में जन्मे टॉमी अपने अंग्रेज माता-पिता के साथ इन दिनों अमेरिका में ही रहते हैं। जब टॉमी 3 साल के थे तो उनके माता-पिता काम की वजह से अमेरिका शिफ्ट हो गए। टॉमी वहां 7 साल की उम्र से स्केटिंग कर रहे हैं।

वहीं, उनसे उम्र में लगभग 4 गुना बड़े एंडी अमेरिका में ही जन्मे थे। वे स्केटिंग के ही दूसरे फॉर्मेट वर्ट स्केटबोर्डिंग में सबसे ज्यादा मेडल जीत चुके हैं। वे 8 बार के वर्ल्ड कप विजेता हैं।

1994 से स्केटबोर्डिंग कर रहे एंडी को ट्रांसवर्ल्ड स्केटबोर्डिंग मैगजीन में बेस्ट ओवरऑल स्केटर का अवॉर्ड मिल चुका है। वे अक्सर अपनी मेडल जीतने की कंसिस्टेंसी के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई टूर्नामेंट्स में अपने से युवा खिलाड़ियों को भी शिकस्त दी है। 1999 में उन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति भवन व्हाइट हाउस में एंटी-ड्रग स्पीच देने के लिए बुलाया गया था, जहां उन्होंने व्हाइट हाउस के मार्बल पर भी स्केटिंग का प्रदर्शन किया था। वे अमेरिका की स्केटबोर्डिंग गवर्निंग बॉडी के फाउंडर मेंबर हैं।

टोक्यो ओलिंपिक में स्केटबोर्डिंग आने के बाद उन्हें इंग्लैंड की ओर से इसमें भागीदारी का विचार आया। लुटन में जन्मे उनके पिता की वजह से ब्रिटिश पासपोर्ट मिल गया और 2022 में उन्होंने सार्वजनिक रूप से पेरिस ओलिंपिक में हिस्सेदारी की घोषणा की। एंडी तीन बच्चों के पिता हैं। उनके तीनों बच्चे टॉमी से बड़े हैं। दोनों ने कुछ महीने पहले ब्रिटिश चैम्पियनशिप में हिस्सेदारी कर ब्रिटिश टीम में जगह बनाई। अब अनुभव और ऊर्जा की यह जोड़ी क्वालिफायर्स के लिए तैयार है।

ब्रिस्बेन इंटरनेशनल: नडाल ने एक साल बाद सिंगल्स मैच खेला

सीधे सेट में डोमिनिक थिएम को हराया विक्टोरिया अजारेंका प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

ब्रिस्बेन क्वीन्सलैण्ड, 3 जनवरी (एजेंसियां)। स्पेन के टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल एक साल बाद सिंगल्स मैच खेलने टेनिस कोर्ट पर उतरे। उन्होंने अपनी बेहतरीन फॉर्म दिखाते हुए ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम को लगातार सेट में हराया।

22 बार के चैम्पियन नडाल ने पूर्व नंबर-3 थिएम के खिलाफ 7-5, 6-1 से जीत दर्ज की। नडाल ने मैच में सिर्फ 6 अनफोर्स्ड एरर कीं। उन्होंने आखिरी 9 गेम में से 8 जीते। नडाल ने 89 मिनट में जीत दर्ज की और प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली।

जेसन कुबलेर से भिड़ेंगे नडाल

अब उनका सामना ऑस्ट्रेलिया के जेसन कुबलेर से होगा। 37 साल के नडाल पिछले साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन के दूसरे राउंड में बाहर होने के बाद से कोर्ट से दूर थे।

2020 की ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता उलटफेर का शिकार

2020 की ऑस्ट्रेलियन ओपन विजेता सोफिया केनिन को नंबर-113 एरिना रोडियोनोवा ने 7-5, 7-6 से हराया। पूर्व नंबर-1 विक्टोरिया अजारेंका ने एना केलिंसकाया को 6-1, 7-6 से मात देकर प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

छह गारंटियों से पीछे हटने का सवाल ही नहीं खड़ा होता: पोन्नम प्रभाकर

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने दोहराया है कि राज्य सरकार छह गारंटी को 100 प्रतिशत लागू करेगी और वादों से पीछे हटने का कोई सवाल ही नहीं है। पोन्नम प्रभाकर, जो हैदराबाद जिले के प्रभारी मंत्री भी हैं, ने बुधवार को शहर के मुशीराबाद सर्कल के बोलकपुर वार्ड में अंजुमन स्कूल में आयोजित प्रजा पालन कार्यक्रम के हिस्से के रूप में लोगों से आवेदन प्राप्त किए। कार्यक्रम में जीएचएमसी कमिश्नर रोनाल्ड रोज़ और हैदराबाद के जिला कलेक्टर अनुदीप दुरीशेट्टी भी मौजूद थे।इस अवसर पर बोलते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि कार्यक्रम के लॉन्च के बाद से जीएचएमसी सीमा में लगभग 10 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं और अधिकांश आवेदन मुख्य रूप से इंदिराम्मा के घरों, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, पेंशन, महा लक्ष्मी और सब्सिडी वाली गैस से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार बने एक महीना हो गया है और छह में से दो गारंटी पहले ही सफलतापूर्वक लागू हो चुकी हैं। पोन्नम ने खुलासा किया, आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है और योजना शुरू होने के बाद से अब तक छह करोड़ से अधिक महिला यात्रियों ने निगम की बसों में यात्रा की है। मंत्री ने कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के बाद मुफ्त बस सुविधा सफल रही और महिलाएं इस सुविधा पर खुशी व्यक्त कर रही हैं।आरटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा के विरोध में 6 जनवरी से प्रस्तावित ऑटो चालकों की हड़ताल पर प्रतिक्रिया देते हुए मंत्री ने आरोप लगाया कि बीआरएस पार्टी महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना की सफलता को पचा नहीं पा रही है और वह ऑटो चालकों को राज्य सरकार के खिलाफ भड़का रही है।

बीआरएस पार्टी ने कांग्रेस के वादों पर पुस्तिका जारी की

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने आज हाल के विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए 420 वादों के नाम पर एक पुस्तिका जारी की। बीआरएस पार्टी ने चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए जवाबी वादों पर एक पुस्तिका प्रकाशित की है। यह पुस्तिका कई वादों के कार्यान्वयन में देरी के मद्देनजर कांग्रेस पार्टी को उन वादों की याद दिलाने के लिए बनाई गई है, जो केवल चुनाव जीतने के लिए धोखाधड़ी से संभव नहीं हैं। बीआरएस पार्टी ने अपने घोषणापत्र के साथ विभिन्न घोषणाओं के दौरान किए गए वादों को एक साथ रखकर यह पुस्तिका प्रकाशित की थी। इसमें कहा गया है कि यह ज्ञात नहीं है कि कांग्रेस पार्टी ने इसे दुर्घटनावश दिया या तेलंगाना के लोगों को धोखा देने का फैसला किया और पहले से ही निर्णय लिया, लेकिन ये आश्वासन संख्या 420 के तरीके से हैं, जो धोखाधड़ी का पर्याय है। इसमें कहा गया है कि कम से कम अब, ऐसे कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए ताकि कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए वादों को केवल लंबी प्रक्रियाओं में शामिल करने के बजाय तुरंत लागू किया जाए। बीआरएस पार्टी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने चुनाव प्रचार में जो कहा है, उस पर कायम रहकर वादों को पूरा करना चाहिए. पार्टी ने कहा कि अगर उसने केवल 420 वादे करके तेलंगाना के लोगों को धोखा दिया है तो वह समय-समय पर लोगों को कांग्रेस पार्टी द्वारा किए गए धोखाधड़ी के बारे में याद दिलाकर कांग्रेस पार्टी पर दबाव बनाएगी।

अमर राजा के सीएमडी ने सीएम रेवंत से की मुलाकात

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अमर राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी (पूर्व में अमारा राजा बैटरीज) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जयदेव गल्ला ने बुधवार को यहां सचिवालय में मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से मुलाकात की बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री और गल्ला ने अमारा राजा की चल रही और भविष्य की परियोजनाओं पर चर्चा की, जिसमें तेलंगाना के महबूबनगर में इसकी ऐतिहासिक गीगा कॉरिडोर परियोजना भी शामिल थी। अमर राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी (एआरईएंडएम) भारत के अग्रणी ऊर्जा भंडारण और गतिशीलता उद्यमों में से एक है और औद्योगिक और ऑटोमोटिव दोनों अनुप्रयोगों के लिए बैटरी के सबसे बड़े निर्माताओं में से एक है। बढ़ती इलेक्ट्रिक गतिशीलता और ऊर्जा भंडारण बाजारों को संबोधित करने के लिए उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों में अपने प्रवेश के हिस्से के रूप में, अमारा राजा एक गीगा कॉरिडोर स्थापित कर रहा है जिसमें उन्नत रसायन विज्ञान सेल (एसीसी) विनिर्माण के लिए भारत की सबसे बड़ी लिथियम-आयन गीगा फैक्टरियों में से एक शामिल होगी। तेलंगाना न्यू एनर्जी पार्क, महबूबनगर में बैटरी पैक असेंबली और एक आर एंड डी हब जिसे शमशाबाद में ई-पॉजिटिव एनर्जी लैब्स कहा जाता है, जिसमें 9,500 करोड़ रुपये का पूंजी निवेश और 4,500 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार सृजन की क्षमता और अप्रत्यक्ष रोजगार में लगभग इतनी ही संख्या है।

इस अवसर पर रेवंत रेड्डी ने कहा, अमर राजा तेलंगाना की विकास गाथा में एक प्रमुख भागीदार है और उन्होंने तेलंगाना में एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल गीगा फैक्ट्री, पैक असेंबली और ईपॉजिटिव एनर्जी लैब्स के संचालन के लिए आवश्यक समर्थन का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि "तेलगाना स्वच्छ ऊर्जा के लिए प्रतिबद्ध है और एसीसी जैसी उन्नत भंडारण प्रौद्योगिकियां राज्य के लिए प्राथमिकता वाला क्षेत्र हैं। एआरईएंडएम के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, जयदेव गल्ला ने कहा, हम अपनी ऐतिहासिक गीगा कॉरिडोर परियोजना के त्वरित निष्पादन के लिए उनके निरंतर समर्थन के लिए सरकार की सराहना करते हैं।

अमारा राजा तेजी से विस्तार करने के लिए तैयार है और हमें उम्मीद है कि तेलंगाना सरकार उद्योगों को समर्थन देना जारी रखेगी ताकि राज्य को बढ़ते ईवी और नई ऊर्जा क्षेत्र में एक प्रमुख ताकत के रूप में स्थापित किया जा सके।

बैठक के दौरान उद्योग मंत्री डी श्रीधर बाबू, मुख्य सचिव शांति कुमारी, प्रमुख सचिव आईटीईएंडसी जयेश रंजन और विशेष सचिव, निवेश प्रोत्साहन, विष्णु वर्धन रेड्डी भी उपस्थित थे।

तीन प्रवेश द्वार को बंद करने वाली दीवार पर विवाद

जगतियाल, 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को मेटपल्ली में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा त्रिशक्ति मंदिर के एक तरफ के प्रवेश द्वार को बंद करने वाली दीवार का निर्माण अब विवाद का कारण बन गया है। बताया जा रहा है कि अज्ञात लोगों ने रातों-रात धर्मस्थल के उत्तर की ओर के प्रवेश द्वार को बंद कर दीवार का निर्माण कर दिया। सुबह दीवार देखकर मंदिर समिति के सदस्यों ने स्थानीय विधायक, नगर निगम आयुक्त और पुलिस अधिकारियों को सूचित किया।

जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगालकर दीवार बनाने वालों का पता लगाया। आरोपियों को मंदिर में बुलाकर पूछताछ की । उन्हें तत्काल दीवार हटाने को कहा गया। मंदिर समिति के सदस्यों ने तुरंत प्रतिक्रिया देने और दीवार को हटाने की पहल करने के लिए स्थानीय विधायक और पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

स्थानीय लोगों ने जमीन मंदिर के लिए छोड़ दी थी, लेकिन कुछ लोग उस स्थान पर अपना एकाधिकार जमाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को सूचित किया और चाहते थे कि उनकी समस्या का स्थायी समाधान खोजा जाए।

वाहन चालकों ने ली राहत की सांस

हैदराबाद 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रव्यापी ट्रक ड्राइवरों के विरोध प्रदर्शन के कारण ईंधन की कमी और पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारों के कारण उथल-पुथल की अवधि के बाद, बुधवार को स्थिति काफी हद तक सामान्य होने से हैदराबाद में लोगों ने राहत की सांस ली। सभी पेट्रोल पंप सुचारु रूप से चल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ईंधन की कमी के कारण हैदराबाद के पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लग गई थी। तेलंगाना राज्य पेट्रोल डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जी. विनय कुमार ने कहा अब सब कुछ सामान्य हो गया है, और चिंता करने की कोई ज़रूरत नहीं है। लोगों को अब घबराने की जरूरत नहीं है।उन्होंने कहा पेट्रोल पंप अब ग्राहकों का इंतजार कर रहे हैं।शुरुआती कमी, लंबी कतारों और बढ़ती यातायात भीड़ के कारण व्यवधान उत्पन्न हुआ था। मंगलवार को चिंतित मोटर चालकों की लंबी और टेढ़ी-मेढ़ी कतारें देखी गईं, जिससे शहर और उपनगरों के कई हिस्सों में यातायात में काफी दिक्कतें आई थी।

ड्रग तस्करी मामले में दो गिरफ्तार

निर्मल, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)।पिछले कुछ दिन पहले कामा रेड्डी में ड्रग केस से जुड़ी जांच के चलते निर्मल जिले के लोसरा मंडल से दो युवक को गिरफ्तार कर जांच के लिए हैदराबाद लेजाया गया। बताया जाता है कि बुधवार को उत्पाद शुल्क टास्क फोर्स के अधिकारियों ने दो युवकों को हिरासत में लिया है। एक को लोकेश्वरम मंडल के गढ़ चंदा गांव से और दूसरे को पिपरी गांव से हैदराबाद के टास्क फोर्स के अधिकारी ले गए। जैसे ही उन्हें गिरफ्तार किया गया, उन्हें लोकेश्वरम पुलिस स्टेशन लाया गया और यहां के अधिकारियों की अनुमति के साथ ले जाया गया। बताया गया है कि उन्होंने एक व्यापारी से ड्रग्स खरीदा था। आप को बतादे की कामारेड्डी से 2 हफ्ते पहले कुछ लोगो करोड़ों के अल्प्राजोलम ड्रग 30 किलो की तस्करी के मामले में लोगो को गिरफ्तार किया गया जिस से जुड़ी कड़ी निर्मल जिले से पाई गई। ज्ञात रहे यह बताया गया ड्रग मेडिकल लाइन में डॉक्टर की सलाह के बगैर लेना झोकिम कहा गया है। इसे नियमित उपयोग से लोग इसके आदि हो जाते है इसके बगैर जीना मुश्किल हो जाता है।

संक्रांति पर अवकाश घोषित

हैदराबाद 3जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने संक्रांति त्योहार के सिलसिले में स्कूलों में आधिकारिक तौर पर छुट्टियों की घोषणा कर दी है। एक बयान में कहा गया कि संक्रांति त्योहार के मद्देनजर 12 से 17 जनवरी तक छुट्टियां रहेंगी। आदेश में कहा गया है कि छुट्टियां मिशनरी स्कूलों को छोड़कर सभी स्कूलों पर लागू होंगी। 12 जनवरी से संक्रांति उत्सव शुरू होगा। अगले दिन दूसरा शनिवार है, फिर 14 जनवरी रविवार को भोगी उत्सव है। सोमवार 15 को संक्रांति उत्सव है। वहीं, 16 को कनुमा उत्सव है।17 को सरकार ने स्कूलों को अतिरिक्त छुट्टी दी है। इसके साथ ही स्कूलों में छह दिनों तक छुट्टियां रहेंगी। शिक्षा विभाग ने कहा है कि अगर निजी शिक्षण संस्थान सिलेबस के नाम पर त्योहारी छुट्टियों में कक्षाएं आयोजित करेंगे तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच रविवार 25 जनवरी और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस की लगातार छुट्टियां रहने वाली हैं। इसके अलावा, इंटरमीडिएट बोर्ड ने संक्रांति त्योहार से संबंधित छुट्टियों की भी घोषणा की है। इसमें कहा गया कि यह 13 से 16 जनवरी तक होगा। त्योहार के लिए केवल चार दिन की छुट्टियां दी गई हैं।

भाजपा ओबीसी अध्यक्ष ने सावित्रीबाई को श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. लक्ष्मण ने आज सावित्रीबाई फुले को श्रद्धांजलि अर्पित की, जो पहली महिला शिक्षिका थीं, जिन्होंने महिला शिक्षा के विकास के लिए काम किया और समाज के लिए एक महान आदर्श थीं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई ने समाज में विभिन्न प्रकार की बीमारियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। विधवाओं के खिलाफ भेदभाव और नाजायज बच्चों के नाम पर शिशुओं की हत्या के खिलाफ विभिन्न संघर्ष छेड़े गए। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। वह उस सामाजिक क्रांति की जननी थीं, जिसने न केवल विधवाओं को एक साथ लाया और उन्हें आश्रय दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि सभी लोग समान रूप से रहें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहे हैं कि महिलाएं सावित्रीबाई फुले के आदर्शों के अनुरूप सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा कि वे महिलाओं को शिक्षा, चिकित्सा और राजनीति के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एक महिला को पहली रक्षा मंत्री बनने का अवसर दिया गया और कहा कि निर्मला सीतारमण को केंद्रीय वित्त मंत्री नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को प्राथमिकता दी गई और 11 महिलाओं को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया गया. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने कई राज्यों में राज्यपाल नियुक्त किये हैं।उन्होंने कहा कि वे वित्तीय सहायता के हिस्से के रूप में महिलाओं को ब्याज मुक्त ऋण प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं न केवल भारत के रक्षा क्षेत्र में बल्कि अंतरिक्ष के क्षेत्र में भी सैनिक के रूप में सेवा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को आजादी दिलाने के लिए तीन तलाक को खत्म किया गया।

वाई जगन आज केसीआर से मिलेंगे

हैदराबाद, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। एपी सीएम वाईएस जगन मोहन रेड्डी आज (गुरुवार) हैदराबाद में रहेंगे। वह सीधे तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के आवास पर जाएंगे और उनसे मुलाकात करेंगे। ऐसा लग रहा है कि केसीआर के घर जा रहे जगन सीएम के साथ लंच मीटिंग करेंगे। केसीआर के चुनाव हारने के बाद जगन पहली बार मिलेंगे।

वाईएस जगन की बहन वाईएस शर्मिला, जो अब तक तेलंगाना में केसीआर के खिलाफ लड़ती थीं, ने अब कांग्रेस पार्टी के नेता के रूप में एपी में सक्रिय होने का फैसला किया है। इस समय जगन हैदराबाद जा रहे हैं. वाईएसआरसीपी पार्टी के नेताओं का कहना है कि जगन एक विनम्र मुलाकात के तौर पर केसीआर से मिलने जा रहे हैं। एमपी चुनाव से पहले सीएम जगन और केसीआर की मुलाकात दिलचस्प होती जा रही है।

मस्जिदों को लेकर ओवैसी ने दिया भडकाऊ बयान

हैदराबाद,3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, इसी बीच अब एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने एक बार फिर से विवादित बयान दिया है। ओवैसी यहां भवानी नगर में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वह भारत में मस्जिदों के अस्तित्व को लेकर चर्चा कर रहे थे। इस मौके पर ओवैसी ने मुस्लिम युवाओं से मस्जिदों का अस्तित्व बचाए रखने की अपील की। उन्होंने युवाओं से कहा कि हम अपनी मस्जिदें खो रहे हैं। सभी देख रहे हैं कि यहां क्या हो रहा है। ये सब देखने के बाद भी क्या तुम्हारे दिलों में दर्द नहीं होता?असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम युवाओं से अपील करते हुए कहा कि केंद्र की बीजेपी सरकार की गतिविधियों पर नजर रखनी होगी। हमें यह ध्यान रखना होगा कि इस देश में मस्जिदें आबाद रहें। वहीं बाबरी मस्जिद का उदाहरण देते हुए ओवैसी ने कहा कि वह स्थान जहां पिछले 500 वर्षों से पवित्र कुरान का पाठ किया गया था, अब हमारे हाथों में नहीं है। ओवैसी ने आगे कहा कि तीन-चार और मस्जिदों को लेकर साजिश हो रही है, जिसमें दिल्ली की सुनहरी मस्जिद भी शामिल है। उन्होंने मुस्लिम युवाओं से कहा कि इन सभी घटनाओं पर आपको ध्यान रखना होगा।

ओवैसी ने मुस्लिम युवाओं से सतर्क और एकजुट रहने की अपील की है। इस मौके पर ओवैसी ने कहा कि अपना समर्थन और ताकत बनाए रखें। अपनी मस्जिदों को आबाद रखें। ऐसा हो सकता है कि ये मस्जिदें हमसे छीन ली जाएं। मुझे उम्मीद है कि आज का युवा, जो कल का बूढ़ा व्यक्ति होगा, वह इस बारे में गंभीरता से सोचेगा कि वह अपने, अपने परिवार, अपने शहर और अपने पड़ोसी की मदद कैसे कर सकता है। उन्होंने कहा कि एकता ही शक्ति है।

ओवैसी ने हाल ही में अपने एक भाषण का बचाव करते हुए अब कहा, 'मैंने क्या गलत बोला ? उन्होंने बाबरी मस्जिद गिरा दी, किसी को सजा नहीं हुई। इनकी नजरें है हमारी मस्जिदों पर है।वो देवेंद्र फडणवीस बाबरी मस्जिद पर बोलकर लोगों को भड़का रहे हैं। बकवास

राम मंदिर मुद्दे पर विवाद कर राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश में ओवैसी: बंडी

करीमनगर 3 जनवरी(स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और करीमनगर के सांसद बंडी संजय कुमार ने आरोप लगाया कि एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी जनवरी में होने वाले राम मंदिर मूर्ति प्रतिष्ठा कार्यक्रम पर विवाद करके राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं। संजय कुमार ने बुधवार को यहां चैतन्यपुरी कॉलोनी में घरों में राम के अक्षत वितरित करते हुए कहा, ओवैसी विवादास्पद बयान देकर मुस्लिम युवाओं को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। अक्षत को श्री राम ट्रस्ट के तत्वावधान में अयोध्या से लाया गया था।संजय कुमार ने कहा कि राम मंदिर निर्माण पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का देशभर के मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी विरोध नहीं किया है। राजनीतिक संबद्धताओं के बावजूद, देश में हिंदुओं ने अपना योगदान दिया और एक अद्भुत राम मंदिर का निर्माण किया।उन्होंने कहा, वे श्री राम की मूर्ति पूजा समारोह का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे।

सीएम जगनमोहन ने 3,000 रुपये की बढ़ी पेंशन वितरित की

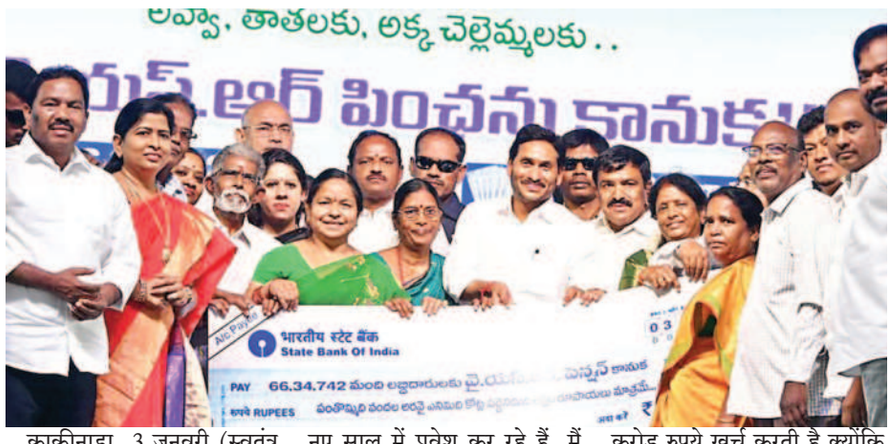

काकीनाडा, 3 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ₹आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने आरएमसी ग्राउंड्स काकीनाडा में 'वाईएसआर पेंशन कनुका' योजना के तहत 66.34 लाख लाभार्थियों (बुजुर्गों, विधवाओं और विकलांगों) के लिए प्रति माह 3,000 रुपये की बढ़ी हुई सामाजिक सुरक्षा पेंशन वितरित की। इसके साथ, आंध्र प्रदेश अब मासिक पेंशन राशि और इसका लाभ उठाने वाले लाभार्थियों की संख्या के मामले में भारत में नंबर एक स्थान पर है। इसके अतिरिक्त, इसके साथ, सीएम जगन ने अपने सबसे महत्वपूर्ण चुनावी वादों में से एक को पूरा किया है, जो 2019 में सत्ता में आने के बाद से चरणबद्ध तरीके से सभी लाभार्थियों के लिए पेंशन को 2000 रुपये से बढ़ाकर 3000 रुपये (हर साल 250 रुपये बढ़ाकर) करना था। काकीनाडा के रंगाराया मेडिकल कॉलेज मैदान में 'जय जगन' के नारे लगाते समर्थकों के बीच वितरण किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, जगन ने कहा, 'जैसा कि हम एक नए साल में प्रवेश कर रहे हैं, मैं नहीं चाहता कि बदलाव सिर्फ एक तारीख/कैलेंडर तक सीमित रहे। इस नए साल में मैं गरीबों के जीवन में सार्थक बदलाव लाना चाहता हूं। इसलिए, मैंने सभी पात्रों के लिए वाईएसआर पेंशन कनुका के तहत पेंशन राशि को बढ़ाकर 3000 रुपये प्रति माह करने का निर्णय लिया है। हमारे सबसे कमजोर नागरिकों को बेहतर वित्तीय सुरक्षा और सम्मान प्रदान करने के लिए यह मेरी सरकार की प्रतिबद्धता है।'उन्होंने आगे बताया कि कैसे, पिछले 4 वर्षों में, वाईएसआरसीपी सरकार के अधिकारियों द्वारा किए गए अथक प्रयास से, लाभार्थियों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। मुख्यमंत्री ने कहा, '2019 चुनाव से छह महीने पहले केवल 39 लाख लाभार्थियों को मासिक पेंशन के रूप में 1000 रुपये दिए जाते थे. पूर्व मुख्यमंत्री और टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू पेंशन के लिए केवल 400 करोड़ रुपये मासिक आवंटित करते थे। लेकिन, वाईएसआरसीपी सरकार एक महीने में लगभग 2000 करोड़ रुपये खर्च करती है क्योंकि यह हमारे लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता है। लोगों को पिछली टीडीपी शासन और वर्तमान वाईएसआरसीपी सरकार के बीच भारी अंतर की याद दिलाते हुए, जगन ने कहा, 'जब टीडीपी सत्ता में थी, तो प्रत्येक पेंशन लाभार्थी को पांच वर्षों (2014 और 2019) में कुल पेंशन राशि के रूप में केवल 58,000 रुपये मिले। लेकिन आज, वाईएसआरसीपी सरकार के तहत, उसी पेंशन लाभार्थी को 2019 से कुल 1.4% लाख रुपये मिले हैं।' उन्होंने इस अवसर पर घर-घर जाकर पेंशन राशि वितरित करने की प्रतिबद्धता और परिश्रम के लिए ग्राम और वार्ड सचिवालय प्रणाली की सराहना की। पिछली टीडीपी सरकार के दौरान मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, 'नायडू के शासन के दौरान, पेंशन लाभार्थियों को रिश्वतखोरी, भेदभाव और लंबी कतारों में अंतहीन इंतजार जैसे कई प्रतिकूल मुद्दों का सामना करना पड़ा। आज, हमारे गांव और वार्ड के स्वयंसेवकों को धन्यवाद, हम पेंशन लाभार्थियों की पहचान करने और सभी पात्र व्यक्तियों को उनकी जाति, पंथ, समुदाय या राजनीतिक संबद्धता की परवाह किए बिना सामाजिक सुरक्षा पेंशन का उचित वितरण सुनिश्चित करने में सक्षम हैं। और आपको हमारे कार्यालय आने की भी आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा, हमारे वाईएसआरसीपी सरकार के स्वयंसेवक आपको वित्तीय सहायता देने के लिए हर महीने की पहली तारीख को सीधे आपके दरवाजे पर आएंगे। जगनन्ना आवास योजना के तहत गरीबों को मकान आवंटन को लेकर जन सेना प्रमुख पवन कल्याण के पीएम मोदी को लिखे पत्र पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए जगन मोहन रेड्डी ने कहा, '2014 में, चंद्रबाबू नायडू ने कई वादे किए, उनमें से एक तीन सेंट जमीन प्रदान करना था। गरीब लेकिन वह एक पैसा भी देने में असफल रहे। लेकिन भ्रष्टाचार के बारे में चंद्रबाबू नायडू से सवाल करने के बजाय, पवन कल्याण ने उन्हें सहानुभूति की पेशकश की। पवन कल्याण ने 2014 में चंद्रबाबू के भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र को कोई पत्र क्यों नहीं लिखा? पवन कल्याण की हिम्मत कैसे हुई मेरी मंशा और विश्वसनीयता पर सवाल उठाने की।

शिकायत से एक ही बात साबित होती है कि टीडीपी और जेएसपी दोनों गरीबों के खिलाफ मिले हुए हैं। उनका एकमात्र इरादा गरीबों की प्रगति और कल्याण में बाधा डालना है। बढ़ी हुई पेंशन का वितरण 1 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ और 8 जनवरी, 2024 तक जारी रहेगा, जिसमें 66 लाख से अधिक लाभार्थी शामिल होंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.